शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

केंद्र सरकार गांधी परिवार के खिलाफ नफरत की राजनीति कर रही है: हरिप्रसाद @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 06 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-185

प्रवासी भारतीयों द्वारा भारत भेजे जाने वाले धन का बज रहा डंका

इस साल भारत आया 135.46 बिलियन डॉलर

विभिन्न देशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों द्वारा अपने घर भेजे जाने वाला धन पूरी दुनिया में धूम मचा रहा है। धन प्रेषण के मामले में भारत दुनिया में शीर्ष स्थान पर कायम है। वित्त वर्ष 2024-25 में यह रिकॉर्ड 135.46 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि दिखा रहा है और दुनियाभर में भारतीय प्रवासियों की बढ़ती आर्थिक ताकत को भी दिखाता है। प्रवासी भारतीयों की इस आर्थिक ताकत में सेंध लगाने की साजिशें हो रही हैं। इसमें

धन-प्रेषण मामले में भारत विश्व में सर्वोच्च स्थान पर कायम

प्रवासी भारतीयों की आर्थिक ताकत में सेंध लगाने की कोशिश

वही देश शामिल हैं, जिन देशों में भारतीय अपना श्रम और अपनी बुद्धि लगाकर पैसे कमाते हैं और उस देश को भी समृद्ध बनाते हैं। खास तौर पर अमेरिका में हो रहा नासमझ बदलाव इस महत्वपूर्ण आर्थिक जीवनरेखा के लिए संभावित खतरा पैदा कर रहा है। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि विदेशों से आया 135.46 बिलियन डॉलर का धन भारत के कुल चालू खाता

(करंट एकाउंट) में आए कुल 1 ट्रिलियन डॉलर धन का 10 प्रतिशत से अधिक है। इन प्रेषणों को भारत के चालू खाते में निजी हस्तांतरण के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। यह पारंपरिक

शुभ-लाभ सरोकार

रूप से देश की बाहरी वित्तीय शक्ति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रिपोर्ट बताती है कि प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजा जाने वाला धन आम तौर पर भारत के कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह से अधिक है। एफडीआई अस्थिर और वैश्विक पूंजी प्रवृत्तियों (ग्लोबल कैपिटल ट्रेंड) के प्रति अधिक संवेदनशील बना हुआ है, लेकिन प्रवासी भारतीयों द्वा भेजा गया धन विदेशी मुद्रा का अधिक सुसंगत और विश्वसनीय स्रोत साबित हो रहा है।

अमेरिका ने विदेशी धन हस्तांतरण पर लगाया 1 प्रतिशत कर

अमेरिका की देखादेखी कई अन्य देश भी बाधा डालने में लगे

भारतीय प्रवासी 100 से अधिक देशों में फैले हुए हैं, लेकिन कुछ मुट्ठी भर देशों से ही ज्यादातर धन आता है। अमेरिका इस मामले में सबसे आगे है, जिसने 2024-25 में भारत को भेजे जाने वाले कुल धन में 27.7 प्रतिशत का योगदान दिया। संयुक्त अरब अमीरात 19.2 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है,

▶10 पर

तालियों की गड़गड़ाहट के बीच त्रिनिदाद एवं टोबैगो की संसद में मोदी का संबोधन

लोकतंत्र राजनीतिक व्यवस्था नहीं जीवन जीने का आदर्श तरीका है

पोर्ट ऑफ स्पेन, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। उनके भाषण के दौरान पूरी संसद तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठी। सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी के भाषण पर लगातार तालियां बजाईं। सांसदों ने 28 बार तालियां बजाईं, जिससे 23 बार पीएम मोदी को भाषण के बीच में रुकना पड़ा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपने विकास को दूसरों के प्रति जिम्मेदारी के रूप में देखता है। इसी भावना के साथ हम त्रिनिदाद और टोबैगो के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहे हैं। हमारा व्यापार बढ़ता रहेगा। हम व्यवसायों को इस देश में और अधिक निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। हमारी विकास साझेदारी का विस्तार होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कहा, मैं इस प्रतिष्ठित रेड हाउस में आपसे

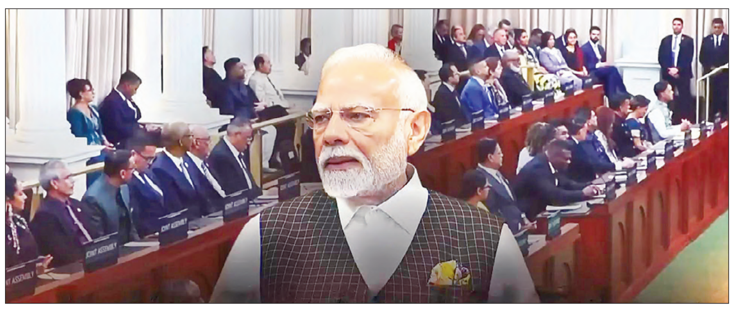

सांसदों ने 28 बार तालियां बजाईं, मोदी ने 23 बार भाषण रोका

दोनों राष्ट्रों ने साहस की स्याही से अपनी विकास-यात्रा लिखी है

बात करने वाला पहला भारतीय प्रधानमंत्री बनकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। इस ऐतिहासिक लाल इमारत ने स्वतंत्रता और सम्मान के लिए त्रिनिदाद और टोबैगो के लोगों के संघर्ष और बलिदान को देखा है। उन्होंने कहा कि हमारे दोनों राष्ट्र औपनिवेशिक शासन से उबरे और साहस को अपनी स्याही, लोकतंत्र को अपनी कलम के रूप में इस्तेमाल करते हुए अपनी कहानियां लिखीं। आज दोनों देश आधुनिक दुनिया में गौरवशाली लोकतंत्र और शक्ति के स्तंभ के रूप में खड़े हैं। उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र सिर्फ एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं है, हमारे लिए यह जीवन जीने का एक तरीका है। हमारी हजारों साल की महान विरासत है। आपकी संसद में भी कुछ ऐसे सदस्य्य हैं, जिनके पूर्वज भारत के बिहार राज्य से आए थे।

पीएम मोदी ने कहा कि हम भारत में वीमेन लेड डेवलपमेंट का एक नया मॉडल विकसित कर रहे हैं। अपनी जी20 की अध्यक्षता के दौरान भी इस मॉडल की सफलता को हमने पूरी दुनिया के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष से लेकर खेल तक, स्टार्टअप से लेकर विज्ञान तक, शिक्षा से लेकर उद्यमिता तक, विमानन से लेकर सशस्त्र बलों तक, वे विभिन्न क्षेत्रों में भारत को एक नए भविष्य की ओर ले जा रहे हैं। आपकी तरह एक महिला साधारण पृष्ठभूमि से उठकर हमारी राष्ट्रपति बनी। दो साल पहले भारतीय संसद ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया,

▶10 पर

केंद्र सरकार ने लागू किए उम्मीद के नियम

वक्फ सम्पत्तियों का डिजिटल प्रबंधन शुरू

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने 3 जुलाई 2025 को एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास नियम 2025 (उम्मीद) लागू कर दिया। यह नियम वक्फ सम्पत्तियों के पंजीकरण, लेखा-जोखा, और प्रबंधन को डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए पारदर्शी बनाने पर केंद्रित हैं। वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025, जो 8 अप्रैल 2025 से प्रभावी है, के तहत यह पहल शुरू की गई है। नए नियमों के तहत, प्रत्येक वक्फ सम्पत्ति को एक यूनिक पहचान नंबर मिलेगा। मुतवल्ली (वक्फ प्रबंधक) को डिजिटल पोर्टल पर पंजीकरण के लिए मोबाइल और ई-मेल के जरिए ओटीपी से अपनी पहचान सत्यापित करनी होगी। यह प्रणाली रियल-टाइम निगरानी, विवादों के समाधान और वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ावा देगी। नियमों में प्रावधान है कि हर राज्य सरकार को संयुक्त सचिव स्तर से नीचे का एक नोडल अधिकारी नियुक्त करना होगा। यह अधिकारी केंद्र के साथ मिलकर वक्फ सम्पत्तियों के पंजीकरण और लेखा-जोखा को सुगम बनाएगा। केंद्रीय वक्फ परिषद को डिजिटल पोर्टल पर अपलोड की गई सभी जानकारी तक पहुंच मिलेगी।

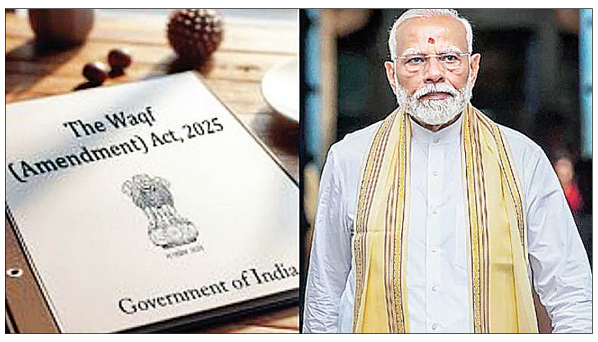

नए नियमों के साथ शुरू हुआ वक्फ सम्पत्तियों का निर्धारण

वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने 22 मई 2025 को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह कानून धार्मिक स्वतंत्रता और सम्पत्ति के अधिकारों का हनन करता है।

▶10 पर

वायुसेना के विमान ने 250 घुसपैठियों को ढाका ले जाकर छोड़ा

अहमदाबाद, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

गुजरात में अवैध रूप से रह रहे 250 बांग्लादेशी घुसपैठियों को को डिपोर्ट कर दिया गया। इन घुसपैठियों को वडोदरा एयरफोर्स स्टेशन से भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से ढाका भेजा गया। पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने कड़ी सुरक्षा के बीच यह कार्रवाई की। सभी घुसपैठियों के हाथ बांधे गए थे ताकि कोई हंगामा न हो।

ये बांग्लादेशी घुसपैठिए गुजरात के अलग-अलग शहरों जैसे अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट से बसों में पुलिस की निगरानी में लाए गए थे। पिछले दो महीनों में 1,200 से ज्यादा बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजा जा चुका है। पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड जैसे दस्तावेजों की जांच कर इनकी पहचान की। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान अभी और तेज होगा। खासकर बड़े शहरों में अवैध प्रवासियों पर नजर रखी जा रही है। नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को दें। इस कार्रवाई से अवैध प्रवास पर रोक लगाने में मदद मिलेगी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी।

महाराष्ट्र की राजनीति में दिखा महत्वपूर्ण और रोचक दृश्य

फिर साथ आए उद्धव-राज... कितने दिन, कितने दिन

मुंबई, 05 जुलाई (एजेंसियां)। बीते हफ्ते राजनीतिक हलके में जिस बात की सबसे ज्यादा चर्चा हुई, वो राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे का साथ आना था। आज मराठी विजय दिवस रैली में दोनों भाई करीब 20 साल बाद एक मंच पर दिखे। राज ठाकरे ने मतभेद के चलते साल 2006 में अलग पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का गठन किया था। हालांकि राज ठाकरे महाराष्ट्र की राजनीति में कुछ खास हासिल नहीं कर सके। वहीं शिवसेना यूबीटी भी बंटवारे के बाद कमजोर है। यही वजह है कि दोनों भाइयों ने मराठी अस्मिता के नाम पर साथ आने का फैसला किया। महाराष्ट्र सरकार के तीन भाषा के फार्मूले के तहत हिंदी पढ़ाने के फैसले ने राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के साथ आने की जमीन तैयार की।

कुछ माह पहले फिल्म निर्माता महेश मांजरेकर के पॉडकास्ट में राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे से हाथ मिलाने के संकेत दिए थे। महेश मांजरेकर ने पूछा कि क्या अब भी दोनों भाई साथ आ सकते हैं? इस पर राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र के अस्तित्व, महाराष्ट्र के लोगों के अस्तित्व के सामने हमारे मतभेद कुछ भी नहीं हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि साथ आना कोई बहुत मुश्किल है। सिर्फ इसकी नीयत होनी चाहिए। ये सिर्फ मेरी बात नहीं है और न ही ये मेरे हितों के बारे में है। हमें बड़ी तस्वीर देखनी चाहिए।

मुंबई के वर्ली डोम में उद्धव ठाकरे गुट और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेताओं ने एक संयुक्त रैली की। इस दौरान राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे 20 साल बाद एक मंच पर नजर आए। दोनों ने एक-दूसरे को गले भी लगाया। रैली का आयोजन महाराष्ट्र सरकार की ओर से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पेश करने के लिए दो जीआर को रद्द करने के बाद किया गया।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा, मैंने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि मेरा महाराष्ट्र किसी भी राजनीति और लड़ाई से बड़ा है। आज 20 साल बाद मैं और उद्धव एक साथ आए हैं। जो काम बालासाहेब नहीं कर पाए, वो देवेंद्र फडणवीस ने किया। हम दोनों को साथ लाने का काम। इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) की संयुक्त रैली के दौरान दोनों भाइयों उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने गले मिलकर एक दूसरे को बधाई दी। महाराष्ट्र सरकार ने हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने के लिए दो सरकारी प्रस्तावों को रद्द कर दिया है।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,050/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,10,940/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 22^0

भारत दुनिया के शीर्ष सैन्य शक्ति सम्पन्न देशों में शामिल हुआ

डीआरडीओ बना रहा पाताल तक तबाही मचाने वाला बंकर बस्टर

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत ने अपनी ताकत को और मजबूत कर लिया है। डीआरडीओ की अग्नि-5 बंकर बस्टर मिसाइल अब तैयार हो रही है, जो दुश्मन के जमीन के नीचे बने बंकरों को पल में उड़ा देगी। ये मिसाइल 7,500 किलो का भारी वारहेड ले जा सकती है और 100 मीटर गहराई तक घुसकर तबाही मचा सकती है। इसकी रेंज 3,000 किमी तक रहेगी, यानी पाकिस्तान और चीन के अहम ठिकाने इसके निशाने पर होंगे।

खास बात ये है कि ये हाइपरसोनिक है, यानी इतनी तेज कि कोई रडार इसे पकड़ नहीं सकता। अमेरिका के जीबीयू-57 बम से भी ज्यादा ताकतवर, ये मिसाइल सस्ती और स्वदेशी है। पाकिस्तान के कहुटा और नूर खान जैसे ठिकानों को नष्ट करने में ये गेम-चेंजर होगी। डीआरडीओ की इस तकनीक ने भारत को दुनिया के टॉप डिफेंस पावर में ला खड़ा किया है। भारत

की अग्नि-5 मिसाइल ऐसी मिसाइल है, जिससे रेंज में दुनिया की कुछेक मिसाइलें भले ही

3000 किमी भीतर तक कारगर मार करेगा हाइपरसोनिक बंकर बस्टर

आगे हों, लेकिन बंकर बस्टर के तौर पर, जैसा इसे बनाया जा रहा है, वैसी ताकत दुनिया के किसी भी देश के पास नहीं है।

भारत का रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) एक ऐसी मिसाइल बना रहा है, जो दुनिया के सबसे ताकतवर गैर-परमाणु हथियारों में से एक होगी। इसका नाम है अग्नि-5 बंकर बस्टर मिसाइल। ये मिसाइल जमीन के नीचे बने मजबूत बंकरों, सैन्य ठिकानों और हथियारों के गोदामों को तबाह करने के लिए बनाई जा रही है। इसे खास तौर पर पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों की चुनौतियों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। अग्नि-5 पहले से ही भारत की एक शक्तिशाली मिसाइल है, जो 5,000-7,000 किलोमीटर तक मार कर सकती है और परमाणु हथियार ले जा सकती है। लेकिन अब डीआरडीओ इस मिसाइल का एक नया वर्जन बना रहा है, जो पारंपरिक हथियार (यानी गैर-परमाणु) के साथ काम करेगा। इस नए वर्जन को खास तौर पर बंकर बस्टर के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

श्री ब्यावर संघ युवा शाखा के एक्स्पो का हुआ शानदार आगाज

खरीदी को उमड़ी भीड़

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा आयोजित एक्स्पो का शानदार आगाज हुआ और खरीदी के लिए जबर्दस्त भीड़ उमड़ी।

युवा शाखा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि एक्स्पो के हुए भव्य शुभारंभ में शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति प्रदान की। जिसमें चिकपेट क्षेत्र के विधायक उदय गरुडाचार भी आए और उन्होंने भी जमकर शॉपिंग की। उदय गरुडाचार का युवा शाखा कार्यकारिणी की ओर से स्वागत अभिनन्दन किया गया। मुख्य अतिथि और मुख्य स्पॉंसर वैभव ग्रुप के पंकज बालर, कुशल्स फैशन ज्वैलरी के मनीष गुलेच्छा, मास्कॉट फैब्रिक्स के बाबूलाल गांधी, संघ के महामंत्री अरविंद कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष विकास खटोड़, महामंत्री कुलदीप छाजेड़, कोषाध्यक्ष नमित कोठारी, सहमंत्री नरेश बोहरा, सहकोषाध्यक्ष भरत कोठारी, विनय राठौड़, श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, अग्रवाल समाज के बिपिन राम अग्रवाल, जैन युवा संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा, बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल वरन्दानी, धीरेन्द्र सिंघी ने फीता खोलकर और दीप प्रज्वलन कर भव्य शुभारंभ किया। नितेश बोहरा, हेमन्त गुलेच्छा, चेतन रेदासनी ने नवकार महामंत्र का गान किया। इस एक्स्पो में सवा सौ से अधिक स्टाल्स लगाई गई है, जिसमें कपड़े, ज्वैलरी, डायमंड्स, इलैक्ट्रोनिक्स,

कॉस्मेटिक्स, लेडीज आइटम्स, क्राकरी, रजत के सामान, आटोमोबाइल्स, खाने पीने के सामान के सामानों की जबर्दस्त बिक्री हुई, और साथ ही गेम्स भी खेले गए।

एक्स्पो में सोशल मीडिया इन्फ्लुयुंसर दिया भण्डारी ने भी उपस्थिति प्रदान की। सप्ताहांत के दौरान आयोजित इस एक्स्पो में परिवार के सदस्यों ने खूब मस्ती किया। एन्टरटेनमेंट में मैजिक शो एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिसका बच्चों और बड़ों ने खूब लुत्फ उठाया। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि रविवार के दिन एक्स्पो में बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या और बालोतरा से पधारे सूप्रसिद्ध गायक वैभव बाघमार भी अपनी उपस्थिति प्रदान करेंगे।

श्री नाकोडा जैन कॉन्फ्रेंस की ओर से नाकोडा भैरव चालीसा का सामूहिक संगान भी किया जाएगा।

साथ ही रविवार को लोगों की भीड़ आने की आशा है। एक्स्पो कमेटी के प्रतीक गादिया, अरिहंत छाजेड़, कुनाल मरलेचा, सुनील भंडारी के साथ पूरी युवा शाखा कार्यकारिणी और महिला शाखा कार्यकारिणी का सहयोग प्राप्त हो रहा है।

एक्स्पो के मुख्य प्रायोजक वैभव ग्रुप के पंकज बालर, सह प्रायोजक कुशल्स फैशन ज्वैलरी के तनसुखराज गुलेच्छा, पैसोलाईट इलेक्ट्रिक कं के गणप-तराज छाजेड़, मास्कॉट फैब्रिक्स के बाबूलाल गांधी और प्रति दो घंटे में गिफ्ट के प्रायोजक मयन डायमंड्स के रतन श्रीश्रीमाल हैं, जिसमें गोल्ड और डायमंड्स के लकी ड्रा प्रदान किए जा रहे हैं। एक्स्पो में शहर की अनेक संघ संस्थाओं के पदाधिकारी भी पहुंचे और उन्होंने भी जमकर खरीदी की तथा उनका बहुमान अभिनन्दन युवा शाखा की ओर से किया गया।

दुनिया में जिंदगी जीने के दो ही रास्ते हैं, एक भलाई का रास्ता और एक बुराई का: साध्वी भव्यगुणा श्री

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ काईपेट में विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री जी ने कहा कि हम सूरज बनकर दुनिया का अंधेरा नहीं मिटा सकते पर दीपक बनकर जरूर अपने आसपास का अंधेरा तो मिटा ही सकते हैं। दुनिया में जिंदगी जीने के दो ही रास्ते हैं- एक भलाई का रास्ता और एक बुराई का। दुनिया बड़ी गजब की है, पशु अपने पूरे जीवनभर पशु ही रहता है, देवता अपने पूरे जीवन में देवता ही रहता है, पर एक इंसान के पास दो विकल्प हैं। वह चाहे तो पशु भी बन सकता है और चाहे तो मनुष्य जीवन में देवता भी बन सकता है।

सुबह उठकर अपने-आपसे पूछ लिया करो, हे जीव आज तू क्या जिंदगी जीना चाहता है, सुखीराम बनना चाहता है या दुखीराम। अगर सुखीराम बनना है तो भलाई का रास्ता ले लो। जिंदगी में जब जो हो रहा है, उस घटना के लिए आह-आह कहने की बजाय वाह-वाह कहने का आनंद उठाओ। जब आप कहेंगे आह जिंदगी तो जिंदगी भारी हो जाएगी, आह जिंदगी कहेंगे तो जिंदगी आनंद से भर जाएगी। जीवन के हरपल को जो व्यक्ति वाह-वाह कहकर जीवन का आनंद लिया करता है, वही दुनिया का सबसे सुखी आदमी है। मुसीबतें तो सबके जीवन में आती हैं, पर मुसीबत से पार वही पाता है जो मुसीबत में भी मुस्कुराना जान लेता है। तस्वीर में तो हर कोई मुस्कुराता है, पर जीवन की बाजी वही जीतता है जो तकलीफ में भी मुस्कुराना जानता है। जीवनभर मेरी यह बात याद रखना- अपने वे नहीं होते जो तस्वीरों में साथ होते हैं, अपने वे होते हैं जो तकलीफों में हमारे साथ खड़े होते हैं।

साध्वी शीतलगुणा श्री ने कहा कि हर आदमी की जिंदगी में हर इंसान से जुड़ी दो यादें होती हैं- कुछ अच्छी यादें और कुछ बुरी यादें। जब श्वांस बाहर छोड़ो तो अपनी बुरी यादों को बाहर निकाला करो और जब श्वांस भीतर लो तो अपनी अच्छी यादों को भीतर में प्रवेश दिया करो। जिंदगी को आनंदभरी जीने का यह सबसे सरल तरीका है। निर्भार होने का, हल्का होने का तरीका भी यही है। छोटी सोच के लोग जिंदगी में कभी ऊंचाइयों को हासिल नहीं कर पाते, छोटी सोच के लोग जिंदगी में कभी बढ़ोत्तरी व निर्माण नहीं कर पाते। दुनिया में यदि कोई हिमालय से भी ऊंचा है तो वो जिसकी सोच बड़ी है वही आदमी ऊंचा है। निकेश भंडारी, रंजना, आरती, समकित, वंश, हितांश, प्रियल भंडारी, सौरभ, ज्योति दिव्यांशी, दानी, प्रांशी, मालवी ने दर्शन सेवा का लाभ लिया।

दक्षिण कन्नड़ के 115 सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम की कक्षाओं को मंजूरी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से 4,134 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में अन्य माध्यमों के साथ-साथ अंग्रेजी माध्यम की कक्षाएं शुरू करने का आदेश जारी किया है। इसके अनुसार, दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले के 115 विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम की कक्षाएं शुरू करने की मंजूरी दी गई है।

2019 से 2024 तक, सरकार ने जिले के कुल 120 विद्यालयों में द्विभाषी शिक्षा को मंजूरी दी थी। हाल ही में, तीन और विद्यालय जोड़े गए हैं, जिससे द्विभाषी माध्यम शिक्षा देने वाले विद्यालयों की संख्या 123 हो गई है। इन विद्यालयों में कन्नड़ और अंग्रेजी माध्यमों के लिए अलग-अलग कक्षाएं होंगी। शिक्षक छात्रों द्वारा चुने गए माध्यम में कक्षाएं संचालित करेंगे। जिले में, 2019-20 में 48, 2020-21 में 34 और 2024-25 में 38 विद्यालयों को द्विभाषी माध्यम के लिए मंजूरी दी गई थी। नई दी गई मंजूरी के साथ, अतिरिक्त 115 स्कूलों को शामिल किया गया है। कुल मिलाकर, जिले में 892 सरकारी स्कूल हैं, जिनमें निम्न और

उच्च प्राथमिक स्कूल दोनों शामिल हैं। गत गुरुवार को सरकार ने राज्य भर के 4,134 सरकारी प्राथमिक स्कूलों में कन्नड़ माध्यम के अलावा अंग्रेजी माध्यम की कक्षाएं शुरू करने की अनुमति दी। इस बार, सरकारी प्राथमिक स्कूलों, कर्नाटक पब्लिक स्कूलों और पीएम श्री स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम लागू करने के लिए चुना गया है। प्रत्येक तालुक में, सबसे अधिक छात्र नामांकन वाले शीर्ष 15 स्कूलों को संख्या के अवरोही क्रम के आधार पर माना गया है।

बंटवाल में 20 स्कूलों, बेल्टांगडी में 16, मेंगलूरु उत्तर, मूडबिद्री और सुलिया में 15-15, मेंगलूरु दक्षिण में 16 और पुत्तूर में 18 स्कूलों में द्विभाषी माध्यम की कक्षाएं शुरू होंगी।

अग्रवाल महिला मंडल द्वारा सावन मेला 12 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अग्रवाल समाज कर्नाटक की महिला शाखा अग्रवाल महिला मंडल द्वारा 12 जुलाई को जिगनी स्थित मीनाक्षी रिसॉर्ट में सावन मेले का भव्य आयोजन किया जाएगा।

महिला मंडल की अध्यक्षा नीरू तायल ने बताया कि इस अवसर पर प्रातः 10 बजे से सावन का महीना पवन करे शोर के साथ सावन मेला के आयोजन पर खेल के साथ, पुल पार्टी, सावन की मस्ती और बरसात में भीगने का आनंद लिया जाएगा। सावन मेला इस बार एक अनोखे अंदाज में मनाया जाएगा। मंडल सचिव सुनिति अग्रवाल और कोषाध्यक्ष कविता तायल के नेतृत्व में इस सावन मेले में भरपूर मनोरंजन के लिए तैयारियां की जा रही है। इसमें मनोरंजक खेल, झूला झूलने का आनंद लेकर बचपन की यादें ताजा करने वाले ठेला-टपरी स्टॉल्स व्यंजन धमाल भरी पूल पार्टी, डीजे पर जबरदस्त रेन डांस का आनन्द आदि शामिल होगा। कार्यक्रम स्थल तक जाने के लिए महिला मंडल द्वारा बस की व्यवस्था भी की गई है।

तेयुप विजयनगर द्वारा रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 के बैनर का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर द्वारा अभातेयुप उपाध्यक्ष प्रथम पवन मांडोत द्वारा 17 सितंबर को होने वाले रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 के बैनर का अनावरण साध्वी श्री संयमलता जी के सान्निध्य में किया गया। परिषद् अध्यक्ष विकास बाँठिया ने बताया कि अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् भारत सरकार के साथ मिलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा के नेतृत्व में 362 शाखाओं के माध्यम से आगामी 17 सितंबर 2025 को रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 के तहत विश्वव्यापी रक्तदान शिविरों का आयोजन करने जा रही है। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री अमित नाहटा ने बताया कि गत वर्षों में रक्तदान के क्षेत्र में कई बड़े

आयोजनों के साथ हमारी संस्था ने विश्व स्तर पर कई रिकॉर्ड अपने नाम किए है।

वर्ष 2022 में हमारी संस्था द्वारा भारत सरकार के साथ मिलकर एक ही दिन में 6000 प्लस रक्तदान शिविरों का आयोजन कर 2.5 लाख यूनिट से अधिक रक्त इकट्ठा कर अनोखा रिकॉर्ड बनाया था। अपने इन्ही सेवा कार्यों से गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड आदि में एबीटीवाईपी का नाम दर्ज है। मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के राष्ट्रीय प्रभारी हितेश भांडिया का कहना हैं कि देश में रक्त की कमी की आपूर्ति को ध्यान में रखते हुए 17 सितम्बर 2025 को हम भारत सरकार एवं देश और विदेश के विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर विश्व स्तर पर लगभग 8000 से अधिक रक्तदान शिविरों का आयोजन करने जा रहे है। एमबीडीडी राष्ट्रीय सहप्रभारी सौरभ पटावरी द्वारा संपूर्ण देशवासियों से आह्वान किया गया कि मानवता के इस महायज्ञ में अपनी आहुति अवश्य प्रदान करें। परिषद् मंत्री योगेश पोरवाड़ ने बताया कि हमारी परिषद् विजयनगर द्वारा भी कई स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन करेगी।

इस अवसर पर अभातेयुप से प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा, महासभा से प्रकाश लोढ़ा, सभा विजयनगर अध्यक्ष मंगल कोचर, मंत्री दिनेश हिंगड़, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चोपडा, महिला मंडल कार्यकारी अध्यक्षा मंजू गादिया, नवनियुक्त अध्यक्षा महिमा पटावारी, तेयुप विजयनगर चातुर्मासिक प्रायोजक मनोहरलाल बाबेल, संजय बाँठिया समेत अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी सहित श्रावक समाज की गरिमामय उपस्थिति रही।

दक्षिण कन्नड़, उडुपी में भारी बारिश जारी, आज के लिए ऑरेंज अलर्ट

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में भारी बारिश जारी रही, जिसके चलते बंटवाल तालुक के अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी। सुबह हुई भारी बारिश के कारण जिले के कई इलाकों में कृत्रिम बाढ़ आ गई, जिसके बाद थोड़ी राहत मिली, लेकिन शाम को फिर से बारिश शुरू हो गई। मेंगलूरु शहर में पूरे दिन रुक-रुक कर लेकिन पर्याप्त बारिश हुई। पुत्तूर, उप्पिनंगडी, बंटवाल, सुल्लिया, सुब्रह्मण्य, उल्लाल, सूरथकल, विट्टल, कन्याना, बेल्टांगडी, मदनथयार और धर्मस्थल जैसे इलाकों में काफी बारिश हुई। 4 जुलाई को सुबह 8:30 बजे तक दर्ज आंकड़ों के अनुसार, बंटवाल तालुका में 68.2 मिमी, बेलटांगडी में 62.6 मिमी, मेंगलूरु में 49 मिमी, पुत्तुर में 49 मिमी, सुल्लिया में 61 मिमी, मूडबिद्री में 36 मिमी, कडाबा में 48.4 मिमी, मुल्की में 26.6

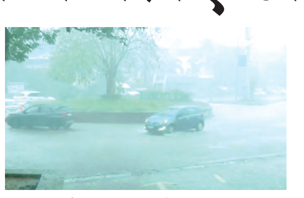

मिमी और उल्लाल में 40.3 मिमी बारिश हुई - जिसके परिणामस्वरूप दक्षिण कन्नड़ में औसतन 56 मिमी बारिश हुई। बारिश के कारण पांच घरों, 55 बिजली के खंभों और एक ट्रांसफार्मर को आंशिक नुकसान पहुंचा है। मेंगलूरु में 15 सदस्यीय एसडीआरएफ/सिविल डिफेंस टीम, सुब्रह्मण्य में 10 सदस्यीय टीम और पुत्तुर में 25 सदस्यीय एनडीआरएफ टीम तैनात की गई है। आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए कुल 26 नावें तैयार रखी गई हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार तक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें तटीय क्षेत्र में लगातार भारी बारिश और तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। इस दौरान समुद्र में भी उथल-पुथल की आशंका है। उडुपी में शुक्रवार को सुबह से रात तक भारी बारिश हुई। हालांकि, कुछ तालुकों में स्कूलों की छुट्टियों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही। आईएमडी ने पहले शुक्रवार सुबह तक रेड अलर्ट जारी किया, बाद में इसे ऑरेंज अलर्ट में बदल दिया। अलर्ट के बावजूद, जिला प्रशासन ने स्कूलों के लिए सामान्य अवकाश की घोषणा नहीं की। इसके बजाय, स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लेने की जिम्मेदारी तहसीलदारों को सौंपी गई, जिन्होंने बदले में यह कार्य खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को सौंप दिया। जब तक बीईओ ने अपने निर्णय बताए, तब तक कई स्कूलों में कक्षाएं शुरू हो चुकी थीं। खराब होते मौसम को देखते हुए, कुछ स्कूलों ने छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सुबह के बीच में ही अवकाश घोषित कर दिया। जिला प्रशासन की ओर से स्पष्टता की कमी पर अभिभावकों ने चिंता व्यक्त की।

नम्मा मेट्रो की येलो लाइन के खुलने में देरी के खिलाफ नागरिकों ने किया विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बार-बार होने वाली देरी से बढ़ती निराशा के चलते शनिवार की सुबह सैकड़ों यात्री लालबाग मेन गेट के बाहर एकत्रित हुए और बेंगलूरु में नम्मा मेट्रो की येलो लाइन को तुरंत खोलने की मांग की। बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन में नागरिकों का गुस्सा देखने को मिला और बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड से जवाबदेही की मांग की गई। येलो लाइन - सिल्क बोर्ड जैसी प्रमुख बाधाओं के माध्यम से आर.वी. रोड को बोम्मासंद्रा से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण 19 किलोमीटर का कॉरिडोर - मूल रूप से 2021 में खुलने वाला था। हालाँकि, लॉन्च को कई बार टाला गया है, हाल ही में जून 2025 की समय सीमा चूक गई। यात्रियों का कहना है कि देरी न केवल प्रशासनिक चूक है, बल्कि उनके जीवन में दैनिक व्यवधान है। यह विरोध जवाबदेही के बारे में है। एक व्यक्ति ने कहा हर दिन, मैं सिल्क बोर्ड को पार करने में कम से कम एक घंटा बिताता हूँ। कल रात 12 बजे, मैं फिर से वहाँ फँस गया। यह लाइन तीन साल पहले बनकर तैयार हो जानी चाहिए थी।

यह हमारे टैक्स का पैसा है। इतनी जल्दी क्यों नहीं है? कई निवासियों ने लाइन खुलने के बाद समय और लागत दोनों में संभावित बचत की बात कही। वर्तमान में ट्रैफिक-भारी गलियारों से होकर प्रतिदिन आने-जाने में 90 मिनट से ज्यादा का समय लगता है, मेट्रो से कई लोगों के लिए यह समय आधा रह जाने की उम्मीद है। येलो लाइन प्रमुख रोजगार क्षेत्रों को भी जोड़ती है, और निवासियों का तर्क है कि यह शहर के सबसे खराब हिस्सों में से एक पर भीड़भाड़ को कम कर सकती है। कुडलू गेट के निवासी सुनील बी. जो कि मान्याता टेक पार्क में आते-जाते हैं, ने भी इसी तरह की निराशाएँ साझा कीं। हर महीने एक नया वादा होता है - जून, फिर दिसंबर, फिर मार्च। मैं अब एक बस लेता हूँ जिसमें दो घंटे लगते हैं। अगर येलो लाइन खुल जाती है, तो मैं हर दिन कम से कम एक घंटा बचा लूँगा। यह समय और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के बारे में है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सुविधाजनक परिवहन की कमी के कारण उनके बुजुर्ग माता-पिता भी प्रभावित हैं।

पीली लाइन चालू करना, किराया निर्धारण समिति (एफएफसी) की रिपोर्ट का खुलासा न करना, चरण 3 (नम्मा मेट्रो) के कार्यान्वयन में देरी, हेब्बल - सरजापुर मेट्रो और टनल रोड विवाद और व्यापक गतिशीलता योजना (सीएमपी) 2020 मेट्रो नीतियों की अनदेखी - पांच मुद्दों को संबोधित करते हुए एक याचिका सूर्या द्वारा बीएमआरसीएल के प्रबंध निदेशक एम. महेश्वर राव को सौंपी गई। सूर्या ने कहा हम काफी समय से धैर्यवान हैं। नागरिक इससे बेहतर के हकदार हैं। अगर बीएमआरसीएल प्रतिबद्ध नहीं है, तो हम सभी मेट्रो स्टेशनों पर विरोध प्रदर्शन तेज करेंगे। नागरिकों ने मांग की कि लाइन को 15 अगस्त तक खोल दिया जाना चाहिए।

केंद्र सरकार गांधी परिवार के खिलाफ नफरत की राजनीति कर रही है: बी.के. हरिप्रसाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता बी.के. हरिप्रसाद ने कहा है कि यंग इंडिया ट्रस्ट, जो संस्था से कोई लाभ नहीं लेती और अपने निदेशकों को वेतन भी नहीं देती, के खिलाफ मामला दर्ज करना नफरत की राजनीति की पराकाष्ठा है।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा पार्टी की सहयोगी संस्था की तरह व्यवहार करने वाली ईडी नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रही है, वह न केवल नफरत की राजनीति है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी असामान्य है। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में अवैध धन शोधन के आरोप न केवल मनगढ़ंत हैं, बल्कि ईडी द्वारा बिना सबूत के दिए जा रहे तर्क झूठ को सबूत के तौर पर पेश कर रहे हैं। यह स्पष्ट है कि यंग इंडिया एक गैर-लाभकारी संस्था है, जो बिना किसी लाभांश प्राप्त किए सार्वजनिक सेवा के उद्देश्य से स्थापित संस्था है। नियम है कि यंग इंडिया के न तो निदेशक और न ही शेयरधारक कोई लाभांश प्राप्त कर सकते हैं और शेयरधारकों को कोई वेतन नहीं दिया जाता है। ईडी विभाग नेशनल हेराल्ड पर करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप कैसे लगा सकता है? यंग इंडिया ने नेशनल हेराल्ड के साथ एक भी पैसे का अवैध लेन-देन नहीं किया है। किसी की संपत्ति जब्त नहीं की है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी विभाग 2013 से 2025 तक समय-समय पर अपने तर्क बदल रहा है और खोखली दलीलें दे रहा है। भाजपा नेता की बेबुनियाद शिकायत के बाद कोई भी जांच अधिकारी इसे दस्तावेजों के साथ साबित नहीं कर पाया है। उन्होंने कहा कि ईडी विभाग की जांच में पता चला है कि यंग इंडिया और नेशनल हेराल्ड के साथ हुई हर प्रक्रिया के दस्तावेज मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता जानती है कि नेशनल हेराल्ड मामले का इस्तेमाल गांधी परिवार के खिलाफ उस परिवार को बदनाम करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से किया जा रहा है जिसने आजादी की लड़ाई में अपनी जान कुर्बान कर दी। नेशनल हेराल्ड एक गौरवशाली इतिहास वाला संगठन है, जिसे नेहरू के नेतृत्व में 5000 स्वतंत्रता सेनानियों ने शुरू किया था।

उन्होंने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि अंग्रेजों की गुलाम रही और स्वतंत्रता संग्राम में भाग न लेने वाली भाजपा पार्टी ने 1937 में शुरू हुए और स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा रहे समाचार पत्र संगठन पर झूठे मुकदमे दर्ज किए हैं और यह घिनौनी राजनीति की पराकाष्ठा है। देश की जनता गांधी परिवार के साथ खड़ी है, संविधान और न्यायपालिका पर उसका विश्वास नहीं टूटा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जब सच्चाई सामने आएगी तो वह समय दूर नहीं जब भाजपा और उसके सहयोगियों की तरह व्यवहार करने वाली ईडी और आईटी जैसी संस्थाओं पर भी गाज गिरेगी।

कर्नाटक में पांच बाघों की मौत

मंत्री ईश्वर खंड्रे ने दो अधिकारियों को निलंबित किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने माले महादेश्वर (एमएम) हिल्स में पांच बाघों की 'अप्राकृतिक मौत' के संबंध में लापरवाही और कर्तव्य में लापरवाही के लिए दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। मंत्री ने इस मामले में उप वन संरक्षक (डीसीएफ) वाई चक्रपाणि को निलंबित करने की भी सिफारिश की है। एमएम हिल्स के हुग्यम रेंज में 26 जून को एक मादा बाघिन और उसके चार शावक मृत पाए गए। खंड्रे ने उनके आचरण की विभागीय जांच की भी सिफारिश की। घटना के बाद, अधिकारियों ने गाय के मालिक सहित तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने कथित तौर पर गाय के शव को जहर दिया था, जिस पर बाघों की मौत का संदेह है। खंड्रे का यह निर्णय अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपीसीसीएफ) कुमार पुष्कर की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक रिपोर्ट की समीक्षा के बाद आया है, जिसे घटना की जांच के लिए गठित किया गया था। मंत्री ने समिति को 10 जुलाई तक अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। खंड्रे के कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा बाघों की अप्राकृतिक मौतों में अधिकारियों द्वारा लापरवाही और कर्तव्य के प्रति लापरवाही के स्पष्ट सबूतों के आधार पर, मंत्री ने कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग को डीसीएफ वाई चक्रपाणि के निलंबन की सिफारिश की है। सहायक वन संरक्षक गजानन हेगड़े और संबंधित रेंज के रेंज वन अधिकारी मदेश को निलंबित कर दिया गया है क्योंकि वे गश्ती कर्मचारियों की प्रभावी निगरानी करने में विफल रहे और वन संरक्षण के अपने मौलिक कर्तव्यों का पालन करने में घोर लापरवाही बरती। 30 जून को, इन तीनों अधिकारियों को अगली सूचना तक अनिवार्य अवकाश पर भेज दिया गया। यह भी आरोप लगाया गया कि पिछले तीन महीनों से फ्रंटलाइन अनुबंध कर्मचारियों को उनके वेतन या भत्ते का भुगतान नहीं किया गया था, जिससे गश्ती गतिविधियों में बाधा उत्पन्न हुई। खंड्रे के कार्यालय के अनुसार, हालांकि वेतन भुगतान के लिए धनराशि अप्रैल के अंत तक जारी कर दी गई थी, लेकिन भुगतान जून तक विलंबित रहा। बयान में कहा गया, समय पर भुगतान सुनिश्चित करने में यह विफलता, विशेष रूप से डीसीएफ चक्रपाणि द्वारा, कर्तव्य की गंभीर लापरवाही के रूप में देखी जाती है, जिससे गश्ती गतिविधियों में बाधा उत्पन्न हुई। मंत्री ने उनके निलंबन और विभागीय जांच की सिफारिश की है।

कांग्रेस नेता ने अमरनाथ जारकीहोली पर गोकक में मारपीट का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस नेता महंतेश कडाडी ने आरोप लगाया है कि विधायक रमेश जारकीहोली के बेटे अमरनाथ जारकीहोली समेत कुछ भाजपा सदस्यों ने 4 जुलाई को गोकक में लक्ष्मी मंदिर में वार्षिक मेले के दौरान उनके ड्राइवर पर हमला किया। 4 जुलाई को मैं लक्ष्मी मंदिर में दर्शन करने के बाद अपनी खुली जीप में शहर का चक्कर लगा रहा था। जब मैं एक दोस्त से मिलने के लिए उतरा, तो अमरनाथ जारकीहोली समेत कुछ युवकों ने मेरे ड्राइवर पर हमला कर दिया। वे उसे पीटने के बाद भाग गए। मौके पर मौजूद पुलिस सब-इंस्पेक्टर के.बी. वालीकर ने न तो हमले को रोकने की कोशिश की और न ही पीड़ित की मदद की। वालीकर ने मेरे ड्राइवर को केवल यह सलाह देने की कोशिश की कि उसे इस घटना को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए और मौके से चले गए। डॉ. कडाडी ने कहा गोकक में कुछ शक्तिशाली लोगों द्वारा किए जा रहे अपराधों पर पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। मामले में, जब हमने शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की तो पुलिस ने हमारी बात नहीं सुनी। मैं इस घटना के खिलाफ कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और गृह मंत्री जी. परमेश्वर से शिकायत करूंगा। डॉ. कडाडी ने 2023 के विधानसभा चुनाव में रमेश जारकीहोली के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। वह राज्यसभा सदस्य इरन्ना कडाडी के रिश्तेदार हैं, जो भाजपा नेता हैं।

बस ने डिलीवरी करने वाले व्यक्ति को टक्कर मारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां मैसूर बैंक सर्किल पर शनिवार को तेज रफ्तार केएसआरटीसी बस ने 25 वर्षीय डिलीवरी करने वाले व्यक्ति को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पीड़ित अजहर पाशा बेंगलूरु के नीलासांद्रा का निवासी था। वह एक ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म के लिए काम करता था। वह घर जा रहा था, तभी तिरुपति-बेंगलूरु बस ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उप्परपेट ट्रैफिक पुलिस ने ड्राइवर को हिरासत में लिया है और बस को जब्त कर लिया है।

तुमकुरु जिले के लिए पूर्ण सिंचाई की योजना बनाई जा रही: डी.के. शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जल संसाधन मंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि न केवल कुनिगल तालुक बल्कि पूरे तुमकुरु जिले को पानी उपलब्ध कराने के लिए योजना बनाई जा रही है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कल तुमकुरु जिले के विधायकों और जनप्रतिनिधियों के साथ लिंक नहर परियोजना को लेकर चर्चा हुई थी।

इससे पहले विधायकों ने कहा था कि एक विशेषज्ञ समिति बनाई जानी चाहिए। उसी के अनुसार हमने समिति बनाई और रिपोर्ट मंगवाकर काम शुरू किया। अब दूसरे तरह के आरोप सुनने को मिल रहे हैं। बैठक में केंद्रीय मंत्री सोमन्ना ने भारतीय विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञों से रिपोर्ट मंगवाने का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि हम उस तरह की रिपोर्ट लेंगे। हमने विधायक की बातों को बड़े सम्मान के साथ सुना है। विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के बाद फिर से विरोध करना ठीक नहीं है। अब वे कह रहे हैं कि पाइपलाइन के बजाय खुली नहरों के जरिए कुनिगल तक पानी पहुंचाया जाए। सरकार ने इस संबंध में निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि हम इसका पालन करेंगे। हर सरकार अलग-अलग तरह के निर्णय लेती है। हेमावती लिंक नहर परियोजना की शुरुआत तब हुई थी जब एच.डी. कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे। परियोजना की लागत 600 करोड़ रुपये थी, जो अब बढ़कर 900 करोड़ रुपये हो गई है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है?

भाजपा सरकार ने स्वीकृत मेडिकल कॉलेज को उनके निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री येदियुरप्पा द्वारा किए गए वादे और बजट में घोषणा के बावजूद, मेडिकल कॉलेज को कनकपुरा के बजाय चिक्कबल्लापुर में स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि संबंधित सरकारों का रुख अलग-अलग है।

युवती से शारीरिक दुर्व्यवहार के आरोप में भाजपा नेता का बेटा गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु पुलिस ने एक भाजपा नेता के बेटे को गिरफ्तार किया है, जिसने एक युवती से शादी करने का वादा किया था और फिर उसे गर्भवती होने का पता चलने पर छोड़ दिया। दक्षिण कन्नड़ जिले के पुत्तूर से भाजपा नेता जगनिवास राव के बेटे कृष्णा राव को गिरफ्तार किया गया है। कुछ दिन पहले कृष्णा राव के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया गया था। जब युवती गर्भवती हो गई, तो उसने उससे शादी करने से इनकार कर दिया और गायब हो गया। गर्भवती होने के बाद पीड़िता ने एक बच्चे को जन्म दिया। पीड़ित महिला के परेशान परिवार ने पुलिस में शिकायत की और पुत्तूर पुलिस ने कृष्णा राव के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 64(1) और 69 के तहत मामला दर्ज किया और अब फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने लव, सेक्स और मामले के आरोपी कृष्णा जे राव को मैसूर में हिरासत में ले लिया है और उसे रात भर पुत्तूर ले जाने वाली पुलिस द्वारा अदालत में पेश किए जाने की संभावना है। पिछले 10 दिनों से फरार आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कई संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। मेंगलूरु के एक निजी कॉलेज की फोरेंसिक साइंस की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुत्तूर में हाई स्कूल में पढ़ते समय दोनों में प्यार हो गया था। बाद में, 11 अक्टूबर 2024 को, उस पर कृष्णा राव को अपने घर बुलाकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप है।

कृष्णा राव ने अपनी सहपाठी को गर्भवती कर दिया और उसका हाथ थाम लिया और जब घर पर कोई नहीं था, तो उसने उसे घर बुलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। ऐसा कहा जाता है कि जनवरी 2025 में कृष्णा राव ने फिर से लड़की के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। कुछ महीनों के बाद, युवती ने कृष्णा राव को बताया कि वह गर्भवती है। कृष्णा राव ने युवती को प्यार के नाम पर गर्भवती कर दिया और फिर उसके साथ मारपीट की। युवती और उसके माता-पिता ने आरोपी कृष्णा राव के खिलाफ पुत्तूर महिला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसने युवती से शादी करने से इनकार कर दिया था। पीड़ित युवती द्वारा पुत्तूर महिला पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, आरोपी कृष्णा राव और शिकायतकर्ता युवती हाई स्कूल में सहपाठी थे। दोनों के बीच रिश्ता स्कूल के दिनों के बाद भी जारी रहा। युवती, जो वर्तमान में मेंगलूरु के एक निजी कॉलेज में बीएससी की डिग्री हासिल कर रही है, ने 11 अक्टूबर 2024 को कृष्णा राव के साथ शारीरिक संबंध बनाए, जब उसके घर पर कोई नहीं था और उसने उससे शादी करने का वादा किया था। बाद में, जनवरी 2025 में, उसने युवती का जबरन यौन शोषण किया। बाद में, जब उसे पता चला कि वह गर्भवती है, तो कृष्णा राव ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया। पुत्तूर की रहने वाली छात्रा ने कहा कि वह और कृष्णा कई सालों से रिलेशनशिप में थे। कृष्णा ने कथित तौर पर उसके भरोसे का दुरुपयोग किया और अपने घर पर कई बार उसका शारीरिक शोषण किया। अपनी गर्भावस्था के बारे में जानने के बाद, लड़की ने अपने माता-पिता को सूचित किया, जिन्होंने फिर कृष्णा के परिवार से संपर्क किया। हालांकि परिवार शुरू में शादी के लिए राजी हो गया, लेकिन कृष्णा ने आखिरकार इनकार कर दिया।

क्या मल्लिकार्जुन खड़गे राज्य की राजनीति में उतरेंगे?

क्या यह ऑपरेशन चुपचाप चल रहा है?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सितंबर क्रांति की बहस में जिन लोगों ने हंगामा मचाया था, उनके शांत होने के बाद एक गुट चुपचाप एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को राज्य की राजनीति में लाकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को झटका देने की कोशिश कर रहा है। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राष्ट्रीय राजनीति में प्रभावशाली पद पर हैं और उन्हें लाकर कर्नाटक में सिद्धारमैया के अहिंदा मूल मंत्र को झटका देने की रणनीति बनाई जा रही है। विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद जब मुख्यमंत्री के चयन पर चर्चा हुई थी, तब डी.के. शिवकुमार ने खुले तौर पर कहा था कि अगर मल्लिकार्जुन खड़गे मुख्यमंत्री बनते हैं तो वे इस दौड़ से हट जाएंगे। उस समय इस पद के प्रबल दावेदार सिद्धारमैया को करारा झटका लगा था। वे बिना कुछ कहे या महसूस किए चुप हो गए थे। डी.के. शिवकुमार ने खड़गे का पासा पलटकर अपने राजनीतिक विरोधियों को करारा जवाब दिया था। लेकिन रणनीति बनाने में किसी से कम नहीं सिद्धारमैया ने चुप रहकर अपना लक्ष्य हासिल कर लिया। अब जब सब कुछ ठीक चल रहा था, तब राजन्ना की सितंबर क्रांति ने बहुत हलचल मचा दी है। कुछ लोग डी.के. शिवकुमार के पक्ष में बोलने लगे। अपनी बात खत्म करने के बाद राजन्ना ने उल्टा बोलने की कोशिश की, जैसे कुछ हुआ ही न हो और बात फैला दी। डी.के. शिवकुमार के गुट की ओर से इसका विरोध बहुत तीखा था। अनिवार्य रूप से, डी.के. शिवकुमार ने खुद हस्तक्षेप किया और बहस करके सभी को शांत किया। आरोप हैं कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया जब भी मौका पाते हैं, तब काम करने की कोशिश करते हैं। जब डी.के. शिवकुमार विदेश यात्रा पर थे, तब सिद्धारमैया ने बेंगलूरु में शहर का दौरा करके डी.के. शिवकुमार के काम में दखल दिया। हाल ही में नंदी हिल्स में आयोजित कैबिनेट मीटिंग में ली गई ग्रुप फोटो में डी.के. शिवकुमार को शामिल न किया जाना भी बड़ी बहस का विषय रहा। डी.के. शिवकुमार ऐसे धैर्यवान नजर आ रहे हैं, जैसे कुछ हुआ ही न हो, क्योंकि उन्होंने ऐसी कई कड़वी घटनाओं को झेला है। मल्लिकार्जुन खड़गे को दिसंबर के बाद के लिए मुख्यमंत्री बनाने के लिए अंदरूनी तौर पर प्रयास किए जा रहे हैं। पता चला है कि कुछ मंत्री और प्रभावशाली नेता खड़गे के करीबी लोगों को राज्य की राजनीति में आने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। 2013 से राज्य की राजनीति में रुचि खो चुके खड़गे को अगर किसी तरह मना लिया जाता है, तो सिद्धारमैया गुट की आवाज खामोश हो जाएगी। एक गुट ने इस उम्मीद में अभियान शुरू किया है कि कोई भी बिना किसी शोर-शराबे के हाईकमान के फैसले को स्वीकार नहीं करेगा। कहा जा रहा है कि इसके समर्थन में विधायकों की रायशुमारी जैसे प्रहसन किए जा रहे हैं। यह अजीब बात है कि इस तरह का अभियान चुपचाप चलाया जा रहा है, जबकि लोगों की राय है कि डी.के. शिवकुमार मल्लिकार्जुन खड़गे से सहमत होने की संभावना नहीं रखते।

मैसूरु के जयदेव अस्पताल में और अधिक हृदय रोग विशेषज्ञों की मांग

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हासन, मैसूरु, मांड्या, चामराजनगर और कोडागु जिलों में हृदयाघात की संख्या में वृद्धि के साथ, कांग्रेस एमएलसी दिनेश गूली गौड़ा ने कर्नाटक सरकार से मैसूरु के जयदेव हृदय रोग विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान में रोगियों के उपचार के लिए अन्य जिलों से हृदय रोग विशेषज्ञों को तैनात करने का आग्रह किया है। इस अनुरोध के जवाब में, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

गौड़ा ने चिंता व्यक्त की कि हृदयाघात 30 से 50 वर्ष की आयु के व्यक्तियों को तेजी से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि मैसूरु के जयदेव अस्पताल में रोगियों की संख्या दोगुनी हो गई है, प्रतिदिन रोगियों की संख्या 700 की क्षमता से बढ़कर लगभग 1,500 हो गई है। उन्होंने इस आपात स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त हृदय रोग विशेषज्ञों की तत्काल तैनाती का अनुरोध किया।

पागलपन भरे बयान के लिए लोगों से क्षमा मांगें प्रियांक खड़गे: येदियुरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

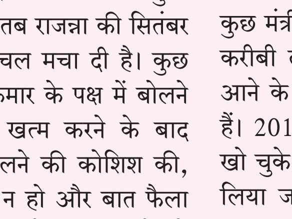

भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने राज्य मंत्री प्रियांक खड़गे के आरएसएस प्रतिबंध संबंधी बयान को पागलपन भरा बताते हुए उनकी आलोचना की है और मांग की है कि वे अपने बयान के लिए देश की जनता से क्षमा मांगें। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रियांक खड़गे ने कहा था कि अगर वे केंद्र में सत्ता में आए तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाएंगे। येदियुरप्पा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत हम सभी लोग पूरे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संरक्षण में पले-बढ़े हैं। सबसे पहले तो यह कि सत्ता में आना आपका सपना है। यह तय है कि अगले चुनाव में नरेंद्र मोदी स्पष्ट बहुमत के साथ फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा मैं आपसे आग्रह करता हूं और सलाह देता हूं कि आप इस तरह का मूर्खतापूर्ण बयान न दें और लोगों के सामने खुद को कमतर न आंकें।

चौथे दिन 7 हजार श्रद्धालु रवाना, कश्मीर पहुंचे 30 हजार

25 हजार ने श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू, 05 जुलाई (ब्यूरो)। अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार उमड़ रही है। यह इसी से स्पष्ट है कि पिछले चार दिनों में 25 हजार श्रद्धालुओं ने हिमलिंग के दर्शन कर लिए। गर्मी के कारण हिमलिंग का पिघलना भी शुरू हो गया है। आज भी जम्मू से 7 हजार के करीब श्रद्धालुओं का जत्था रवाना हुआ और आधिकारिक तौर पर अभी तक 30 हजार से अधिक श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा में शिरकत कर चुके हैं।

हर हर महादेव के जयकारे लगाते हुए, तमाम भक्त और श्रद्धालु बाबा बर्फानी के धाम की ओर बढ़ रहे हैं। कई लोग पैदल ही तीर्थ यात्रा कर रहे हैं, तो काफी संख्या में लोग घोड़े, खच्चरों और पालकी के जरिए गुफा तक पहुंचने के लिए निकल पड़े हैं। खुशगवार मौसम में कश्मीर की शानदार हरी भरी वादियों के बीच पूरे यात्रा मार्ग पर लोगों की कतारें ही कतारें नजर आ रही हैं। आज नूनवान बेस कैंप से श्रद्धालुओं का एक और जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ है।

भक्तों का उत्साह देखते ही बनता है, हर कोई बर्फानी के हिमस्वरूप के दर्शन के लिए आतुर है।

अधिकारियों ने बताया कि 6,979 तीर्थयात्रियों के चौथे जत्थे में 5,196 पुरुष, 1,427 महिलाएं, 24 बच्चे, 331 साधु और साध्वी तथा एक ट्रांसजेंडर श्रद्धालु शामिल हैं। कड़ी सुरक्षा के बीच दो अलग-अलग काफिलों में भगवती नगर आधार शिविर से आज तड़के 3.30 बजे से 4.05 बजे के बीच जत्था रवाना हुआ। 4,226 तीर्थयात्री 161 वाहनों में सवार होकर 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग से नुनवान आधार शिविर के लिए रवाना हुए, जबकि 2,753 तीर्थयात्री 151 वाहनों में सवार होकर 14 किलोमीटर लंबे छोटे लेकिन अधिक ढलान वाले बालटाल मार्ग की ओर रवाना हुए।

शनिवार को पहलगाम जाने वाले काफिले की चार बसों के रामबन जिले में चंद्रकोट लंगर स्थल के पास आपस में टकरा जाने से कम से कम 36 अमरनाथ तीर्थयात्री घायल हो गए। ब्रेक फेल होने के कारण एक बस काफिले में शामिल तीन अन्य बसों से टकरा गई। सभी घायल तीर्थयात्रियों को उपचार के लिए जिला अस्पताल रामबन ले जाया गया। उपायुक्त रामबन इलियास खान ने अस्पताल का दौरा किया और घायल तीर्थयात्रियों की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

अमरनाथ यात्रा को स्वच्छ बना रहा स्वाहा

जम्मू, 05 जुलाई (ब्यूरो)। अमरनाथ यात्रा पर जा रहे श्रद्धालु एक नया मंत्र गुनगुना रहे हैं। बोल बम, पर्यावरण को कचरा मुक्त रखेंगे हम। इस पवित्र यात्रा में पर्यावरण और स्वच्छता को जोड़ा है इंदौर के स्टार्टअप स्वाहा ने। कचरा मुक्त यात्रा की सोच को हकीकत में बदल रहा है स्वाहा। स्वाहा पिछले चार वर्षों से अमरनाथ यात्रा मार्ग को कचरा मुक्त बना रहा है। जम्मू कश्मीर के डायरेक्टरेट ऑफ रूरल सैनिटेशन द्वारा यह कार्य स्वाहा को सौंपा गया है। इस बार यात्रा मार्ग में करीब 550 टन कचरा निकलने का अनुमान है। स्वाहा की वजह से पिछले चार साल में तस्वीर बदली है। अब यात्रा के बाद पूरा अमरनाथ यात्रा मार्ग कचरा मुक्त दिखता है। अब यात्रा मार्ग की पहाड़ियां और नदियां प्लास्टिक और गंदगी से मुक्त हैं। स्वाहा के सह संस्थापक समीर शर्मा ने बताया कि ये लगातार चौथा वर्ष है जब पहाड़ों और घाटियों की सफाई के लिए जम्मू और कश्मीर के युवाओं साथ मिलकर इस मिशन को सफल बनाने के संकल्प पर स्वाहा जुटा हुआ है। यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है और आधार शिविरों से लेकर गुफा तक कपड़ों के थैले मुफ्त में बांटे जा रहे हैं, जिससे प्लास्टिक का उपयोग कम से कम हो रहा है।

सूखा और गर्मी से कश्मीर के फल उत्पादक चिंता में

जम्मू, 05 जुलाई (ब्यूरो)। कश्मीर में लंबे समय से चल रही गर्मी और सूखे ने फल उत्पादकों को चिंतित कर दिया है क्योंकि मौजूदा मौसम की स्थिति इस साल के फलों के मौसम के लिए जोखिम पैदा कर रही है, जिसे कश्मीर में आजीविका और आर्थिक मजबूती के प्राथमिक स्रोतों में से एक माना जाता है।

पिछले दो महीनों में, कश्मीर में शुष्क व गर्म मौसम की स्थिति देखी गई है, जिसने कश्मीर में सेब के बागों और अन्य फल देने वाले पेड़ों को बुरी तरह प्रभावित किया। विशेषज्ञों और बागवानों को न केवल तत्काल फसल के नुकसान की आशंका है, बल्कि दीर्घकालिक परिणाम भी हो सकते हैं जो फलों की उपज और गुणवत्ता दोनों को समान रूप से प्रभावित कर सकते हैं। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के एक बागवान मोहम्मद यूसुफ भट कहते हैं कि बारिश की कमी ने पेड़ों पर भारी दबाव डाला है। उनका कहना था कि पिछले दो महीनों से बारिश नहीं हुई है। पानी के बिना तेज धूप के कारण फल गिर रहे हैं। फलों के छिलके खराब हो रहे हैं और कुल मिलाकर गुणवत्ता खराब हो रही है। अगर यह जारी रहा, तो इससे हमारी आय में भारी कमी आएगी। भट जैसे उत्पादक जो सिंचाई के लिए प्राकृतिक वर्षा जल पर निर्भर हैं, सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। वे कहते हैं कि हमारे पास सिंचाई की सुविधा नहीं है। हमारे बाग बारिश पर निर्भर हैं। यह सूखा मौसम हमारे पूरे मौसम को बर्बाद कर सकता है।

हालांकि बागवानी विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय तक सूखे के व्यापक प्रभाव हो सकते हैं। बागवानी वैज्ञानिक जाविद अहमद ने बताया कि बढ़ते तापमान से सेब के पेड़ों पर दबाव पड़ रहा है, खासकर उन इलाकों में जहां सिंचाई के बुनियादी ढांचे का अभाव है। अहमद के बकौल, किसान पहले से ही छोटे आकार के फल, धूप से झुलसे सेब और फलों के गिरने की रिपोर्ट कर रहे हैं।

नमी की कमी से न केवल उपज कम होती है, बल्कि अगले सीजन में पेड़ के फल देने की क्षमता भी प्रभावित होती है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यही स्थिति बनी रही, तो इससे पेड़ की संरचना को भी दीर्घकालिक नुकसान हो सकता है। वे कहते हैं कि पेड़ का शारीरिक तनाव कई गुना बढ़ जाता है, और इससे उबरना मुश्किल हो जाता है। इसका मतलब हजारों उत्पादकों के लिए दीर्घकालिक आय का नुकसान हो सकता है। नुकसान सिर्फ कृषि से संबंधित नहीं है, यह आर्थिक है। कश्मीर, जो सालाना 20 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब का उत्पादन करता है, कभी-कभी यह आंकड़ा 25 लाख मीट्रिक टन को छू जाता है। इस उद्योग को झटका लगने से पूरी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा।

ऐसे में कश्मीर घाटी फल उत्पादक सह डीलर संघ के अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर कहते हैं कि खराब गुणवत्ता और कम आकार का मतलब है कि फलों को राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अच्छी कीमत नहीं मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रतिस्पर्धा कड़ी है। हम पहले से ही भारतीय बाजारों में आयातित सेबों से जूझ रहे हैं। अगर हमारे फलों की चमक और आकार कम हो जाता है, तो हम बच नहीं पाएंगे। यह सूखा एक बड़ी चिंता का विषय है। बागवानी विभाग के एक अधिकारी कहते हैं कि यह क्षेत्र खतरे में है और कार्रवाई की जरूरत है। उनका कहना था कि अगर सूखा जारी रहा, तो फल छोटे आकार के रह जाएंगे। कुछ स्थानों पर पहले से ही फलों के गिरने की सूचना है और गुणवत्ता खराब हो रही है। उनके बकौल, कश्मीर के लगभग 60 प्रतिशत बाग बारिश पर निर्भर हैं, जिससे अधिकांश किसान मौसम के बदलते मिजाज के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो जाते हैं। उन्होंने चिंता जताई कि यह एक स्पष्ट संकेत है कि इस क्षेत्र को विशेष रूप से उच्च घनत्व वाले बागान क्षेत्रों में ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम जैसे उचित सिंचाई बुनियादी ढांचे की तत्काल आवश्यकता है। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर के 60 परसेंट बाग बारिश पर निर्भर हैं, जिससे वे सूखे के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो जाते हैं। 2017 के जम्मू कश्मीर आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, कश्मीर में 3.5 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सेब की खेती होती है, जबकि कश्मीर की 50 परसेंट आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बागवानी पर निर्भर है। जानकारी के लिए अकेले सेब उद्योग राज्य सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 9.5 परसेंट का योगदान देता है।

यह क्षेत्र जम्मू-कश्मीर में सालाना 8.50 करोड़ से अधिक मानव-दिवस रोजगार पैदा करता है। विशेषज्ञ व उत्पादक समान रूप से प्रशासन से आग्रह कर रहे हैं कि वह वर्षा आधारित बागों के लिए व्यापक सिंचाई योजनाएं विकसित करके, जलवायु लचीले कृषि पद्धतियों को सुविधाजनक बनाकर, मौसम संबंधी नुकसान के मामले में बीमा कवरेज और मुआवजा देकर और मौसम निगरानी प्रणालियों को मजबूत करके और समय पर सलाह जारी करके जल्दी से जल्दी काम करें।

रिजिजू ने दलाई लामा से लिया आशीर्वाद

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में तिब्बती धार्मिक गुरु दलाई लामा से मुलाकात कर उनसे आशीर्वाद लिया। श्री रिजिजू ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर शनिवार को एक पोस्ट में कहा कि हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला के मैकलियोड गंज स्थित मुख्य मंदिर (त्सुकलागखांग) में परम पावन चौदहवें दलाई लामा के दीर्घायु प्रार्थना समारोह में शामिल हुआ। इस पवित्र अवसर पर उनका आशीर्वाद पाकर अभिभूत हूं। उन्होंने कहा कि परम पावन दलाई लामा ने अपनी 90वीं जयंती से पहले धर्मशाला में आयोजित दीर्घायु प्रार्थना समारोह में आशीर्वाद दिया। परम पावन ने अवलोकितेश्वर के आशीर्वाद को महसूस करने का उल्लेख किया और अगले 30-40 वर्षों तक लोगों की सेवा करते रहने की अपनी मंशा व्यक्त की।

एनआईए ने पीएफआई के खिलाफ बिहार में कार्रवाई तेज की

पटना, 05 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बिहार में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और तेज करते हुए एक और शख्स के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को पटना की विशेष एनआईए अदालत में दाखिल एक ताजा चार्जशीट में, पूर्वी चंपारण के रहने वाले मोहम्मद सज्जाद आलम पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आलम पर विदेश, खासकर दुबई, से गैरकानूनी फंड लाकर पीएफआई के नेटवर्क को बिहार में मजबूत करने का इल्जाम है।

एनआईए की गहन जांच में खुलासा हुआ है कि सज्जाद आलम पीएफआई का एक सक्रिय कार्यकर्ता था, जो संगठन की अवैध और राष्ट्र-विरोधी योजनाओं को अमल में लाने में शामिल था। उसे इस साल जनवरी में दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुबई से लौटते वक्त हिरासत में लिया गया था। यह मामला सबसे पहले जुलाई 2022 में पटना के फुलवारीशरीफ थाने में दर्ज हुआ था, जब 26 लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत कार्रवाई शुरू की गई थी। बाद में एनआईए ने इस मामले को अपने नियंत्रण में लिया और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धाराओं को जोड़ा।

जांच एजेंसी के मुताबिक, इस मामले में अब तक 18 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, और सज्जाद आलम के खिलाफ दाखिल चार्जशीट इस कड़ी में 18वीं है। इससे पहले, 17 अन्य आरोपियों के खिलाफ भी चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। जांच में यह भी सामने आया है कि पीएफआई विदेशी फंडिंग का सहारा लेकर बिहार में अपने नेटवर्क को फैलाने और देश के खिलाफ साजिश रचने में जुटा था। इसके अलावा, एनआईए ने मामले से जुड़े छह फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए इनाम की घोषणा की है। इनमें से एक आरोपी, अब्दुल रहमान, जिस पर 4 लाख रुपए का इनाम था, को कतर से लौटते समय कन्नूर हवाई अड्डे पर पकड़ा गया था। अब तक इस मामले में कुल 28 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है।

एनआईए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम पीएफआई की हर गतिविधि पर पैनी नजर रख रहे हैं। हमारा लक्ष्य ऐसी ताकतों को पूरी तरह से खत्म करना है जो देश की सुरक्षा और एकता के लिए खतरा बन रही हैं। यह कार्रवाई आतंकवाद और गैरकानूनी संगठनों के खिलाफ एनआईए की सख्त नीति का हिस्सा है।

नयी प्रौद्योगिकियां भारत की विकास गाथा को परिभाषित करेंगी: पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि नयी प्रौद्योगिकियां आने वाले वर्षों में भारत की विकास गाथा को परिभाषित करेंगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास एलुमनाई एसोसिएशन के 'संगम 2025' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा, ''आपका विज्ञान, आपकी प्रौद्योगिकी, इस जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी, अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार के साथ मिलकर भारत के भविष्य की विकास गाथा को आकार देंगे।''

गोयल ने कहा कि भारत नौकरी चाहने वाले देश से नौकरी देने वाले देश में बदल रहा है। उन्होंने कहा, ''बेशक, कुछ छोटे उपायों में, हमने स्टार्टअप पारिस्थितिकी और इसका समर्थन करने के लिए विभिन्न अन्य पहलों का हिस्सा बनने की कोशिश की है, साथ ही आईआईटी मद्रास जैसे संगठनों ने जो काम किया है, उसका भी हिस्सा बनने की कोशिश की है।''

गोयल ने कहा कि भारत की नीतियां भविष्य के लिए तैयार राष्ट्र बनाने के लिए बनाई गई हैं, जो प्रौद्योगिकी को अपनाता है, काम करने और जीने के नए तरीकों को अपनाता है, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग तथा डेटा विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में अग्रणी है।

मंत्री ने कहा, ''हम नयी प्रौद्योगिकियों से पीछे नहीं हटते। हमारा मानना है कि ये प्रौद्योगिकियां हमें विकास की सूची में आगे बढ़ाने में मदद करेंगी।'' उन्होंने कहा कि इससे भारत को अपने अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव का विस्तार जारी रखते हुए वैश्विक व्यापार में मंदी की प्रवृत्ति को रोकने में मदद मिलती है।

लोकतंत्र पर भारत का अटूट भरोसा : लोकतांत्रिक प्रणाली में संतुष्टि के मामले में भारतीय दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय लोगों का अपनी लोकतांत्रिक प्रणाली के मामले में भरोसा लगातार बढ़ रहा है। भारत ने हाल ही में अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भी उल्लेखनीय प्रगति की है, जो भारतीय नागरिकों की अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था में बढ़ते विश्वास के अनुरूप है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय लोग दुनिया में अपने लोकतंत्र से संतुष्टि के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, भारत अपने लोकतंत्र से संतुष्टि के मामले में दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है, जो स्वीडन (75 प्रतिशत) के ठीक पीछे 74 प्रतिशत के साथ खड़ा है। यह उपलब्धि 23 देशों के सर्वेक्षण में हासिल की गई है, जहां औसतन 58 प्रतिशत लोग अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था से असंतुष्ट हैं।

यह आंकड़ा भारत की प्रगति और जनता के विश्वास को दर्शाता है जो देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित करता है। इस सर्वे के अनुसार 15 देशों में आधे से अधिक लोग अपने देश की लोकतांत्रिक प्रणाली से संतुष्ट नहीं हैं।

2017 से लगातार किए जा रहे प्यू रिसर्च के सर्वेक्षणों में यह स्पष्ट हुआ है कि उच्च आय वाले देशों जैसे कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इटली, जापान, नीदरलैंड, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका में लोकतंत्र के प्रति असंतोष 64 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि संतुष्टि महज 35 प्रतिशत है।

इसके विपरीत, भारत में 74 प्रतिशत लोग अपने लोकतंत्र के कामकाज से खुश हैं, जो यह दर्शाता है कि देश की जनता अपनी सरकार और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास रखती है।

यह विश्वास आर्थिक प्रगति और सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ा है, क्योंकि सर्वेक्षण बताते हैं कि जहां अर्थव्यवस्था मजबूत है, वहां लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि भी अधिक है। भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। कई चीजें इस बात को प्रभावित कर सकती हैं कि लोग अपने लोकतंत्र के काम करने के तरीके से कितने संतुष्ट हैं, लेकिन आर्थिक धारणाएं एक महत्वपूर्ण कारक हैं। जिन देशों में जनता का एक बड़ा हिस्सा कहता है कि अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है, वहां आम तौर पर ऐसे लोग भी होते हैं जो अपने लोकतंत्र से संतुष्ट होते हैं।

सर्वेक्षण में यह भी उभरकर सामने आया है कि कोविड-19 महामारी के बाद कई देशों में लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि में गिरावट आई है, लेकिन भारत में यह स्तर बरकरार रहा। 2017 में जहां दुनिया के बड़े देशों में 49 प्रतिशत लोग अपनी लोकतांत्रिक प्रणाली से संतुष्ट थे, वहीं आज 74 प्रतिशत का आंकड़ा भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली में सुधार और जनता की भागीदारी को दर्शाता है।

यह संतुष्टि देश के युवाओं, जो आबादी का बड़ा हिस्सा हैं, और आर्थिक विकास में उनकी भूमिका से भी प्रेरित है। इस मामले में इंडोनेशिया (66 प्रतिशत) और ऑस्ट्रेलिया (61 प्रतिशत) जैसे देशों के साथ तुलना में, भारत का प्रदर्शन उल्लेखनीय है, जबकि ग्रीस (19 प्रतिशत) और जापान (24 प्रतिशत) जैसे देश लोकतंत्र के प्रति असंतोष से जूझ रहे हैं।

हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि लोग लोकतांत्रिक मूल्यों से दूर हो रहे हैं। शोध बताता है कि दुनिया भर के लोग लोकतंत्र को अच्छा मानते हैं। हालांकि, कई लोग राजनीतिक अभिजात वर्ग से निराश हैं या उन्हें लगता है कि सरकार में उनके विचारों का सही प्रतिनिधित्व नहीं किया जाता है।

जापान के राजदूत ने सीएम योगी से की मुलाकात

ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर में बढ़ेगी साझेदारी

लखनऊ, 05 जुलाई (ब्यूरो)। जापान के राजदूत ओनो केइची ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान उत्तर प्रदेश और जापान के बीच तकनीकी सहयोग, निवेश, युवाओं के कौशल विकास और पर्यटन जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी को लेकर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने इन क्षेत्रों में व्यापक सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। जापानी राजदूत ने बीते 8 वर्षों में यूपी में हुए सकारात्मक परिवर्तन व विकास कार्यों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जापानी कंपनियां उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए एक भरोसेमंद और सकारात्मक वातावरण वाला राज्य मानती हैं।

बैठक के दौरान यह तय किया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही जापान का दौरा करेगा। यह दौरा ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रॉनिक्स व विशेष रूप से सेमीकंडक्टर तकनीक के क्षेत्र में साझेदारी के अवसरों को तलाशने के लिए होगा। साथ ही, जुलाई के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने वाले विश्व एक्सपो, ओसाका में भी यूपी का प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन एनर्जी और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में जापानी निवेश और तकनीकी सहयोग का स्वागत करता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राज्य सरकार मेट्रो परियोजनाओं के अलावा शहरी गतिशीलता के अन्य आधुनिक मॉडल्स को भी अपनाने के लिए तैयार है।

बैठक में उत्तर प्रदेश के युवाओं के कौशल को विकसित करने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने को लेकर भी चर्चा हुई। इसमें विशेष रूप से जापान में रोजगार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए, सीएम योगी ने बताया कि राज्य सरकार जापान के साथ मिलकर युवाओं को प्रशिक्षित करेगी ताकि वे वहां नौकरी के योग्य बन सकें। पर्यटन के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच गहरा सहयोग स्थापित करने को लेकर सहमति बनी। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत का आध्यात्मिक केंद्र है, जहां हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म व जैन धर्म से जुड़े अनेक ऐतिहासिक स्थल स्थित हैं। यह जापानी नागरिकों के लिए भी सहज आकर्षण का केन्द्र है।

जापानी राजदूत ओनो केइची ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था, आधारभूत ढांचे, सड़क और रेल नेटवर्क तथा हवाई संपर्क के क्षेत्र में हुए कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह राज्य अब वैश्विक निवेशकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। उन्होंने यूपी सरकार द्वारा बनाए गए सकारात्मक माहौल को जापानी कंपनियों के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। बैठक के अंत में दोनों पक्षों ने इस सहयोग को औपचारिक रूप देने और शीघ्र ही ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर सहमति जताई।

बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं को तीर्थ यात्रा कराएगी सरकार

तीर्थ यात्रा का सारा खर्च वहन करेगी उत्तर प्रदेश सरकार

लखनऊ, 05 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं की धार्मिक यात्राओं की आस पूरी करने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है। शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थ यात्राएं भारतीय संस्कृति में आत्मिक उत्थान और सामाजिक समरसता का माध्यम रही हैं। ऐसे में राज्य सरकार का दायित्व है कि वह नागरिकों को उनकी आस्था से जुड़े स्थलों तक पहुंचने में सहायता प्रदान करे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बौद्ध श्रद्धालुओं की विशिष्ट तीर्थ यात्राओं हेतु बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना और सिख श्रद्धालुओं के लिए पंच तख्त यात्रा योजना प्रारम्भ की जाए। इन योजनाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपनी आस्था के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा सुलभता से कर सकें। मुख्यमंत्री के मंशानुसार बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना का उद्देश्य प्रदेश के निवासी हिन्दू/बौद्ध श्रद्धालुओं को देश के विभिन्न भागों में स्थित बौद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा की साध पूरी कराना है। मुख्यमंत्री ने योजना के लाभार्थियों के चयन में बौद्ध भिक्षुओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसी प्रकार, पंच तख्त यात्रा योजना सिख श्रद्धालुओं के लिए होगी। इसके अंतर्गत प्रदेश के निवासी सिख श्रद्धालुओं को भारत के पांच पवित्र तख्त साहिब स्थल की यात्रा कराई जाएगी। बता दें कि सिख पंथ के लिए पवित्र पंच तख्त स्थलों में श्री आनंदपुर साहिब, पंजाब, श्री अकाल तख्त साहिब, अमृतसर, पंजाब, श्री दमदमा साहिब, तलवंडी साबो, पंजाब, श्री तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़, महाराष्ट्र, श्री हरमंदिर जी साहिब (पटना साहिब), बिहार, शामिल हैं।

प्रस्तावित दोनों ही योजनाओं में प्रति व्यक्ति न्यूनतम 10,000 की राशि अनुदान के रूप में प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दोनों योजनाओं के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी जानी चाहिए, श्रद्धालुओं के चयन में पूरी पारदर्शिता के साथ कमजोर आय वर्ग के लोगों को वरीयता दी जानी चाहिए। दोनों ही योजनाएं आईआरसीटीसी के सहयोग से संचालित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ये दोनों योजनाएं श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और धार्मिक आस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लागू की जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि ये योजनाएं प्रदेश की समावेशी विकास नीति और सबका साथ, सबका विकास की भावना को और सशक्त करेंगी। प्रदेश की धार्मिक सहिष्णुता और पर्यटन को नया आयाम देंगी, साथ ही एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को भी मूर्त रूप प्रदान करेंगी।

वैश्विक निवेश के लिए अमेरिका और ब्रिटेन में होगा रोड शो

लखनऊ, 05 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार अब वैश्विक निवेशकों के लिए एक बड़े और भरोसेमंद विकल्प के रूप में खुद को स्थापित करने के लिए आक्रामक रणनीति अपना रही है। प्रदेश की निवेश प्रोत्साहन इकाई इन्वेस्ट यूपी ने अमेरिका, यूरोप और यूके में हाई-प्रोफाइल रोड शो और राउंड टेबल मीटिंग आयोजित करने की घोषणा की है। इस अंतरराष्ट्रीय आउटरीच का उद्देश्य चीन पर निर्भरता कम करने की चाह रखने वाली वैश्विक कंपनियों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित करना है। यूपी सरकार का यह प्रयास प्रदेश को वैश्विक मैनुफैक्चरिंग और इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को, लॉस एंजेलिस, लंदन, पेरिस, फ्रैंकफर्ट, मिलान, एम्स्टर्डम और बर्मिंघम जैसे शहरों में बी2जी मीटिंग और बिजनेस राउंड टेबल आयोजित की जाएंगी। इन कार्यक्रमों का आयोजन भारतीय दूतावासों, यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल, सीआईआई और फिक्की जैसे प्रमुख उद्योग संगठनों के साथ मिलकर किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत अमेरिका में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट अज्योर, अमेजन वेब सर्विसेज, ओरेकल, इक्विनिक्स, स्केचर्स, मैटल, राल्फ लॉरेन और कोच जैसी कंपनियों से संवाद किया जाएगा तो वहीं, यूरोप और यूके में बीएमडब्ल्यू, बॉश, बीएएसएफ, प्राडा, वर्साचे, लेगो, यूनिलीवर, ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन (जीएसके) जैसी कंपनियों को आकर्षित किया जाएगा।

भू राजनीतिक तनाव और वैश्विक सप्लाई चेन में बदलावों के दौर में यूपी अब वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों का विकल्प बनने की क्षमता दिखा रहा है। राज्य के पास मजबूत बुनियादी ढांचा, क्षेत्रीय नीति प्रोत्साहन और देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता आधार है, जो इसे विदेशी निवेश के लिए आकर्षक बनाता है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के अनुसार, हम सिर्फ निवेश आमंत्रित नहीं कर रहे हैं, बल्कि यूपी में दीर्घकालिक मूल्य श्रृंखलाएं और रोजगार-संचालित सतत विकास का आधार बना रहे हैं। हम एक व्यापक रणनीति को लागू कर रहे हैं, जिसमें क्षेत्र-विशिष्ट औद्योगिक नीतियां, समयबद्ध अनुमतियां और व्यापार सुगमता के लिए निरंतर सुधार शामिल हैं। विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और सबसे बड़े उपभोक्ता आधार के साथ, ये पहल उत्तर प्रदेश को घरेलू और वैश्विक दोनों निवेशकों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित कर रही हैं।

उत्तर प्रदेश अब न सिर्फ भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी खुद को एक भरोसेमंद, प्रतिस्पर्धी और दीर्घकालिक मैनुफैक्चरिंग डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित कर रहा है। 2024-25 में उत्तर प्रदेश ने पूरे भारत में सबसे अधिक नई फैक्ट्री पंजीकरण दर्ज किए। यह निवेशकों के बढ़ते विश्वास और निवेश मित्र जैसे सिंगल विंडो पोर्टल की दक्षता का प्रमाण है।

श्रीराम मंदिर से जुड़ेगा सरयू रिवरफ्रंट

23.46 करोड़ की लागत से हो रहा निर्माण

अयोध्या, 05 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश की पावन नगरी अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार के नेतृत्व में न केवल धार्मिक महत्व की प्रतीक बनी हुई है, बल्कि एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में भी उभर रही है। श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर के निर्माण के साथ ही अयोध्या को विश्व स्तरीय पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है।

इसी कड़ी में सरयू नदी के तट पर बन रहा सरयू रिवर फ्रंट अयोध्या की खूबसूरती और सुविधाओं को और बढ़ाने जा रहा है। यह रिवर फ्रंट श्रीराम मंदिर से जुड़कर पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करेगा।

पर्यटन विभाग द्वारा लगभग 23.46 करोड़ रुपए की लागत से सरयू रिवर फ्रंट का निर्माण कराया जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य अयोध्या को एक ऐसी नगरी के रूप में स्थापित करना है, जहां श्रद्धालु और पर्यटक दोनों ही

आध्यात्मिक और सौंदर्यपूर्ण अनुभव प्राप्त कर सकें।

रिवर फ्रंट के निर्माण कार्य में तेजी लाई गई है, जिसमें सीढ़ियों पर पत्थर लगाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके अतिरिक्त, छतरियों के फाउंडेशन का कार्य भी प्रगति पर है, जो इस परियोजना को और भव्यता प्रदान करेगा।

सरयू रिवर फ्रंट का निर्माण न केवल सरयू नदी के तट को सुंदर बनाने के लिए है, बल्कि यह पर्यटकों के लिए एक आधुनिक और सुविधाजनक स्थल के रूप में भी उभरेगा। इस रिवरफ्रंट पर श्रद्धालु सरयू नदी में स्नान के साथ-साथ ध्यान, योग और अन्य आध्यात्मिक गतिविधियों में हिस्सा ले सकेंगे। इसके अलावा, पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाएं जैसे बैठने की व्यवस्था, छायादार स्थल और सैर-सपाटे के लिए सुंदर पथ भी उपलब्ध होंगे। रिवर फ्रंट का डिज़ाइन इस तरह तैयार किया गया है कि यह प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ आध्यात्मिकता को भी संजोए रखे।

श्रीराम मंदिर के निर्माण के साथ ही अयोध्या में सड़कों का चौड़ीकरण, हवाई अड्डे का निर्माण, रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण और अन्य बुनियादी ढांचे का विकास तेजी से किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का मानना है कि सरयू रिवर फ्रंट का निर्माण अयोध्या को एक नया आयाम देगा। यह परियोजना रोजगार के अवसर भी पैदा कर रही है। डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि रिवरफ्रंट का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। लक्ष्य के अनुरूप इसे तैयार किया जा रहा है। जल्द ही यह पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। इसमें 24 इंटरप्रिटेशन वाल,शिलालेख, साइनेज एवं 100 मीटर घाट की सीढ़ियों पर पत्थर लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। 9 नग छतरी के फाउंडेशन का कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा अयोध्या में अन्य पर्यटन सुविधाओं जैसे होटल, गेस्ट हाउस, और परिवहन व्यवस्था को भी बेहतर किया जा रहा है

उत्तर प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं : मंत्री

27 लाख मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है

लखनऊ, 05 जुलाई (ब्यूरो)। प्रदेश के किसानों को समय से खाद और बीज की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए योगी सरकार पूरी तरह से सक्रिय है। प्रदेश के कृषि मंत्री एसपी शाही ने बताया कि जायद की फसलों की बुवाई शुरू हो चुकी है और किसानों को आवश्यकता अनुसार बीज और उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। खरीफ सीजन में किसानों को किसी भी प्रकार की खाद की कमी न हो, इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं।

कृषि मंत्री ने बताया कि इस वर्ष खरीफ सीजन के लिए प्रदेश में अब तक 27 लाख मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध हो चुकी है। 10 लाख मीट्रिक टन यूरिया और आपूर्ति की जा रही है, जिससे कुल उपलब्धता 37 लाख मीट्रिक टन तक रहेगी। पिछले वर्ष खरीफ में 32.84 लाख मीट्रिक टन यूरिया की खपत हुई थी, इस बार उससे अधिक स्टॉक मौजूद है। खाद वितरण में अनियमितता और कालाबाजारी की शिकायतों पर सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कड़ी कार्रवाई की है। अब तक 26 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और 580 फुटकर विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। बलरामपुर जिले के उतरौला क्षेत्र में शिकायतें मिलने पर जांच के बाद जिला कृषि अधिकारी बलरामपुर को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही एक अन्य अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

कृषि मंत्री ने बताया कि जुलाई माह में केंद्र सरकार की ओर से 10 लाख मीट्रिक टन यूरिया और भेजा जाएगा। जिससे सितंबर तक सभी आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य में यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी, एसएसपी सहित सभी प्रमुख उर्वरकों की भरपूर उपलब्धता है। प्रदेश में कार्यरत 26 फर्टिलाइजर कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई है।

जिससे वितरण और आपूर्ति को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही या कमी न हो। कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि जरूरत के सापेक्ष खाद की कोई कमी नहीं है और सरकार हर स्तर पर सतर्क है। कृषि मंत्री ने बताया कि निजी कंपनियों के रैक पॉइंट से की जाने वाली यूरिया सप्लाई में से 25 प्रतिशत वितरण पीसीएफ द्वारा किया जाएगा, जिससे वितरण प्रणाली अधिक पारदर्शी और प्रभावी हो सके।

यूपी में दो निजी विश्वविद्यालयों को मिली स्वीकृति

लखनऊ, 05 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश शासन ने अयोध्या में महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय के संचालन की अनुमति प्रदान की है, वहीं गाजियाबाद में अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु आशय-पत्र जारी किया गया है।

अयोध्या जैसे पावन शहर में रामायण विश्वविद्यालय और गाजियाबाद जैसे औद्योगिक शहर में इंजीनियरिंग-फोकस्ड विश्वविद्यालय की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि नया उत्तर प्रदेश, उच्च शिक्षा में अग्रणी प्रदेश बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा को सुलभ, समावेशी और समकालीन बनाने के मिशन पर काम कर रही है।

इस कड़ी में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि प्रदेश सरकार निजी क्षेत्र की भागीदारी से उच्च शिक्षा में नवाचार और अधोसंरचना विकास को प्रोत्साहित कर रही है। आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनेगा।

शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देने और युवाओं को स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षण संस्थानों की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन दोनों प्रस्तावों को समयबद्ध प्रक्रिया के तहत स्वीकृति प्रदान की गई है।

उन्होंने बताया कि महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट, दिल्ली द्वारा अयोध्या में महर्षि महेश योगी रामायण विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अंतर्गत अधिसूचित करते हुए अनुज्ञा-पत्र प्रदान किया गया है। यह विश्वविद्यालय अब निर्धारित शर्तों और अधिसूचना के परिप्रेक्ष्य में औपचारिक रूप से संचालन कर सकेगा। वहीं, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग सोसाइटी, गाजियाबाद द्वारा प्रस्तावित अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की धारा-6 के अंतर्गत आशय-पत्र जारी किया गया है। विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु न्यूनतम 5 करोड़ रुपए की स्थायी विन्यास निधि, शहरी क्षेत्र में 20 एकड़ भूमि तथा कम से कम 24,000 वर्ग मीटर का शैक्षणिक भवन आदि शर्तों को पूरा करना होगा। इस अवसर पर उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एम.पी. अग्रवाल, विशेष सचिव निधि श्रीवास्तव तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए खास तैयारी

सावन में आएंगे एक करोड़ से अधिक भक्त

वाराणसी, 05 जुलाई (ब्यूरो)। सावन में श्रद्धालुओं को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर चार, नंदू फारिया, सिल्को गली, ढुंढिराज और सरस्वती फाटक से प्रवेश दिया जाएगा। गंगा में बाढ़ की वजह से ललिता घाट से श्रद्धालुओं का प्रवेश अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया जा सकता है। दर्शन के लिए आने वाले वृद्ध, अशक्त, दिव्यांगजन और बच्चों के लिए गोदौलिया से मैदागिन तक निशुल्क ई-रिक्शा का संचालन किया जाएगा। सावन में श्री काशी विश्वनाथ धाम में एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

श्री काशी विश्वनाथ धाम में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने बताया कि इस बार सावन में बाबा के दरबार में कोई भी वीआईपी या वीवीआईपी नहीं होगा। सावन भर प्रोटोकॉल दर्शन नहीं होंगे। इस पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। दर्शन के लिए सभी श्रद्धालु कतार में लगकर ही आएंगे। कोई श्रद्धालु दलालों के झांसे में न आएं। यदि कोई व्यक्ति विशेष दर्शन के नाम पर रुपए मांगता है या अपनी दुकान से प्रसाद लेने पर दर्शन में सहायता का दावा करता है, तो वह आपको ठगने का प्रयास कर रहा है। इसकी जानकारी निकटतम पुलिस या फिर मंदिर के कर्मी को दी जा सकती है। उधर, मंदिर न्यास ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे खाली पेट कतार में न लगें।

इस सावन में चार सोमवार पड़ रहे हैं। हर सोमवार को बाबा विश्वनाथ के अलग-अलग श्रृंगार किए जाएंगे। 14 जुलाई को पहले सोमवार को चल प्रतिमा शृंगार, दूसरे सोमवार (21 जुलाई) को गौरी-शंकर (शंकर-पार्वती) शृंगार, तीसरे सोमवार (28 जुलाई) को अर्धनारीश्वर श्रृंगार और चौथे व अंतिम सोमवार (चार अगस्त) को रुद्राक्ष श्रृंगार होगा। वहीं, नौ अगस्त को पूर्णिमा पर झूला श्रृंगार होगा। मंडलायुक्त ने बताया कि स्मार्ट सिटी के सहयोग से धाम परिसर और शहर के अलग-अलग स्थानों पर बाबा विश्वनाथ की आरती और श्रृंगार के डिजिटल दर्शन की व्यवस्था की गई है। साथ ही श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर भी दर्शन की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग की जाएगी। व्यवस्था प्रबंधन के लिए संपूर्ण धाम में केंद्रीकृत लोक सूचना प्रणाली (पब्लिक एड्रेस सिस्टम) और आवश्यक स्थानों पर स्थानीय लोक सूचना प्रणाली (लोकल पब्लिक एड्रेस सिस्टम) की व्यवस्था रहेगी।

मंडलायुक्त ने बताया कि श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कुल पांच स्थानों पर चिकित्सकीय टीम की तैनाती की जाएगी। हेल्थ डेस्क पर तीन पाली में डॉक्टरों की ड्यूटी लगेगी। प्रत्येक पाली में दो डॉक्टरों की टीम रहेगी। मंदिर में दो एंबुलेंस रहेगी। इनमें एक एंबुलेंस में एडवांस लाइफ सपोर्ट की सुविधा होगी, जो किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए तत्पर रहेगी। मंडलायुक्त ने बताया कि विश्वनाथ धाम में छह स्थानों पर खोया-पाया केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसमें मंदिर प्रांगण, शंकराचार्य चौक, गेट नंबर एक (गंगा निकास द्वार), गेट नंबर दो (सरस्वती फाटक), गेट नंबर चार (मुख्य प्रवेश मार्ग) और ललिता घाट पर बने खोया पाया केंद्र पर भीड़ में अपने परिवार से बिछड़े लोग सहायता प्राप्त कर सकेंगे। मंडलायुक्त के मुताबिक, धाम में समय-समय पर ग्लूकोज/ओआरएस घोल, सूक्ष्म जलपान, बिस्किट, टॉफी, चॉकलेट आदि का वितरण किया जाएगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आपका स्मार्टफोन भी बता सकता है कि कहीं आपको कैंसर तो नहीं

कैंसर उन खतरनाक बीमारियों में से एक है जिनका फर्स्ट स्टेज पर पता न चले तो मरीज की जान पर बन आती है। कैंसर कई तरह का होता है लेकिन खतरनाक कैंसर टाइप में से एक है स्किन कैंसर। स्किन कैंसर का पता आपको आपकी त्वचा के कलर से भी पता चल सकता है। आज हम आपको ऐसे एप के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक छोटे से टेस्ट के बाद आपको बता देगा कि त्वचा का बदलाव कैंसर है या नहीं।

SkinVision एप :SkinVision नाम का ये एप अमेरिका और यूरोप में काफी चलन में है। ये एप एक अवेयरनेस मोबाइल ऐप्लिकेशन है जो आपकी स्किन में आ रहे बदलाव को ट्रैक करने में आपकी मदद करता है। ये आपको समय-समय पर आपकी स्किन के पॉजिटिव और नेगेटिव बदलावों की जानकारी देता रहता है। हालांकि हम आपको बता दें कि ये सिर्फ इतना ही एक्यूरेट है कि कैंसर के रिस्क के बारे में बता सके, कन्फर्म कराने के लिए आपको टेस्ट तो कराने ही होंगे।

कैसे करें इस्तेमाल : इस एप को ऑन करके फोन के कैमरे से स्किन के उस हिस्से की तस्वीर लें जहां आपको बदलाव नजर आ रहा है। इस फोटो का एनालिसिस करने के बाद एप आपको कई तरह के रेमेंडेशन देगा। बता दें कि SkinVision ऐप आपको पिक्चर्स आर्काइव करने की भी सुविधा देता है। इससे आप स्किन में आ रहे चेंजेस की फोटोज आर्काइव करके डॉक्टर को दिखा सकते हैं।

पोकेमोन गो भी टेक्सटिंग जितना ही खतरनाक हैः शोध

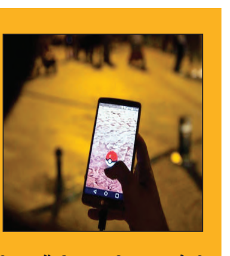

ह्यूस्टन। एक नए शोध में पता चला है कि रियलिटी गेम पोकेमोन गो खेलने से लोगों को उसी तरह के खतरे हो सकते हैं जिस तरह के टेक्सटिंग के दौरान पेश आते हैं। पोकेमोन गो इसी साल जुलाई में लॉन्च हुआ है। इसमें ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम की मदद से खिलाड़ी पोकेमोन को खोजते हैं, उन्हें पकड़ते हैं, उनसे लड़ते हैं और उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। ये पोकेमोन स्क्रीन पर इस तरह नजर आते हैं जैसे वे उसी असल दुनिया में हों जिसमें खिलाड़ी है।

यह गेम दुनियाभर में काफी लोकप्रिय हुआ है और इसे 10 करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। गेम के लॉन्च होने के बाद से ऐसी खबरें आने लगीं कि इसके खिलाड़ी गिर रहे हैं, चीजों से टकरा रहे हैं और यहां तक कि गेम खेलते हुए व्यस्त सड़कों पर पहुंच जा रहे हैं। अमेरिका की टेक्सास ए ऐंड एम यूनिवर्सिटी में शोध विज्ञानी कोनराड अर्नेस्ट ने कहा, मेरे खयाल से पोकेमोन गो के साथ परेशानी यह है कि यह बिलकुल ऐसी दुनिया में ले जाता है जहां व्यक्ति की गति एकदम धीमी हो जाती है और लोग अपने पोकेमोन को पकड़ने के लिए विशेष दिशा में चलने लगते हैं।

बीते साल अर्नेस्ट ने चलते हुए टेक्सटिंग पर शोध किया था। इसमें पाया था कि बिना ध्यान भटकाए राहगीरों के मुकाबले टेक्सटिंग कर रहे और या संज्ञानात्मक रूप भटके राहगीरों की चलने की गति धीमी हो जाती है, वे अड़चनों से पार पाने के लिए ज्यादा और उंचे उंचे डग भरते हैं। अर्नेस्ट ने कहा, इसकी संभावना ज्यादा होती है कि जब क्रासवाक का संकेत साफ तौर पर जाने का नहीं होता है तो खिलाड़ी सड़क पार करें।

बारिश में भी महकता रहे घर

पहली बारिश की खुशबू तो सबको पसंद है, लेकिन लगातार बरसते पानी के कारण सीलन की गंध घरों में घुस ही जाती है। कपड़ों को भी धूप नहीं मिल पाती तो वे भी गंध छोड़ने लगते हैं, इसी तरह गार्डन में जमा पानी भी बदबू मारने लगता ह। कई वजह हैं जिनके कारण घरों में गंध समा जाती है। गंध को घर से भगाना कुछ मुश्किल नहीं है, सही वक्त

पर सही तरह की खुशबू को घर में रखेंगे तो ये मौसम और खुशनुमा हो जाएगा।

- लेमनग्रास, ऑरेंज जैसी सिट्रस खुशबू तरोताजा महसूस कराती हैं लेकिन इनका खास असर दिन के वक्त ही ज्यादा होता है।
- दिन के वक्त डिफ्यूजर का उपयोग लीविंग रूम्स और बाथरूम में कर सकते हैं। स्प्रे भी असर दिखाने वाले होते हैं।
- कपड़ों की गंध भगाने के लिए फेंगरेंस सैशे का ही उनयोग करें, जिसे अलमारियों में रखा जा सकता है।
- शाम के वक्त वेपोराइजर्स का उपयोग करें। सेंटेड कैंडल्स भी माहौल में गर्माहट लाएंगी और बारिश की ठंडक को महसूस नहीं होने देंगी। बेडरूम्स में इनका प्रयोग किया जा सकता है।

सिर्फ आपको संगीत सुनाएंगे ये स्पीकर्स

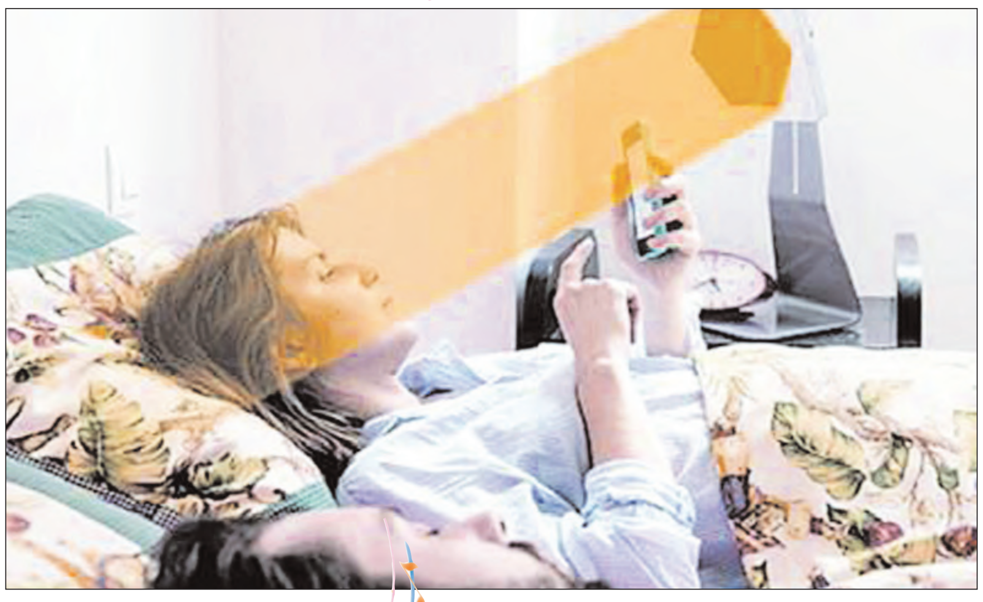

कंपनी के यह स्पीकर कुछ अवॉर्ड्स भी जीत चुके हैं जबकि अभी तक ये प्री ऑर्डर स्टेज पर ही हैं। ये डायरेक्शनल ऑडियो डिवाइस है जो हाई फिडेलिटी साउंड को बाहर फेंकती है जिसे सिर्फ आप ही सुन सकते हैं। यह एक कम चौड़ी बीम के जरिए होता है जिसे आप अपने हिसाब से सेट कर सकते हैं।

उदाहरण के तौर आप अपने बेडरूम में म्यूजिक सुनना चाह रहे हैं और पार्टनर को सोना है। हेडफोन की झंझट भी आपको नहीं चाहिए। आप असके स्पीकर को अपने कानों की कर दीजिए, जो साउंड बीम निकलेंगी वो सिर्फ आप तक ही पहुंचेंगी और पार्टनर को पता भी नहीं चलेगा कि कोई संगीत कमरे में बज रहा है। अस डायरेक्शनल साउंड कंट्रोल तकनीक से नॉइस पौल्यूशन भी नहीं होता है।

कंपनी ने तो बाकायदा नो मोर हेडफोन्स कैम्पेन भी चला रखा है।

akoustic-arts.com पर ये ए स्पीकर प्री ऑर्डर पर उपलब्ध हैं। ये दो आकार में मिल रहे हैं। जूनियर का आकार 9 बाय 9 सेमी है और बड़े का आकार 20 बाय 20 सेमी है। छोटे की कीमत 350 डॉलर है और बड़े की 550 डॉलर। जैसे ही यह कैम्पेन पूरा होगा इन दोनों की कीमत बढ़ना तय है। डिलवरी मिलने के बाद इन स्पीकर्स को सेट करना भी बेहद आसान है। सबसे पहले इनकी पैकिंग हटाइए, बैटरी कनेक्ट कीजिए, चार्जिंग केबल को स्पीकर में लगाइए और किसी भी डिवाइस(स्मार्टफोन, टेबलेट, लैपटॉप, स्टीरिओ, टीवी वगैरह) कनेक्ट कर दीजिए। ये कनेक्शन 3.5एमएम के मिनीजैक के जरिए होगा। ए स्पीकर के लिए ऐसेसरीज भी मिल रही हैं। जैसे एक स्टैंड के रिए आप इसे पास रखी मेज पर भी सेट कर सकते हैं। वॉल माउंट भी करवा सकते हैं। और तो और छत पर भी ये लग सकते हैं। ये ऐसेसरीज मात्र 50 डॉलर में प्री ऑर्डर कर 7 सकते हैं।

अब नहीं होगी दिक्कत बेल्ट खरीदने में

बेल्ट पहनना जितना आसान काम है, उतना ही मुश्किल उसे खरीदते वक्त चुनना है। ज्यादातर पुरुष नहीं जानते कि उन्हें बेल्ट खरीदते वक्त किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इस दिक्कत को हल करती कुछ बातें...

बेल्ट की लंबाई : बेल्ट की लंबाई की उसकी सुंदरता तय करती है। हद से ज्यादा लंबे बल्ट कभी सुंदर नहीं लग सकते। बड़े ब्रांड तो कमर के नाप के हिसाब से ही प्रोडक्ट निकालते हैं। आप जाइए और शॉपकीपर को कमर का नाप बताइए वो पूरी रेंज सामने रख देगा। सही तरीका भी यही है। अगर ब्रांडेड बेल्ट नहीं खरीद रहे हैं तो यह ध्यान रखिये कि बेल्ट पहनने के बाद अतिरिक्त हिस्सा पैंट के लेफ्ट साइड के पहले बकल से थोड़ा ही ज्यादा होना चाहिए। यह बचा हिस्सा अगर दूसरे बकल तक पहुंच गया तो बात बिगड़ जाएगी।

बकल्स की चौड़ाई : जितना चौड़ा बकल आप लेंगे, उतना ही कम फॉर्मल यह लगेगा। बड़े बकल कैजुअल ड्रेसिंग पर ही अच्छे लगते हैं। पैंट्स पर तो कतई नहीं! बड़े बकल्स में राउंड शेप सबसे ज्यादा चलन में होता है, फिर चाहे आप इसे गोल्ड फिनिश में लें या सिल्वर फिनिश में। इन्हें स्टाइल करते वक्त ध्यान रखें कि अगर आप जिस रंग की आपने कफलिंक्स, टाई पिन पहनी हो उसी से मैच करता हुआ बेल्ट का बकल होना चाहिए। यह जरूर ध्यान रखें कि वेडिंग रिंग से इसे कभी मैच नहीं करना है।

जितना पतला और सिंपल बकल होगा, उतना ही यह फॉर्मल लगेगा। ऑफिस के लिए यही ठीक रहते हैं। जीन्स पर यह कम अच्छे लगते हैं। जीन्स के लिए बड़े बकल ही बेहतर ऑप्शन हैं और यह उन्हें बेहतर ढंग से थामते भी हैं।

रंग की बात : लेदर का रंग हमेशा ही लेदर से मैच करता हुआ होना चाहिए। ब्लैक जूते पहने हैं तो ब्लैक बेल्ट पहन सकते हैं, ब्राउन लेदर शू पर ब्राउन बेल्ट ही सुंदर लगेगा। फिनि का भी आपको ध्यान रखना होगा। मैट फिनिश के शूज के साथ मैट फिनिश बेल्ट ही अच्छा लगेगा। इसी तरह ग्लॉसी बेल्ट्स के साथ शाइनी शू पहने होना चाहिए।

ये टिप्स भी हैं काम की...

- ब्रैडेड बेल्ट यानी चोटी की तरह गूंथे हुए बेल्ट में कभी भी बकल के लिए छेद न करवाएं। इसमें बीच में जो जगह होती है उसका उपयोग किया जाना चाहिए।
- ज्यादातर बेल्ट काल्फस्किन के बने होते हैं। जितना ज्यादा यह सॉफ्ट होगा, उतनी ही हाई क्वालिटी का होगा।
- कड़क बेल्ट में दरारें पड़ने का डर होता है। इन्हें खरीदने से बचा जाना चाहिए।
- अच्छे स्टोर पर बेल्ट काटकर भी दिए जाते हैं। आकार के हिसाब से यहां जानकार इसे काट देते हैं।
- बड़े ब्रांडों का नाम भी अक्सर बेल्ट पर उभरा रहता है लेकिन यह याद रखें कि बेल्ट इतने छोटे होते हैं कि इन्हें कोई भी दूर से नोटिस नहीं कर पाता है। बेहद छोटे नामों के पीछे खासी रकम खर्चने से बच सकते हैं। इसकी जगह तो क्वालिटी पर इनवेस्ट करना चाहिए।

अब तो अपना ही लीजिए साइकिल

कुछ के लिए यह विचार ही अजीब हो सकता लेकिन यकीं मानिये साइकिल को जीवन के किसी भी पड़ाव पर जिंदगी में शामिल करने के जबरदस्त फायदे हैं। फिट रहने का भी शौक रखते हैं तो ये सवारी वाकई आपकी है। पेश हैं कुछ कारण जो आपको साइकिल खरीदने के लिए प्रेरित करेंगे।

इको फ्रेंडली राइड

प्रकृति की चिंता करने के लिए जरूरी नहीं कि किसी पर्यावरण संस्था से जुट जाएं। आपकी जरा-सी कोशिश से भी बड़ा फर्क आ सकता है। साइक्लिंग करें और एयर पॉल्यूशन कम करने की हर सम्भव कोशिश करें। कार चलाने की आदत कुछ दिन के लिए ही छोड़े और फर्क महसूस करें। यह खुशी इतनी बड़ी महसूस होने लगेगी की कि खुद-ब-खुद काम से काम कार चलाएंगे।

सबसे जरूरी सेहत

जब जिम में साइकिल शामिल कर ली गई है तो अंदाजा लगा सकते हैं कि सेहत के मामले में इसे चलाने के कितने फायदे हैं। साइकिल चलाना मजेदार तो है ही, इससे आपके शरीर के कई अंग एक साथ काम करते हैं। यह ब्लड सर्क्युलेशन बेहतर करती है और इसकी सवारी करने वालों को दिल की बीमारी होने के भी बेहद कम चांस होते हैं। आंखों की रोशनी बेहतर करना चाहते हैं तो भी रेग्युलर सायक्लिंग करें। सायक्लिंग से तनाव भी काफी कम होजाता है और इस तरह ये हमारे इमोशनल डेवलपमेंट में भी मदद देती है।

कई झंझट खत्म

साइकिल को अपनी सवारी बनाने के कई फायदे धन के गणित से भी जुड़े हैं। यह फाइनेंशियल बर्डन जरा नहीं है। इसकी सवारी से शहरों में जगह-जगह लगने वाले जाम से भी आप बच सकते हैं। इस तरह हर जगह आप वक्त पर पहुंचेंगे। इसकी सवारी से आप खुद को ज्यादा डाइनैमिक मानने लगेंगे और काफी हद तक तनाव रहित महसूस करेंगे। मजेदार तो यह है कि इसे चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस की भी जरूरत नहीं पत्ती और न ही टैक्स देना पत्ता है। इसलिए जल्द ही अपने लिए एक साइकिल खरीदें और लाइफ को आसान बनाएं। पेट्रोल का पैसा, रिपेयरिंग का खर्च वगैरह आप बचाएंगे वो अलग।

देखें दुनिया करीब से

कार या स्कूटर की सवारी काफी तेज होती है। इस गति की वजह से आप कई चीजें ठीक से देख भी नहीं पाते जो अक्सर आपके रास्ते में होती है। साइकिल से आप ये नजारे देख पाएंगे और नजदीक से महसूस कर पाएंगे। वैसे भी सायक्लिंग एक तरह की लत है। जिनको साइकिल चलाने की आदत है वे इसके बिना नहीं रह पाते। किसी भी संडे को अपने शहर में एक सायक्लिंग एडवेंचर प्लान करने से मजेदार क्या हो सकता है। हर शहर के पास ऐसी जगह होती ही हैं जहां साइकिल से जाया और आया जा सकता है। रास्ते में कई लैंडस्केप्स मिलते हैं जिन्हे पहले देखा ही नहीं होता है। याद रखिये कि साइकिल पर चलकर दुनिया को बिलकुल अलग नजर से देखा जा सकता है और ऐसी जगह घूम सकते हैं जहां पहले कभी नहीं गए।

हरी मिर्च खाने के ये फायदे चौंका देंगे आपको...

हरी मिर्च कई तरह के पोषक तत्वों जैसे- विटामिन ए, बी6, सी, आयरन, कॉपर, पोटेशियम, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होती है. यही नहीं इसमें बीटा कैरोटीन, लुटेन - जॅक्सन्थिन आदि स्वास्थ्यवर्धक चीजें मौजूद हैं. वैसे तो आमतौर पर इसका इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए ही किया जाता रहा है लेकिन हाल में हुए कई शोध इस बात का दावा करते हैं कि हरी मिर्च खाने से कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है.

1. हरी मिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है. विटामिन सी दूसरे विटामिन्स को शरीर में भली प्रकार अवशोषित होने में मदद करता है.
2. हरी मिर्च एंटी-ऑक्सीडेंट का एक अच्छा माध्यम है. हरी मिर्च में डाइट्री फाइबर्स प्रचुर मात्रा में होते हैं, जिससे पाचन क्रिया सुचारू बनी रहती है.
3. विटामिन ए से भरपूर हरी मिर्च आंखों और त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद है.
4. हाल में हुई कुछ स्टडीज के अनुसार, हरी मिर्च ब्लड शुगर को कम करने में कारगर होती है .

इन बातों से बनेगा आपका दमदार व्यक्तित्व

अभी तक यह माना जाता था कि व्यक्तित्व जन्मजात होता है और वह बदला नहीं जा सकता है। पिछले कुछ सालों से कुछ विशेषज्ञों ने यह सिद्ध किया है कि अभ्यास और ट्रेनिंग से आपके व्यक्तित्व को बदला जा सकता है। इसके लिए आपको परिश्रम करना होगा और समर्पण के साथ प्रयास करने होंगे। तभी आप अपने व्यक्तित्व में ऐसे परिवर्तन ला पाएंगे जिनके सहारे आप एकेडमिक और व्यवसायिक सफलता हासिल पाएंगे। देखें क्या हैं वे जरूरी तत्व जो देते हैं हमें दमदार पर्सनैलिटी।

कॉन्फिडेंस : व्यक्तित्व आपकी संपूर्णता का ही एक हिस्सा है, इसलिए यह जरूरी है कि आप जिस दिशा में सोच रहे हैं, विश्वास कर रहे हैं और काम कर रहे हैं उसमें दृढ़ता दिखाएं। यह दूसरों के लिए नहीं, स्वयं अपने लिए जरूरी है। फिर यह भी जरूरी है कि आप अपनी प्रतिभा और योग्यता पर विश्वास रखें और यह यकीन भी रखें कि आप हर उस बाधा को पार कर लेंगे जो आपके सामने आएगी। यदि आप एक टास्क को पूरा करने में लगे हुए हैं तो आप फिर से ड्राइंग बोर्ड की तरफ लौटें। अपनी योजना का एक प्लान बनाएं और उसमें आने वाले सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर पूरी तरह से विचार करें। 90 प्रतिशत मामलों में यदि आप अपने प्रयासों को लेकर आश्वस्त हैं असफलता की आशंका कम होती जाती है।

अक्सर यह बताया जाता है कि हरेक व्यक्ति अपने आप में विशिष्ट है और इसलिए दुनिया में उसके जैसा कोई और हो ही नहीं सकता है। हालांकि यह हमें बहुत ही घिसा-पिटा लगता है लेकिन यह सही है। इसका संबंध हमारे विशिष्ट स्वभाव, राय या व्यवहार से है जो हमें दूसरों की नजर में इंट्रेस्टिंग बनाता है, और यही हमारे व्यक्तित्व का सबसे जरूरी हिस्सा भी होता है। अत: जरूरी है कि किसी की तरह होने की बजाए खुद हों। ज्यादातर मामलों में, सफलता पाने के लिए लोग दूसरों के विचारों और व्यवहारों की नकल करते हैं। जबकि ऐसी चीजें थोड़े समय के लिए लाभकारी हो सकती है, यह बाद में काम नहीं करती है। हां जरूरी यह है कि आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचानें और उन पर काम करें और फिर उस हिसाब से अपने व्यक्तित्व को ढालें।

अटायर : ज्यादातर विशेषज्ञ इस बात पर यकीन करते हैं कि व्यक्तित्व प्रारंभिक तौर पर एक व्यक्ति की योग्यता, क्षमता से ही बनती है। लेकिन आपका अटायर या जो कपड़े आप पहनते हैं वह इस नियम का अपवाद है। आपकी भौतिक उपस्थिति की लोग अमूमन उपेक्षा करते हैं, यदि आपका अटायर इस बात को प्रभावित करता है कि आप लोगों के सामने कैसे जाते हैं? आपको हमेशा ऐसे कपड़े पहनना चाहिए जो आपके स्ट्रक्चर, आपके बॉडी टाइप और अवसर के अनुकूल हों।

बॉडी लैंग्वेज : आज के दौर में आपकी बॉडी लैंग्वेज आपके बारे में उससे ज्यादा कह देती है, जितना आप स्वयं कहकर या फिर अपने ज्ञान से नहीं कह सकते हैं। यहां तक कि आपके त्वरित हावभाव और आपका दिन-प्रतिदिन का व्यवहार जिसे आप उतना महत्व नहीं देते हैं लेकिन वही आपके व्यक्तित्व के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। आप कैसे बैठते हैं, कैसे बोलते, हाथ मिलाते हैं या फिर अभिवादन करते हैं, किस तरह बातचीत के दौरान आप नजरें मिलाते हैं यह सब कुछ आपके व्यक्तित्व का हिस्सा है। इसलिए जरूरी है कि आप इसका अच्छे से अभ्यास करें।

वाकपटु स्वभाव : आपकी बॉडी लैंग्वेज, संवाद-कौशल चाहे लिखित हो या मौखिक आपके व्यक्तित्व का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। लोकप्रिय विश्वास से अलग बातचीत भी एक तरह की कला है और यह शिष्टता, भद्रता और रचनात्मकता का मिलाजुला रूप है, तभी यह ज्यादा प्रभावोत्पादक हो सकता है। ज्यादातर मामलों में, लोग औपचारिक लिखित कम्युनिकेशन में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं, लेकिन जैसे ही बात मौखिक होती है, उन्हें मुश्किल आती है। याद रखें यह भी आपके व्यक्तित्व का अभिन्न अंग है। किस तरह से आप अपने विचार व्यक्त करते हैं, आपके शब्दों का चयन क्या होता है, बात करने का लहजा कैसा है, जिस विषय पर चर्चा हो रही है उसमें आपकी सहभागिता कैसी है और आपकी बॉडी लैंग्वेज कैसी है यह सब अच्छे कम्युनिकेशन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

शिष्ट व विनम्र स्वभाव : आपका व्यक्तित्व आपकी आदत और व्यवहार के पैटर्न से भी परिभाषित होता है। और यही आपके रोजमर्रा के जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। इसलिए आपका स्वभाव ऐसा होना चाहिए कि वह दूसरों पर गहरा प्रभाव डालें।

शिष्ट-शालीन और विनम्रता के साथ सहज व्यवहार अब भी फैशन से बाहर नहीं हुआ है। उल्टा, ये सारी चीजें आपके व्यक्तित्व में गिनी जाएंगी।

अपनी रुचि तराशें : अपने व्यक्तित्व के विस्तार के लिए जरूरी है कि आप अपने ज्ञान का स्तर बढ़ाएं, ज्यादा से ज्यादा अनुभव लें। ज्यादा पढ़ें, कुछ नया सीखें। अपनी रुचि विकसित करें, क्योंकि जितना अधिक आपका एक्सपोजर होगा, आप उतना ज्यादा सीखेंगे। और यही आपके व्यक्तित्व को निखारने में मदद करेगा जो आपके प्रतिस्पर्धी पर आपको बढ़त देगा।

क्या आप जानते हैं?

धरती पर अनगिनत चीजें मौजूद हैं, इसलिए इनके बारे में जानने को कितना कुछ है। आप एक फल या जानवर के बारे में पता करने जाएंगे और आपको उसके बारे में ढेरों तथ्य मिल जाएंगे।

पेड़ पौधों और फल-फूल से हमारा रोज़ का ही वास्ता पड़ता है। इनके बारे में सब कुछ तो नहीं पर कुछ-कुछ तो आप जानते ही होंगे। धरती पर अनगिनत चीजें मौजूद हैं, इसलिए इनके बारे में जानने को कितना कुछ है। आप एक फल या जानवर के बारे में पता करने जाएंगे और आपको उसके बारे में ढेरों तथ्य मिल जाएंगे। जैसे, उल्लुओं के समूह को 'पार्लियामेंट' कहते हैं। शुतुरमुर्ग की आंख उसके दिमाग से भी बड़ी होती है। जिराफ अपने कान अपनी 21 इंच लम्बी जीभ से साफ करता है। ऐसे ही और भी कई मजेदार तथ्य आपके लिए लेकर आए हैं हम। इन तथ्यों को आप भी जेहन में रखें और अपने दोस्तों को भी बताइए।

- विश्व का सबसे पुराना पेड़ स्वीडन में स्थित है, वह 9,550 वर्षों से मौजूद है।
- स्ट्रॉबैरी इकलौता ऐसा फल है, जिसके बीज उसके फल के बाहर लगे होते हैं। इसके एक फल से 200 से ज्यादा बीज प्राप्त किए जा सकते हैं।
- पत्ता गोभी में 91 प्रतिशत, सेब में 84 प्रतिशत और ककड़ी में 96 प्रतिशत पानी होता है।
- सेब को पानी में डालने पर क्या होता है?...वह तैरने लगता हैं न। पानी पर इसके तैरने की वजह है इसमें 25 प्रतिशत हवा जो भरी होती है।
- टमाटर और आलू विश्व में सबसे ज्यादा उगाई जाने वाली सब्जियां हैं, जबकि प्याज का प्रयोग भोज्य पदार्थों को बनाने में सबसे ज्यादा किया जाता है।

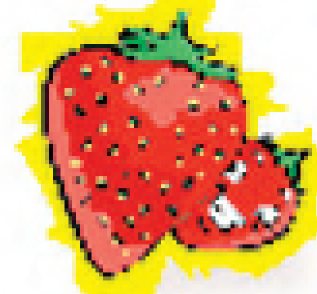

- गाजर का वास्तविक रंग जामुनी होता है। इसमें 'विटामिन ए' प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता और आंखों की रोशनी को बढ़ाता है। साथ ही आपकी स्किन को भी चमकदार बनाता है।
- अफ्रीका में पाई जाने वाली एलींफेंटा घास की लम्बाई इतनी होती है कि इसमें एक हाथी खुद को आसानी से छुपा सकता है। पते की बात तो यह है कि इसी वजह से इनका नाम एलीफेंटा घास पड़ा।
- यूं तो पानी आपके घर में भी जमा किया जाता ही होगा और पानी जमीन के भीतर भी रहता है। पर क्या आप जानते हैं, एक पेड़ ऐसा भी है जो अपने भीतर पानी एकत्रित कर सकता है। उसका नाम है 'बाओब ट्री'। यह अफ्रीका में पाया जाता है और 10,000-12,000 लीटर तक पानी संचित कर सकता है।
- पहले डीजल इंजन के बारे में तो सबको पता है, पर क्या आप जानते हैं कि इस इंजन में मूंगफली का तेल बतौर ईंधन इस्तेमाल किया गया था?
- पेड़-पौधे 90 प्रतिशत पोषण वातावरण से प्राप्त करते हैं, जबकि 10 प्रतिशत ही वे ामीन से ग्रहण करते हैं।
- एक पेड़ से औसतन 1,70,000 पेन्सिलें बनाई जा सकती हैं।
- विश्व का सबसे लम्बा पेड़ सेकुआ (कैलीफोर्निया रेडवुड) है। इसकी लम्बाई तकरीबन 360 फीट होती है।
- एक पेड़ वर्ष भर में इतनी ऑक्सीजन छोड़ता है कि उससे एक परिवार वर्षभर सांस ले सकता है।
- केला बहुत ही पोषक और सुपाच्य फल होता है, इसलिए बच्चे के प्रथम आहार में इसे शामिल किया जाता है।
- ककड़ी फल है, सब्जी नहीं। ऐसा इसलिए क्योंकि इसके बीज फल के बीच में होते हैं।
- यदि आप थोड़े तनाव में हैं तो एक केला खा लीजिए, आप अच्छा महसूस करेंगे। केले में ऐसे रासायनिक तत्व पाए जाते हैं, जिन्हें खाने से आप तनावमुक्त और खुशी महसूस करते हैं।
- जापान और चीन में तरबूज मेजबान के यहां ले जाना अच्छा उपहार माना जाता है।
- दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला पौधा है बर्मा का जाइंट बैम्बू।

कविता

खट्टे हैं अंगूर!

एक लोमड़ी भूखी प्यासी,
चली ढूंढ़ने खाना।
दिनभर घूमी इधर-उधर पर,
मिला न उसको दाना।
एक बाग में चलते-चलते,
निकल गई वह दूर।
देखा उसने लटक रहे हैं,
बड़े-बड़े अंगूर।
पके-पके अंगूर देखकर,
मुंह में आया पानी।
उछलकूद कर पकड़ने लगी,
उन्हें लोमड़ी रानी।
मगर बड़ी ऊंचाई पर थे,
अंगूरों के गुच्छे।
आखिर उनको पकड़ न पाई,
हो गई थक कर चूर।
जाते-जाते बोली,
कितने खट्टे हैं अंगूर।

(आज सोनू ने मोनू को एक लोमड़ी की व्यथा सुनाई। अंगूर कैसे हो गया था खट्टा यह भी बताया।)

बिंदु से बिंदु मिलाओ

बच्चो, इस चित्र में अंक यूं ही नहीं दिए गए। अगर अंकों के साथ वाले बिंदुओं को आपस में मिलाओगे तो यहां पर खूबसूरत चित्र बन जाएगा। तो उठाइए पेंसिल...

रंग भरो

बच्चो, यह गोलू अपने रंग घर मे भूल आया है। क्या आप अपने रंगों से इसे सजा सकते हैं तो उठाइए अपने रंग और हो जाइए शुरू...

ये हुई ना बात

इस बार बरसात आई तो लोगों के मन भीगे हुए थे। हर बार उन्हें बारिशं मुसीबत लगती थी। दीपक की एक कोशिश ने सबके मन जीत लिए। पहले तो कोई उसके साथ खड़ा नहीं हुआ। क्या किया था दीपक ने ऐसा, पढ़िए यह कहानी...

दीपक आज खुशी-खुशी घर लौट रहा था, क्योंकि गर्मी की छुट्टियां हो गई थीं। वह रोज गांव से तीन मील दूर एक हाई स्कूल में पढ़ने जाया करता था। उसके साथ गांव के कुछ और भी बच्चे पढ़ने जाया करते थे। एक छोटी सी पगडंडी से होकर गुजरना पड़ता था, जिसमें छोटे-छोटे गड्ढे थे। इसलिए वह रास्ता काफी उबड़-खाबड़ था। अचानक एक दिन दीपक को ध्यान आया कि बरसात के दिनों में उन गड्ढों में पानी भर जाता है। रास्ता, तालाब बन जाता है। मेंढक टर्राने लगते हैं। मच्छर भिनभिनाने लगते हैं। पिछले साल गांव के चौधरी चाचा का पांव फिसल गया था और उन्हें कूल्हे में चोट भी लग गई थी। छह महीने तक बिस्तर पर ही रहे।

वहीं रामसिंह दूध वाले दद्दा की भैंस इधर आई, तो रास्ते में हुए इस कीचड़ वाले तालाब में फंस गई। काफी मुश्किल से उसे निकाला गया। एक बार तो बरसात के बाद तो गांव में हैजा ही फैल गया था।

दीपक ने सोचा क्यों न इन गर्मियों में इन गड्ढों को ही पाट दिया जाए। मन की बात उसने दोस्तों को बताई। उसके दोस्तों ने उसकी बात सुनते ही हंसी में उड़ा दी। कुछ ने तो दीपक का मजाक भी उड़ाया। एक ने उसके कंधे पर हाथ रखते हुए कहा 'अरे भई! क्या हम गांव वालों के नौकर हैं। एक तो साल भर कस के पढ़ाई की, अब बारी है आराम करने की, तो तू फावड़े चलवाएगा। हम तो मस्त सोएंगे और खेलेंगे। जा तू ही कर गांव की सेवा।'

ऐसे उत्तर और व्यवहार से दीपक का उत्साह ठंडा हो गया। पर उसने हार न मानी। उसको रवींद्रनाथ टैगोर की पंक्तियां याद आईं, 'तुम्हारी पुकार सुनकर कोई आए न आए, पर तुम अकेले ही अपनी राह पर चलते चलो।' उसने गांव के बड़ों को अपनी मंशा के बारे में बताया। कुछ लोगों का व्यवहार उसके दोस्तों की ही तरह था, तो कुछ ने उसका उत्साह बढ़ाया और उसके इस नेक काम में उसका साथ देने भी चल दिए।

अचानक दो से चार और चार से दस और दस से बीस लोगों की टोली बन गई। जिन लोगों ने दीपक की बात सुनकर उसका खिल्ली उड़ाई थी, अब वे भी धीरे-धीरे उसका हाथ बंटाने आ गए।

बरसात आने से पहले रास्ते के सारे गड्ढे पाट दिए गए। अबकी बरसात आई तो सब इसका आनंद उठा रहे थे। इस बार गांव के लोगों को न किसी बीमारी का भय न था और न ही उन्हें कोई असुविधा हुई। गांव वालों ने दीपक की सूझबूझ को सराहा और उसे सम्मानित भी किया। मुखिया जी उसे आशीर्वाद देते हुए बोले, 'दीपक, तूने गांव की बहुत बड़ी समस्या हल कर दी। तूने अपना नाम सार्थक कर दिया।'

पश्चिम एशिया में मिसाइल सुरक्षा का एक नया अध्याय शुरू, अमेरिका ने दिया सुरक्षा कवच

रियाद, 05 जुलाई (एजेंसियां) ।

सऊदी अरब ने अपने पहले थाड मिसाइल सिस्टम बैटरी की आधिकारिक तैनाती कर दी है। इस घोषणा के साथ ही अब पश्चिम एशिया में मिसाइल सुरक्षा का एक नया अध्याय शुरू हो गया है। सऊदी अरब को इजरायल वाला हथियार मिल गया है जो उसकी एयर डिफेंस की ताकत को बढ़ा देगी। इस हथियार का नाम टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस यानी थाड है। सऊदी अरब ने थाड बैटरी को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में डील की थी। यह डील 15 बिलियन डॉलर की थी, जिसमें छह अतिरिक्त थाड बैटरियां, 44 लॉन्चर और 360 इंटरसेप्टर शामिल थे।

थाड सिस्टम का रडार 2 हजार किमी दूर तक दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रख सकता है। यह 200 किलोमीटर रेंज और 150 किलोमीटर ऊंचाई तक आने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने में सक्षम है। यानी दुश्मन की मिसाइलें लॉन्च होते ही मंजिल तक नहीं पहुंच पातीं और हवा में ही तबाह कर दी जाती हैं। सिर्फ सऊदी ही नहीं, अमेरिका ने अक्टूबर 2024 में इजरायल में भी थाड सिस्टम और 100 सैनिकों को तैनात किया था। यह कदम उस समय उठाया गया जब ईरान ने 1 अक्टूबर को इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल हमला किया था। पेंटागन ने तब कहा था, यह कार्रवाई अमेरिका की इजरायल की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस मिसाइल प्रणाली को अमेरिकी डिफेंस कंपनी लॉकहीड मार्टिन की ओर से विकसित किया गया था। यह कंपनी इस समय दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और घरेलू निर्माण में अहम भूमिका निभा रही है। जेद्दा से आई एक तस्वीर में देखा गया कि सऊदी जवानों ने थाड सिस्टम की टेस्टिंग और फील्ड ट्रेनिंग के बाद उसे पूरी तरह से ऑपरेशनल कर दिया है। ये मिसाइलें हवा में ही दुश्मन के बैलिस्टिक मिसाइलों को 'हिट-टू-किल' तकनीक से खत्म कर देती हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने हथियारों की बड़ी खेप रोकी

कीव। यूक्रेन में जारी जंग के बीच अमेरिका ने हथियारों की एक बड़ी खेप रोक दी, जिससे यूक्रेनी सरकार सकते में आ गई। यह निर्णय अमेरिकी डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने अकेले लिया, लेकिन जल्द ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को फोन कर भरोसा दिलाया- हम आपके साथ हैं। हम जल्द हथियारों की आपूर्ति पर फिर से बात करेंगे। जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा- हमने साथ मिलकर बहुत कुछ पाया है, और अब एक न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की दिशा में मिलकर कदम बढ़ाएंगे।

परमाणु निगरानी निरीक्षकों को वापस बुलाया

तेहरान। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए ने अपने अंतिम निरीक्षकों को भी वापस बुला लिया है। अमेरिका और इजरायल के हालिया हमलों के बाद ईरान ने आईएईए से सहयोग रोकने का कानून पास कर दिया है। आईएईए प्रमुख राफेल ग्रोसी ने साफ किया कि वे अपने फैसले पर कायम हैं, भले ही ईरान इसे हमलों का आधार मानता रहे। यह घटनाक्रम सिर्फ कूटनीति नहीं, पूरी दुनिया की सुरक्षा से जुड़ा मसला बन गया है। हालांकि इस बीच खबर आई है कि अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत शुरू होगी।

फिर ट्रंप पर भड़के एलन मस्क ने दिए तीसरी पार्टी बनाने के संकेत, शुरु हुई बयानबाजी

वाशिंगटन। कभी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी सहयोगी रहे टेस्ला के सीईओ और अरबपति एलन मस्क के बीच एक बार फिर तीखी नोकझोंक देखने को मिल रही है। मस्क ने हाल ही में ट्रंप के इस बिल की आलोचना करते हुए इसे आर्थिक रूप से आत्मघाती और पुराने उद्योगों को बढ़ावा देने वाला बताया। दूसरी ओर, ट्रंप ने मस्क पर पलटवार करते हुए कहा कि मस्क को मिलने वाली इलेक्ट्रिक वाहन सब्सिडी को खत्म किया जा सकता है, और बिना सरकारी मदद के उनकी कंपनियां बंद हो सकती हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, एलन को लंबे समय से पता था कि मैं इलेक्ट्रिक वाहन जनादेश के खिलाफ हूं। बिना सब्सिडी के उन्हें शायद दुकान बंद कर साउथ अफ्रीका लौटना पड़ सकता है। 4 जुलाई को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मस्क ने एक्स पर एक पोल शुरू किया, जिसमें उन्होंने पूछा, क्या हमें दो दलों (कुछ लोग इसे यूनिपार्टी कहते हैं) के सिस्टम से आजादी चाहिए क्या हमें अमेरिका पार्टी बनानी चाहिए इस पोल ने अमेरिकी जनता और राजनीतिक विश्लेषकों के बीच एक नई बहस को जन्म दिया है। इस दौरान एक यूजर ने लिखा, एलन द्वारा तीसरी पार्टी शुरू करना टेस्ला और स्पेसएक्स के समान है। सफलता की संभावना कम है, लेकिन यदि सफल रहा तो यह खेल को पूरी तरह से बदल देगा। इस पर एलन मस्क ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे 100 फीसदी सही बताया। मस्क ने अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर 1 जुलाई को लिखा, यदि यह पागलपन भरा खर्च बिल पास होता है, तो अगले ही दिन अमेरिका पार्टी का गठन कर दिया जाएगा। हमारे देश को डेमोक्रेट-रिपब्लिकन यूनिपार्टी से एक विकल्प चाहिए ताकि लोगों की आवाज वास्तव में सुनी जाए। उन्होंने इस बिल को पोर्की पिग पार्टी की संज्ञा दी, जिसका मतलब है कि यह बिल अनावश्यक सरकारी खर्च को बढ़ावा देता है। मस्क ने यह भी धमकी दी कि जो रिपब्लिकन सांसद इस बिल का समर्थन करेंगे, उनके खिलाफ वह अगले साल प्राइमरी चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारेंगे। अमेरिका में कोई भी तीसरी पार्टी बना सकता है, और अमेरिका में कई छोटी पार्टियां जैसे लिबरटेरियन पार्टी, ग्रीन पार्टी, और अन्य मौजूद हैं। लेकिन तीसरी पार्टी का प्रभावी होना बहुत मुश्किल है क्योंकि: अमेरिका में विजेता-सब कुछ लेता है प्रणाली है, जो दो-पक्षीय प्रणाली को बढ़ावा देती है। आनुपातिक प्रतिनिधित्व की कमी के कारण छोटी पार्टियों को जीतना मुश्किल होता है।

मसूद अजहर मामले में पाकिस्तान ने फिर झाड़ा पल्ला, बिलावल बोले- मसूद पाकिस्तान में नहीं

इस्लामाबाद, 05 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी और जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान ने एक बार फिर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश की है। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीपीपी प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक साक्षात्कार के दौरान दावा किया कि मसूद अजहर पाकिस्तान में नहीं है और उसे गिरफ्तार करने के लिए इस्लामाबाद को भारत की ओर से ठोस सबूत चाहिए।

गौरतलब है कि वैश्विक मंच पर पाकिस्तान की छवि दुनियाभर के आतंकवादियों को पालने और संरक्षण देने वाली रही है। इस बात के सबूत भी समय-समय पर मिलते रहे हैं। जहां तक बात मसूद अजहर की है तो भारत में कई बड़े हमलों से इसका नाम जुड़ा रहा है। जानकारी अनुसार मसूद अजहर का नाम भारत में जिन वीभत्स आतंकी हमलों के साथ जुड़ा रहा उनमें 2001 का संसद हमला, 2008 का 26/11 मुंबई हमला, 2016 का पठानकोट एयरबेस हमला और 2019 का पुलवामा आत्मघाती हमला, जिसमें 40 से अधिक सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे। उक्त घटनाओं के कारण संयुक्त राष्ट्र ने 2019 में मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित कर दिया था।

ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबूत

हाल ही में भारतीय सेना ने जैश-ए-मोहम्मद के खिलाफ एक गोपनीय सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, जिसमें मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्य और उसके चार करीबी साथी मारे गए थे। यह कार्रवाई पाकिस्तान अधिकृत क्षेत्र में स्थित जैश के ठिकानों पर की गई थी। अब ऐसे में जब बिलावल भुट्टो कहते हैं कि पाकिस्तान को नहीं पता मसूद कहां है। तो यह हास्यास्पद प्रतीत होता है।

बिलावल ने क्या कहा

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कहा, कि मसूद अजहर पाकिस्तान में नहीं है। भारत के पास यदि कोई ठोस जानकारी है, तो उसे साझा करे, हम गिरफ्तार करेंगे। इसके साथ ही वो कहते हैं कि भारत के पास कोई पुख्ता प्रमाण नहीं है। मसूद के अफगानिस्तान में होने की अधिक संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि हाफ़िज़ सईद पाकिस्तान में सरकारी हिरासत में है, और यह तथ्य भारत को स्वीकार करना चाहिए। बिलावल भुट्टो ने मसूद के अफगान जिहाद से पुराने संबंधों का हवाला देते हुए कहा कि वह संभवत: अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। जानकारों की मानें तो बिलावल का यह बयान अंतरराष्ट्रीय दबाव से बचने की रणनीति भी हो सकती है। बिलावल भुट्टो का यह बयान पाकिस्तान की परंपरागत रणनीति को ही उजागर करता है, जब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बढ़ता है, आतंकियों की मौजूदगी से इनकार कर देना।

खराब जीवनशैली से हो रही लिवर की बीमारियां

लंदन। आजकल की खराब जीवनशैली, अनियमित खानपान और कुछ आदतें लिवर के लिए नुकसानदायक साबित हो रही हैं। ऐसे में लिवर से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं और इनके लक्षण दिन के अलावा रात में भी नजर आ सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर इन लक्षणों को समय रहते पहचानकर नजरअंदाज न किया जाए, तो लिवर डैमेज से जुड़ी समस्याओं का इलाज आसान हो जाता है। रात में दिखने वाले लिवर डैमेज के कुछ खास संकेतों की बात करें तो सबसे पहले आता है बार-बार नींद का खुलना। यह संकेत है कि लिवर में कुछ गड़बड़ी के कारण शरीर में नींद से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं। दूसरा संकेत है रात में शरीर में खुजली होना। जब लिवर ठीक से काम नहीं करता तो पित्त का स्तर बढ़ने लगता है, जिससे त्वचा में खुजली महसूस होती है। तीसरा लक्षण है पैरों और टखनों में सूजन, जो रात के समय ज्यादा दिख सकती है और लिवर की खराबी का संकेत हो सकती है। इसके अलावा रात के समय जी मिचलाना या उल्टी आना भी लिवर डैमेज का संकेत हो सकता है। एक और महत्वपूर्ण लक्षण है पेशाब का रंग गहरा या पीला होना, जो बिलीरुबिन के स्तर बढ़ने के कारण होता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि इन लक्षणों को अन्य बीमारियों के लक्षण समझकर अनदेखा करना आसान हो सकता है, लेकिन अगर ये बार-बार नजर आएं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। लिवर की बीमारियों का जल्दी पता चलने पर इलाज सरल और कारगर होता है। लिवर खराब होने के कई कारण हो सकते हैं जैसे ज्यादा शराब का सेवन, वायरल हेपेटाइटिस, मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव। लिवर को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार लेना चाहिए, शराब के सेवन को सीमित करना चाहिए, नियमित व्यायाम करना जरूरी है और शरीर का वजन नियंत्रित रखना चाहिए। इसके अलावा तनाव से दूर रहना भी लिवर की सेहत के लिए फायदेमंद है। मालूम हो कि हमारा लिवर शरीर का एक जरूरी अंग है जो कई अहम काम करता है।

6 माह में 6 बार ट्रंप ने घुमाया पुतिन को फोन......लेकिन जंग फिर भी नहीं हुई खत्म

वाशिंगटन, 05 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को फोन पर बात की। जनवरी में ट्रंप के फिर राष्ट्रपति बनने के बाद दोनों नेताओं ने छठी बार बातचीत की। रूस के मुताबिक, दोनों नेताओं ने यूक्रेन, ईरान और अमेरिका-रूस संबंधों सहित कई मुद्दों पर बात की। इस दौरान पुतिन ने साफ किया कि रूस, यूक्रेन वॉर की असल वजह को खत्म करके ही रहेगा। उन्होंने कहा कि वे यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन यूक्रेन को नाटो में शामिल होने जिद छोड़नी होगी और 2022 के बाद रूस ने जिन इलाकों पर कब्जा किया है उन्हें मान्यता देनी होगी। पुतिन के सीनियर एडवाइजर यूरी उशाकोव ने बताया कि ट्रंप ने यूक्रेन वॉर जल्द खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया। वहीं, पुतिन ने बातचीत के जरिए जंग का हल ढूंढने की कोशिश कर जोर दिया। ट्रम्प-पुतिन ने 6 महीने में 6 बार बातचीत की पहली बातचीत (12 फरवरी 2025) को ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में दोनों नेताओं के बीच पहली आधिकारिक बातचीत हुई। इसमें यूक्रेन, मिडिल ईस्ट, एआई और एनर्जी जैसे मुद्दों पर बात हुई। दूसरी बातचीत (18 मार्च 2025) को हुई इसमें यूक्रेन में युद्धविराम, एनर्जी इन्फ्रा पर हमले रोकने और ब्लैक सी में समुद्री युद्धविराम जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

तीसरी बातचीत (19 मई 2025) को हुई इसमें ट्रम्प ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने की कोशिश की, लेकिन पुतिन ने तत्काल युद्धविराम से इंकार किया। रूस ने एनर्जी इन्फ्रा पर हमले रोकने की सहमति दी।

चौथी बातचीत (4 जून 2025) को यूक्रेन के रूसी एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले और ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर चर्चा हुई। ट्रम्प ने कहा कि इस बातचीत से तुरंत शांति नहीं आएगी।

पांचवीं बातचीत (14 जून 2025) को बातचीत में मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव, यूक्रेन युद्ध, और ईरान के साथ परमाणु समझौते पर चर्चा हुई। पुतिन ने ट्रम्प को जन्मदिन की बधाई भी दी।

छठी बातचीत (3 जुलाई 2025) को पुतिन ने यूक्रेन जंग की असल वजह खत्म करने पर जोर दिया, जिसमें यूक्रेन का नाटो में शामिल होने का विरोध शामिल था। ट्रम्प ने युद्धविराम की कोशिश की।

पुतिन के साथ बातचीत के बाद ट्रम्प ने कहा कि मैंने पुतिन के साथ काफी लंबी बातचीत थी। हमने ईरान सहित कई मुद्दों पर बात की।

विरोध प्रदर्शन

फिलिस्तीन एक्शन के समर्थन में लंदन में विरोध प्रदर्शन। इस समूह पर इस्लामिक स्टेट और अल-कायदा के साथ-साथ आतंकवाद कानूनों के तहत प्रतिबंध लगाया जाएगा।

पिकनिक मनाते वक्त डोनाल्ड ट्रंप ने वन बिग ब्यूटीफुल विधेयक पर किए साइन

वाशिंगटन, 05 जुलाई (एजेंसियां) ।

दुनिया में चर्चित रहा अमेरिका का वन बिग ब्यूटीफुल बिल कानून बनने के बाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाइट हाउस में पिकनिक मनाते वक्त इस वन बिग ब्यूटीफुल बिल पर साइन किया। इस बिल का असल नाम टैक्स एंड स्पेंडिंग बिल है। बीते दिन ही अमेरिकी संसद से इस बिल को पास किया गया था। डोनाल्ड ट्रंप के सिग्नेचर करते ही इस बिल ने कानून की शक्ल ले ली। कांग्रेस में इस बिल को लगभग सभी रिपब्लिकन समर्थन प्राप्त हुआ। अमेरिका की आर्थिक नीति के लिहाज से ट्रंप इसे अहम बता रहे हैं। इस कदम से ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की विरासत मजबूत हो सकती है।

इस मौके पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैंने अपने देश में लोगों को इसके कारण कभी इतना खुश नहीं देखा, क्योंकि इतने सारे अलग-अलग समूहों के लोगों मसलन- सेना, सभी प्रकार के नागरिक, सभी प्रकार की नौकरियां का ध्यान रखा जा रहा है। ट्रंप ने कहा कि इसलिए आपके पास अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ी कर कटौती, सबसे बड़ी खर्च कटौती, सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा निवेश है। उन्होंने कांग्रेस के दोनों सदनों के माध्यम से बिल का नेतृत्व करने के लिए हाउस स्पीकर माइक जॉनसन और सीनेट के बहुमत नेता जॉन थून को धन्यवाद दिया।

दरअसल, इस वन बिग ब्यूटीफुल बिल में टैक्स ब्रेक और सरकारी खर्च में कटौती के प्रावधान शामिल हैं। अमेरिका के 249वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर वाइट हाउस के लॉन में पिकनिक समारोह आयोजित हुआ था। इसमें सांसद, ट्रंप प्रशासन के अधिकारी और कई मेहमान शामिल हुए थे। उन सबों की मौजूदगी में ट्रंप ने वन बिग ब्यूटिफुल बिल पर साइन किया। साइन करने के बाद ट्रंप ने उस गवेल को जोर से बजाया, जिसे हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने उन्हें उपहार में दिया था। गुरुवार को बिल के अंतिम पारित होने के दौरान भी इसका इस्तेमाल किया गया था।

ईरान के हाथ इजराइल का ड्रोन,वीडियो आया तो चौंक गए नेतन्याहू

तेहरान, 05 जुलाई (एजेंसियां) ।

ईरान और इजरायल के बीच 12 दिन के युद्ध में ईरान के हाथ इजरायल का एक बड़ा खजाना लग गया है। ईरान को इजरायल के सबसे उन्नत जासूसी ड्रोन में से एक 'ऑर्बिटर-5' पूरी तरह सुरक्षित हालत में मिला है। ये ड्रोन वेस्टर्न टेक्नोलॉजी से लैस था, लेकिन ईरानी इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम ने इसे जमीन पर ला पटका।

अब इसे खोल-खोलकर ईरानी वैज्ञानिक इसकी तकनीक को समझ रहे हैं और एक-एक पुर्जे की नकल तैयार कर रहे हैं, जो इजरायल के लिए किसी टेंशन से कम नहीं है। ईरान ने इसे खोलने का वीडियो शेयर किया है। दोनों देशों के बीच 12 दिन के युद्ध बड़े पैमाने पर एडवांस्ड

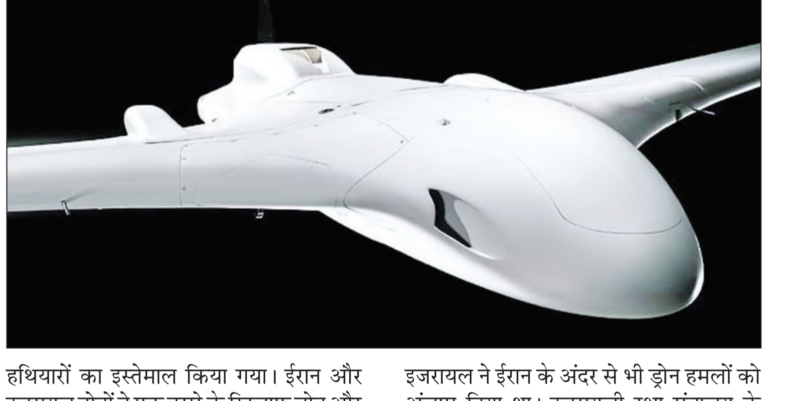

हथियारों का इस्तेमाल किया गया। ईरान और इजरायल दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ ड्रोन और मिसाइल दागे थे।

रिपोर्ट में कहा गया कि इजरायल के सैकड़ों महंगे ड्रोन भी ईरान के हाथ लग गए हैं। दरअसल इजरायल ने ईरान के अंदर से भी ड्रोन हमलों को अंजाम दिया था। इजरायली रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया कि बहुत सारे ड्रोन को इजरायल ने छोड़ दिया था, जो अब ईरान को मिल गए हैं। अब इजरायल के लिए सबसे बड़ा खतरा इन ड्रोन्स की रिवर्स इंजीनियरिंग है। रिवर्स इंजीनियरिंग का मतलब है किसी मशीन या टेक्नोलॉजी को खोलकर समझना और फिर उसी जैसी या उससे बेहतर चीज बनाना और इसके लिए न तो किसी लाइसेंस की जरूरत होती है, न ही कानूनी रोक।

ड्रोन को खोलकर उसके रडार, कैमरा सिस्टम, प्रोसेसर, मोटर और चिप्स की डिजाइनिंग समझी जा रही है। फिर कंप्यूटर सॉफ्टवेयर से उसकी डिजिटल मॉडलिंग होती है, जिसमें स्ट्रक्चर, क्षमता और उड़ान तकनीक का विश्लेषण किया जाता है। इसके बाद ईरान न सिर्फ उस ड्रोन की हूबहू नकल तैयार कर सकता है, बल्कि उससे ज्यादा घातक और आधुनिक ड्रोन भी बना सकता है। इतना ही नहीं इनके जरिए ड्रोन की कमजोरी को भी समझा जा सकता है। इससे भविष्य में होने वाले हमले को ईरान नाकाम कर सकता है। इजरायल का ऑर्बिटर 5, एक एडवांस्ड ड्रोन है, जो 25 घंटे से ज्यादा की उड़ान भर सकता है। 25 किलोग्राम पेलोड, और 75 किलोग्राम अधिकतम टेक-ऑफ वजन के साथ ड्रोनों जैसी क्षमताएं प्रदान करता है। यह खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें दोहरी एवियोनिक्स, कम शोर, और बहु-उपकरण क्षमता जैसे समुद्री रडार और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम शामिल हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजरायल ने 'हर्मीस' जैसे मीडियम रेंज ड्रोन तैनात किए थे, जो निगरानी और इंटेलिजेंस के लिए जाने जाते हैं। साथ ही, छोटे आकार के एफपीवी क्वाडकॉप्टर ड्रोन भी थे, जिनमें विस्फोटक लोड था और जो कुछ ही सेकंड में बड़ा नुकसान कर सकते हैं। ऐसे ड्रोन रूस-यूक्रेन युद्ध में भी खूब इस्तेमाल हो रहे हैं। अगर ईरान इन इजरायली ड्रोन की सटीक कॉपी बनाने में सफल हो जाता है, तो यह न सिर्फ इजरायल की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा होगा, बल्कि ईरान को सैन्य रणनीति में जबरदस्त बढ़त मिल जाएगी।

भारत का खिलौना उद्योग अब घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है : पीयूष गोयल

सरकार खिलौना क्षेत्र के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना शुरू करने की तैयारी में

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कभी आयात पर निर्भर रहने वाला भारत का खिलौना उद्योग अब घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है और 153 देशों को निर्यात कर रहा है। हाल ही में 16वें टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2025 को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि यह बदलाव लगातार नीतिगत समर्थन, गुणवत्ता मानकों के प्रवर्तन और लोकल मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर को मजबूत करने के माध्यम से संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के कार्यान्वयन ने भारत को गुणवत्ता के प्रति जागरूक देश बनाने में मदद की है और घरेलू खिलौना निर्माताओं को वैश्विक मानदंडों को पूरा करने में सक्षम बनाया है।

भारत की 1.4 बिलियन की आबादी एक विशाल कैप्टिव बाजार प्रदान करती है, जो मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए एक स्वाभाविक लाभ पैदा करती है। इस पैमाने के साथ, उद्योग लागत दक्षता प्राप्त कर सकता है और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बन सकता है। उन्होंने कहा कि बड़ा घरेलू बाजार न केवल विस्तार का समर्थन करता है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए आधार का काम भी करता है। उन्होंने बताया कि सरकार खिलौना क्षेत्र के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना शुरू करने की तैयारी में है। इस योजना का उद्देश्य भारतीय खिलौना निर्माताओं की डिजाइन क्षमताओं को बढ़ाकर, गुणवत्तापूर्ण मैन्युफैक्चरिंग सुनिश्चित कर, पैकेजिंग मजबूत कर और ब्रांड निर्माण को समर्थन देकर उन्हें विश्व स्तरीय बनने में मदद करना है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने वैश्विक बाजार में आगे आने के लिए उद्योग को अच्छी ब्रांडिंग, आकर्षक पैकेजिंग और मजबूत उत्पाद डिजाइन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

न्यूज ब्रीफ

टाटा पावर रिन्यूएबल ने लगाये 45,589 रूफ टॉप सोलर प्लांट

नई दिल्ली। टाटा पावर कंपनी लिमिटेड (टाटा पावर) की सहायक कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 416 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए 45,589 रूफ टॉप सौर ऊर्जा प्रणालियों की स्थापना की। देश की एक नंबर कंपनी होने का दावा करने वाली टीपीआरईएल ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। पिछले साल कंपनी ने इसी अवधि में 8,838 रुफटॉप सौर इंस्टॉलेशन लगाये थे। इस तरह कंपनी ने इस काम में साल-दर-साल 416 प्रतिशत की वृद्धि के साथ चमत्कारिक प्रदर्शन किया है।

पाकिस्तान में अजरबैजान ने दो अरब डॉलर के निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अजरबैजान ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में दो अरब डॉलर के निवेश के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के बीच अज़रबैजान द्वारा आयोजित आर्थिक सहयोग संगठन (ईसीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय बैठक के बाद हस्ताक्षर किए गए। दस्तावेज पर अज़रबैजान के खानकेंडी में विदेश मंत्री इशाक डार और अज़रबैजान के अर्थव्यवस्था मंत्री मिकायिल जब्बारोव ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान अलीयेव और शरीफ भी मौजूद रहे। एक खबर के मुताबिक दोनों देशों के बीच निवेश और व्यापार संबंधों को ऐतिहासिक स्तर पर ले जाने के लिए अज़री राष्ट्रपति की पाकिस्तान यात्रा के दौरान विस्तृत समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। अलीयेव की यात्रा की तारीखें अभी तक ज्ञात नहीं हैं, लेकिन सूत्रों ने कहा कि यह इस साल होगी। पाकिस्तान और अजरबैजान के बीच संबंधों में सुधार हुआ है और हाल ही में भारत के साथ हुए संघर्ष में भी पाकिस्तान ने उसका साथ दिया है।

ऋणदाता के डेट इंस्ट्रूमेंट के लिए 'एए प्लस' रेटिंग की पुष्टि की

नई दिल्ली। भारत का तेजी से विकास हो रहा है और वह मध्यम आय से उच्च आय वाली अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। केवल चुनिंदा दक्षिणपूर्वी एशियाई देश मसलन सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, ताइवान और दक्षिण कोरिया ने ही सफलतापूर्वक यह हासिल किया है। भारत के लिए टिकाऊ वृद्धि का अहम स्रोत डिजिटली मजबूत होने में है और इसके लिए मजबूत डेटा संरक्षण आवश्यक है। तेजी से उभरते टेक क्षेत्र और 108 यूनिकॉर्न के साथ भारत में प्रौद्योगिकी को अपनाने की प्रक्रिया तेज गति से चल रही है। ब्लॉकबस्टर एबीसीडी तकनीकों -आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, क्लाउड एडॉप्टेशन और डेटा एनालिटिक्स की परिवर्तनकारी क्षमताएं तो पूरी तरह निर्विवाद हैं और वे तेजी से हमारे रोजमर्रा के जीवन में पैठ बना रही हैं। अब हम अपने ऊपर एआई के प्रभाव को लेकर पहले की तरह लापरवाह नहीं रह सकते। चाहे बात खुदरा क्षेत्र की हो, अस्पतालों की, कृषि की या हमारी रक्षा प्रणालियों की। इसके बावजूद एक अहम चुनौती अभी तक अनसुलझी है और वह है डेटा संप्रभुता। तकनीक वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को निरंतर नया आकार दे रही है ऐसे में भारत को अपने विचारों को नए सिरे से सुसंगत बनाना होगा और इस बात को ध्यान में रखना होगा कि हमारा डिजिटल भविष्य सुनिश्चित करने का काम बाह्य संस्थाओं द्वारा नहीं तय होना चाहिए बल्कि उसकी बुनियाद सुरक्षित, संप्रभु और आत्मनिर्भर डेटा संचालन पर होनी चाहिए। नए व्यापारिक शुल्कों और पहलगाम जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सख्त सुरक्षा को देखते हुए डेटा सुरक्षा केवल नियामकीय चुनौती नहीं रह गई है।

भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों में बेच कर फंसी इटली की प्राडा ब्रांड

बॉम्बे हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर, माफी मांगने व मुआवजा देने की मांग

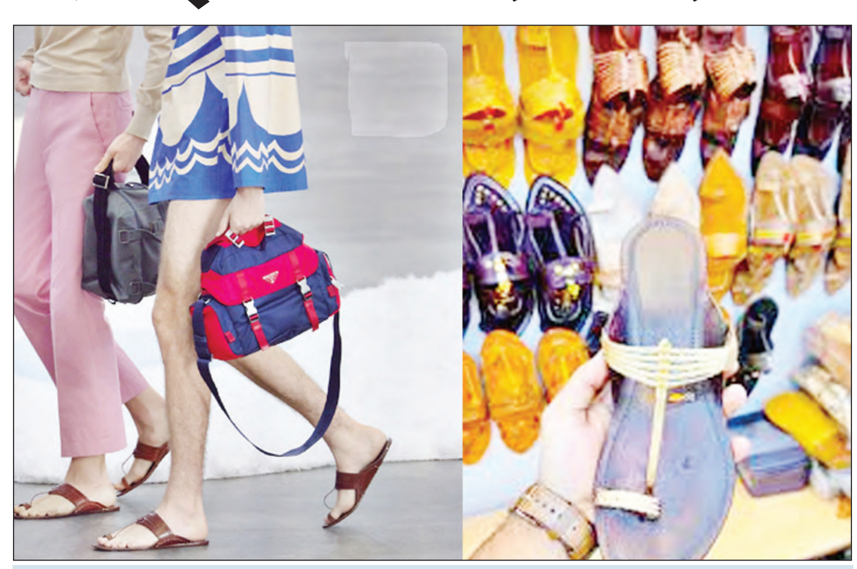

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों रुपए में बेच कर मुनाफा कमा रही इटली की फैशन लक्जरी ब्रांड फंस गई है। कोल्हापुरी चप्पलों के अनधिकृत इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए प्राडा के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में प्राडा पर भारतीय कारीगरों के डिजाइन की नकल करने का आरोप लगाया है और प्राडा से कारीगरों को मुआवजा देने के आदेश की मांग की गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला तब सुर्खियों में आया जब प्राडा ने हाल ही में अपने एक फैशन शो में अंगूठे वाली चप्पलों का कलेक्शन पेश किया। ऐसे एक जोड़ी चप्पल के लिए कंपनी ने एक लाख से सवा लाख रुपए तक कीमत वसूली। याचिका में कहा गया है कि प्राडा द्वारा प्रदर्शित चप्पलों का डिजाइन हूबहू कोल्हापुरी चप्पल से मिलता है। यह याचिका प्राडा समूह और महाराष्ट्र सरकार के कई अधिकारियों के खिलाफ दायर की गई है।

याचिका में प्राडा को बिना किसी अनुमति के इस चप्पल का व्यवसायीकरण और इस्तेमाल करने से रोके जाने की मांग की गई है। वहीं फैशन ब्रांड प्राडा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और कोल्हापुरी चप्पलों के इस्तेमाल की बात स्वीकार करने का निर्देश दिए जाने की भी अपील की गई है। याचिका में कहा गया है कि कोल्हापुरी चप्पल पहले से ही कानून के तहत जीआई के रूप में संरक्षित है। जनहित याचिका में कहा गया है कि कोर्ट प्राडा द्वारा अनधिकृत जीआई उपयोग पर स्थायी रोक लगाने और कारीगरों के समुदाय को प्रतिष्ठा और आर्थिक नुकसान के लिए मुआवजा दिए जाने का आदेश दे। इसमें जीआई-पंजीकृत मालिकों और कारीगरों के समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन करने के लिए प्राडा के खिलाफ जांच का अनुरोध किया गया है।

जनहित याचिका में कहा गया है कि प्राडा ने निजी तौर पर स्वीकार किया है कि उसका यह संग्रह भारतीय कारीगरों से प्रेरित है, लेकिन उसने अभी तक मूल कारीगरों से माफी नहीं मांगी या उन्हें मुआवजा नहीं दिया है। याचिका में कहा गया है कि निजी तौर पर स्वीकृति आलोचना से बचने का एक सतही प्रयास मात्र प्रतीत होता है। बता दें भारत में इस बात को लेकर विवाद बढ़ने के बाद प्राडा ने माना कि डिजाइन भारतीय हस्तनिर्मित चप्पल से 'प्रेरित' है। प्राडा ने कहा कि 'मेन्स 2026 फैशन शो' में जो सैंडल प्रदर्शित की गई वे अब भी डिजाइन चरण में हैं और रैंप पर मॉडलों द्वारा पहनी गई, किसी भी चप्पल के व्यावसायीकरण की पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कोल्हापुरी चप्पलें आमतौर पर महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सांगली, सतारा और सोलापुर के आसपास के जिलों में हाथ से बनाई जाती हैं। भारत में कोल्हापुरी चप्पलों का निर्माण 12वीं या 13वीं शताब्दी से चल रहा है।

एलआईसी ने पेश की दो नई योजनाएं

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने ग्राहकों के लिए दो नई योजनाएं लॉन्च की हैं — नव जीवन श्री (प्लान 912) और नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम (प्लान 911)। ये योजनाएं बचत और जीवन बीमा का संतुलित मिश्रण प्रदान करती हैं, जिससे वित्तीय सुरक्षा और भविष्य के लिए मजबूत फंड तैयार किया जा सके। नव जीवन श्री योजना विशेष रूप से युवा पीढ़ी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है, जो बचत के साथ परिवार को जीवन बीमा सुरक्षा भी देती है। वहीं नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम योजना उन निवेशकों के लिए है जो एक बार में बड़ी राशि निवेश कर फंड बनाना चाहते हैं। एलआईसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इन योजनाओं को लॉन्च किया। ये योजनाएं शिक्षा, विवाह, घर खरीदना और रिटायरमेंट जैसे महत्वपूर्ण जीवन लक्ष्यों के लिए आर्थिक मदद प्रदान करेंगी और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करेंगी।

ग्रामीण बाजारों में मांग तेज, एफएमसीजी कंपनियों को दिखी बिक्री में मजबूती

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। **देश की प्रमुख एफएमसीजी (दैनिक उपभोक्ता वस्तुएं) कंपनियों ने अप्रैल-जून तिमाही के लिए निवेशकों को अपने प्रारंभिक अपडेट में बताया है कि वॉल्यूम ग्रोथ में तिमाही आधार पर सुधार देखा गया है। खासतौर पर ग्रामीण बाजारों में मांग धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। हालांकि कुछ कंपनियों को चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा है। डाबर इंडिया ने बताया कि इस तिमाही में वॉल्यूम ग्रोथ में वृद्धि हुई है, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में।**

मॉनसून के जल्दी आने से गर्मी से जुड़े उत्पादों की मांग प्रभावित

लेकिन मॉनसून के जल्दी आने से गर्मी से जुड़े उत्पादों की मांग प्रभावित हुई और पेय पदार्थों की बिक्री में गिरावट आई। इसके चलते समेकित राजस्व में केवल एकल अंक में वृद्धि की उम्मीद है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने वॉल्यूम ग्रोथ को प्रतिस्पर्धी बताया और कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में दो अंकों की एबिटा वृद्धि की उम्मीद है। मैरिको ने कहा कि उसकी वॉल्यूम ग्रोथ कई तिमाहियों के उच्च स्तर पर पहुंची है। ग्रामीण बाजारों में सुधार और शहरी मांग की स्थिरता इसके पीछे मुख्य कारण हैं। कंपनी को महंगाई में कमी और बेहतर मॉनसून से आगे भी सकारात्मक रुझानों की उम्मीद है। हालांकि, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस ने बताया कि कमजोर उपभोक्ता मांग ने इस तिमाही में दबाव डाला है, हालांकि चावल व्यवसाय में रणनीतिक मजबूती देखने को मिली है। कुल मिलाकर, एफएमसीजी क्षेत्र में मांग में स्थिर सुधार दिख रहा है, लेकिन मौसमी बदलावों और उपभोक्ता व्यवहार में उतार-चढ़ाव कंपनियों के प्रदर्शन को प्रभावित कर रहे हैं।

एचडीएफसी बैंक की पहली तिमाही में जमा राशि 16 फीसदी बढ़ी

वित्त वर्ष 26 की अप्रैल-जून तिमाही में एचडीएफसी बैंक ने सालाना आधार पर 16.2 वृद्धि के साथ 27.64 लाख करोड़ रुपये की राशि जमा की। देश के सबसे बड़े इस निजी बैंक की जमा दर उद्योग से 500-600 आधार अंक अधिक रही। एचडीएफसी बैंक में जमा राशि क्रमिक आधार पर 1.8 प्रतिशत बढ़ी। भारतीय रिजर्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 13 जून को समाप्त पखवाड़े में प्रणाली में ऋण वृद्धि सालाना आधार पर 9.6 प्रतिशत बढ़ी। एचडीएफसी बैंक में जमा राशि क्रमिक आधार पर 1.8 प्रतिशत बढ़ी इसी अवधि के दौरान जमा वृद्धि सालाना आधार पर 10.4 प्रतिशत रही और यह ऋण वृद्धि से अधिक रही। एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 49,300 करोड़ रुपये की राशि जुटाई थी। इस बैंक ने वित्त वर्ष 25 में 3.35 लाख करोड़ रुपये की जमा राशि जुटाई थी। इस क्रम में बैंक ने वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 1.5 लाख करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में 63,500 करोड़ और वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में 1.2 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे। आईडीबीआई बैंक ने शुक्रवार को जानकारी दी कि वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में शुद्ध ऋण 9 प्रतिशत बढ़कर 2.12 करो़ड़ रुपये हो गया जबकि इस अवधि में जमा राशि 7 प्रतिशत बढ़कर 2.97 लाख करोड़ रुपये हो गई।

सरकार ने उपभोक्ताओं से बीआईएस प्रमाणित हेलमेट के उपयोग का आग्रह किया

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। **केंद्र सरकार ने सड़क सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए शनिवार को देशभर के उपभोक्ताओं से केवल भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रमाणित हेलमेट के उपयोग की अपील की। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत हेलमेट पहनना अनिवार्य है।**

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बीआईएस प्रमाणीकरण के बिना हेलमेट के निर्माण या बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आह्वान किया। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक भारत में सड़कों पर 21 करोड़ से ज़्यादा दोपहिया वाहन हैं। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत हेलमेट पहनना अनिवार्य है, लेकिन इसकी प्रभावशीलता गुणवत्ता पर निर्भर करती है। घटिया हेलमेट सुरक्षा से समझौता करते हैं और अपने उद्देश्य को विफल करते हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने वित्त वर्ष 2024-25 में 500 से ज्यादा हेलमेटों का परीक्षण करते हुए 30 से अधिक तलाशी और जब्ती अभियान चलाए।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने नई दिल्ली में नौ निर्माताओं से 2,500 गैर-अनुपालन वाले हेलमेट जब्त किए गए, जिनके लाइसेंस समाप्त हो चुके हैं या रद्द कर दिए गए हैं। घटिया हेलमेट सुरक्षा से समझौता करते हैं और अपने उद्देश्य को विफल करते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए, 2021 से एक गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू किया गया है, जिसके तहत सभी दोपहिया सवारों के लिए बीआईएस मानकों (ह्रुस 4151:2015) के तहत प्रमाणित आईएसआई -चिह्नित हेलमेट पहनना अनिवार्य है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस को डीजीसीए की फटकार, इंजन रिकॉर्ड में हेराफेरी का मामला

नई दिल्ली, 05 जुलाई (एजेंसियां)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया एक्सप्रेस को एयरबस ए320 विमान के इंजन से जुड़े सुरक्षा मानकों के उल्लंघन और रिकॉर्ड में हेराफेरी के लिए कड़ी फटकार लगाई है। मार्च में जारी किए गए एक गोपनीय सरकारी ज्ञापन से यह जानकारी सामने आई है। डीजीसीए की जांच में पता चला कि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी के निर्देशों के तहत सीएफएम इंटरनैशनल लीप-1 इंजन के महत्वपूर्ण पुर्जों को तय समय पर नहीं बदला। इन निर्देशों में पुर्जों की समयबद्ध मरम्मत और बदलाव की सख्त शर्तें थीं, ताकि उड़ान की सुरक्षा बनी रहे। डीजीसीए ने पाया कि एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस एंड इंजीनियरिंग ऑपरेटिंग सिस्टम में रिकॉर्ड बदलकर यह दर्शाया गया कि आवश्यक कार्य समय पर किया गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी गलती स्वीकार की है और सुधारात्मक तथा निवारक कदम उठाने की बात कही है। यह मामला जून में अहमदाबाद में हुए एक भीषण विमान

हादसे के बाद सामने आया है, जिसमें 242 में से 241 यात्रियों की मौत हो गई थी। उस हादसे के बाद से एयर इंडिया की सुरक्षा और संचालन प्रक्रियाओं की व्यापक जांच चल रही है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास 115 से अधिक विमान हैं और यह 50 से ज्यादा गंतव्यों के लिए प्रतिदिन 500 उड़ानें संचालित करती है। यह मामला भारतीय विमानन क्षेत्र में सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर गहरी चिंता पैदा करता है।

इंडसइंड बैंक को इंडिया रेटिंग्स से राहत, लेकिन निगेटिव आउटलुक बरकरार

नई दिल्ली। इंडिया रेटिंग्स ने निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक को रेटिंग वॉच विद नेगेटिव इंप्लीकेशंस दर्जे से हटा दिया है व ऋणदाता के डेट इंस्ट्रूमेंट के लिए 'एए प्लस' रेटिंग की पुष्टि की है। रेटिंग एजेंसी ने इन इंस्ट्रूमेंट्स पर नकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखा है, जो वित्त वर्ष 2025 में बैंक द्वारा कुल 4,920 करोड़ रुपये की कई अकाउंटिंग विसंगतियों और कमजोर आंतरिक नियंत्रण की रिपोर्टिंग से उत्पन्न चिंताओं को दर्शाता है। ऋणदाता के डेट इंस्ट्रूमेंट के लिए 'एए प्लस' रेटिंग की पुष्टि की इंडिया रेटिंग्स ने 20 मार्च, 2025 को डेट इंस्ट्रूमेंट्स को 'रेटिंग वॉच विथ नेगेटिव इंप्लीकेशंस' पर रखा था, क्योंकि बैंक ने अपने डेरिवेटिव खाते की बैलेंस पोर्टफोलियो में विसंगतियों और इसकी कुल संपत्ति पर इसके प्रतिकूल प्रभाव के बारे में खुलासे किए थे। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के परिणाम घोषित करते हुए बैंक प्रबंधन ने कहा था कि उसने अनियमितताओं के लिए सक्रियता से वृद्धिशील प्रावधान किए हैं और कॉर्पोरेट बुक में रन-डाउन से 62,000 करोड़ रुपये नकदी का प्रावधन किया गया है। इससे तत्काल कोई कम अवधि के लिए नकदी की जरूरत नहीं होगी, लेकिन फ्रैंचाइज की स्थिरता को लेकर निकट से लेकर मध्यावधि तक चिंता जारी रहेगी।

इंडिया ए पुरुष हॉकी टीम यूरोप दौरे के लिए नीदरलैंड रवाना, 8 जुलाई को आयरलैंड से पहला मुकाबला

बेंगलूरू,05 जुलाई (एजेंसियां)।

इंडिया ए पुरुष हॉकी टीम शनिवार सुबह यूरोप दौरे के लिए नीदरलैंड के आइंडहोवन रवाना हो गई। यह दौरा 8 जुलाई से 20 जुलाई 2025 तक चलेगा, जिसमें टीम कुल 8 मुकाबले खेलेगी।

कप्तान संजय और उप-कप्तान मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह के नेतृत्व में भारत की यह टीम आयरलैंड, फ्रांस, नीदरलैंड, इंग्लैंड और बेल्जियम जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ मुकाबले खेलेगी।

इस दौरे में इंडिया ए की टीम आइंडहोवन (नीदरलैंड) में आयरलैंड, फ्रांस और नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मुकाबले खेलेगी। इसके अलावा टीम एक-एक मुकाबला एम्सटेलवीन (नीदरलैंड) में इंग्लैंड और एंटवर्प (बेल्जियम) में बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी।

यह दौरा टीम इंडिया की बेंच स्ट्रेंथ को मजबूत करने और भविष्य के लिए खिलाड़ियों की तैयारियों को परखने का एक बड़ा मौका माना जा रहा है। कप्तान संजय ने कहा,यह दौरा हमारे लिए अपनी ताकत और कमजोरियों को परखने का बेहतरीन मंच होगा। टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है, और हमें कड़ी प्रतिस्पर्धा मिलेगी जो हमें समझने में मदद करेगी कि हम कहां खड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय अनुभव से हमारी मुख्य टीम भी भविष्य में और मजबूत होगी।

वहीं उप-कप्तान मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह ने कहा,यह दौरा हमें यूरोपीय टीमों के खिलाफ खेलने की तीव्रता और अलग अंदाज को समझने में मदद करेगा। खासकर युवा खिलाड़ियों के लिए यह अनुभव बेहद उपयोगी होगा जो भारतीय स्तर पर ऐसी रफ्तार और चुनौती से कम ही रूबरू होते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि यह अनुभव हमें और आने वाली पीढ़ी को आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार करेगा।

हॉकी इंडिया का उद्देश्य इस दौरे के माध्यम से भारतीय सीनियर टीम के लिए एक मजबूत टैलेंट पूल तैयार करना और युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करना है।

इंडिया ए का पहला मुकाबला 8 जुलाई को रात 9:30 बजे (भारतीय समयानुसार) आयरलैंड के खिलाफ खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

हरिद्वार की बेटी संगीता राणा जापान के हिमेजी में करेंगी स्वर्ण पदक की दावेदारी

हरिद्वार। हरिद्वार की अंतर्राष्ट्रीय पावरलिफ्टर संगीता राणा ने तड़के जापान के हिमेजी शहर की धरती पर कदम रखे, जहां वे एशियन-अफ्रीकन-पैसिफिक मास्टर्स एंड क्लासिक पावरलिफ्टिंग एंड बेंच प्रेस चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। वे मास्टर-1 डिवीजन (69 किलोग्राम भार वर्ग) की क्लासिक व इक्विप्ड स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदकों के लिए मजबूत दावेदारी पेश करेंगी। अरुण कुमार पाठक ने बताया कि वर्ष 2023 में उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रतिष्ठित तीलू रौतेली सम्मान और सुषमा स्वराज एवार्ड से सम्मानित संगीता राणा ने सेंट पीटर्सबर्ग (रूस) में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में तीन पदक और अलमाटी (कजाखस्तान) में विश्वकप पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते हैं।

भारत के खिलाफ बचे हुए टी20 मैचों से बाहर हुईं नेट स्किवर-ब्रंट, टैमी ब्यूमोंट होंगी कप्तान

लंदन। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। कप्तान नेट स्किवर-ब्रंट को बाएं ग्रोइन (जांघ) में चोट के कारण भारत के खिलाफ चल रही विटैलिटी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ के बचे हुए मैचों से बाहर होना पड़ा है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। ईसीबी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, स्कैन से पुष्टि हुई है कि नेट स्किवर-ब्रंट ब्रिस्टल में लगी बाईं जांघ की चोट के कारण भारत के खिलाफ बाकी टी20 मैचों में नहीं खेल सकेंगी। उनकी जगह स्क्वॉड में माया बाउचर को शामिल किया गया है।

शुभमन गिल की रिकॉर्ड तोड़ बैटिंग के बाद तेज गेंदबाजों का जलवा, टीम इंडिया की मुट्ठी में बर्मिंघम टेस्ट

बर्मिंघम,05 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट के चौथे दिन शनिवार को अंतिम सत्र में भारत ने अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 427 रन बनाकर घोषित कर दी। पहली पारी के आधार पर मिले 180 रन की बढ़त की मदद से भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 608 रन का लक्ष्य दिया है। टीम इंडिया के लिए दूसरी पारी में भी शुभमन गिल ने शतक लगाया। वहीं रविंद्र जडेजा के साथ ही ऋषभ पंत और केएल राहुल ने फिफ्टी ठोकी। इंग्लैंड ने चौथे दिन के स्टंप तक 3 विकेट पर 72 रन बना लिए हैं। भारत को आखिरी दिन जीत के लिए 7 विकेट और इंग्लैंड को 536 रन चाहिए।

चौथी पारी में इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। दूसरे ही ओवर में मोहम्मद सिराज ने जैक क्राउली को आउट कर दिया। वह खाता भी नहीं खोल पाए। हालांकि बेन डकेट तेजी से रन बना रहे थे। आकाश दीप ने बोल्ड कर उनकी पारी का अंत किया। 15 गेंद पर क्राउली ने 25 रन बनाए। आकाश दीप ने ही जो रूट को आउट कर भारत को सबसे बड़ा विकेट दिलाया। आगे की गेंद पर रूट बोल्ड हो गए। स्टंप के समय ओली पोप 24 और हैरी ब्रूक 15 रन बनाकर नाबाद हैं।भारत ने दिन की शुरुआत एक विकेट के नुकसान पर 64 रन से की थी। करुण नायर 26 और केएल राहुल 55 रन बनाकर आउट हुए। भारत ने अपने तीन विकेट 126 रन के स्कोर पर गंवा दिए थे। इसके बाद शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने चौथे विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी की। ऋषभ पंत ने 58 गेंद पर आठ चौके और तीन छक्के लगाते हुए 65 रन की पारी खेली। पंत का विकेट 236 के स्कोर पर गिरा।कप्तान शुभमन गिल ने जडेजा के साथ पांचवें विकेट के लिए 175 रन की साझेदारी की। पहली पारी में दोहरा शतक लगाने वाले गिल ने दूसरी पारी में भी बेहतरीन शतक लगाया। गिल 162 गेंद में आठ छक्के और 13 चौके की मदद से 161 रन की पारी खेली। पहली पारी में गिल ने 269 रन बनाए थे। मैच में उनके कुल 430 रन हो गए। वह एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। इसके साथ ही एक ही टेस्ट में दोहरा शतक के साथ 150 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज हैं।

शुभमन गिल पांचवें विकेट के रूप में तब आउट हुए जब भारत का स्कोर 411 रन था। नीतीश रेड्डी जल्द ही एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद आए वाशिंगटन सुंदर ने सात गेंद में एक छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 12 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 118 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 69 रन बनाकर नाबाद रहे। जडेजा ने पिछली पारी में भी 89 रन बनाए थे। भारत ने पहली पारी में 587 रन बनाए थे और इंग्लैंड को 407 रन पर समेट कर 180 रन की लीड ली थी। इसी बढ़त के आधार पर इंग्लैंड को जीत के लिए 608 रन का लक्ष्य मिला है।

दीप्ति शर्मा बनीं महिला टी 20 आई में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज़

नई दिल्ली,05 जुलाई (एजेंसियां)। लंदन के द ओवल में शुक्रवार को इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ खेले गए तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान भारत की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इतिहास रच दिया। उन्होंने अपने करियर का 144वां विकेट लेकर महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज़ बनने का गौरव हासिल किया।

इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान की पूर्व कप्तान निदा डार की बराबरी भी कर ली। महिला टी20आई में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की पूर्व तेज गेंदबाज़ मेगन शट के नाम है, जिन्होंने 151 विकेट लिए हैं।दीप्ति शर्मा महिला टी20आई में 100 विकेट लेने वाली पहली भारतीय गेंदबाज़ भी हैं। अब उनके बाद राधा यादव इस सूची में शामिल होने वाली दूसरी भारतीय गेंदबाज़ बन गई हैं, जिन्होंने इस मैच में इंग्लैंड की स्टैंड-इन कप्तान टैमी ब्यूमोंट को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की।

पाकिस्तान के निदा डार की बराबरी की

27 वर्षीय दीप्ति ने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने अपने पहले चार ओवर के स्पेल में 19 रन देकर एक विकेट लिया था। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी प्रदर्शन 4 विकेट पर 10 रन है, जो उन्होंने नवंबर 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हासिल किया था।

महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज़:

- 1. मेगन शट (ऑस्ट्रेलिया) - 151 विकेट
- 2. दीप्ति शर्मा (भारत) - 144 विकेट *
- 3. निदा डार (पाकिस्तान) - 144 विकेट
- 4. सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड) - 138 विकेट
- 5. हेनरिएटे इशिम्वे (रवांडा) - 132 विकेट।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इस साल भारत...

जबकि यूनाइटेड किंगडम और सऊदी अरब ने क्रमशः 10.8 प्रतिशत और 6.7 प्रतिशत का योगदान दिया।यह आंकड़ा धन प्रेषण की गतिशीलता में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। ऐतिहासिक रूप से, यूएई और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों से आने वाले धन का वर्चस्व रहा है। यह धन मुख्य रूप से निर्माण और सेवा क्षेत्रों में काम करने वाले भारतीयों के जरिए आता रहा है। पश्चिमी अर्थव्यवस्था खास तौर पर प्रौद्योगिकी, वित्त और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भारतीयों की बढ़ती पेशेवर हिस्सेदारी के कारण खाड़ी देशों से होने वाले धन प्रेषण के ट्रेंड को प्रभावित किया है। विश्व बैंक ने 2024 कैलेंडर वर्ष के लिए भारत को शीर्ष धन-प्रेषण प्राप्त करने वाले देश के रूप में स्थान दिया है। विश्व बैंक का अनुमान है कि भारत में विदेशों से 129 बिलियन डॉलर धन भेजा गया। भारत के बाद मेक्सिको (डॉलर 68 बिलियन), चीन (डॉलर 48 बिलियन), फिलीपींस (डॉलर 40 बिलियन) और पाकिस्तान (डॉलर 33 बिलियन) का स्थान है। यानि, भारत का परफॉर्मेंस कहीं ऊपर और कहीं अधिक है।

धन प्रेषण केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं है, बल्कि एक सामाजिक और विकासात्मक जीवन रेखा भी है। वे खासकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में घरेलू आय, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और छोटे पैमाने के निवेश में महत्वपूर्ण रूप से योगदान करते हैं। आरबीआई और विश्व बैंक के अध्ययनों के अनुसार, प्रवासी भारतीयों द्वारा भारत भेजा जाने वाला धन प्राप्तकर्ता परिवारों को बेहतर जीवन स्तर, उच्च स्तर का वित्तीय समावेशन और अधिक स्थिर उपभोग संतुलन की स्थितियां देता है।धन प्रेषण में वृद्धि का एक मुख्य कारण अत्यधिक कुशल श्रमिकों का विकसित अर्थव्यवस्थाओं की ओर पलायन है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री गौरा सेनगुप्ता का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी के बावजूद धन प्रेषण में मजबूत वृद्धि जारी रही है। तेल की कीमतों के रुझान ने पहले खाड़ी-आधारित धन प्रेषण को प्रभावित किया था। लेकिन बाद में कुशल श्रमिकों की अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और सिंगापुर जैसे देशों में बढ़ी हिस्सेदारी के कारण यह उधर शिफ्ट हुआ है। यह प्रवृत्ति भारत की विस्तारित उच्च शिक्षा प्रणाली और आईटी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा और शिक्षा जगत में भारतीय पेशेवरों की बढ़ती मांग से प्रेरित है। भारतीय मूल के कामगारों को उच्च वेतन वाली भूमिकाओं में रोजगार मिल रहा है, जिसका अर्थ है कि उनके देश यानि भारत में धन का प्रवाह अधिक और नियमित हो रहा है।

अमेरिका जैसे देशों में हो रहा नीतिगत बदलाव भारत में होने वाले धन प्रेषण के उछाल में ब्रेक लगा सकता है। यह बदलाव भविष्य में होने वाले धन-प्रवाह को कम कर सकता है। 1 जुलाई को अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट को पारित कर दिया, जो एक व्यापक राजकोषीय और कराधान पैकेज है। इसके कई प्रावधानों में गैर-नागरिकों द्वारा किए गए सभी विदेशी धन हस्तांतरण पर एक विवादास्पद नया 1 प्रतिशत कर शामिल है। यह धन-प्रेषण कर नकद, मनीऑर्डर और कैशियर चेक के माध्यम से किए गए हस्तांतरण पर लागू होगा, जिससे लाखों अप्रवासी श्रमिकों पर लागत का बोझ बढ़ सकता है। यह कर कम और मध्यम आय वाले लोगों को अनुचित रूप से दंडित करेगा, है जिनके परिवार मूल देशों में रहते हैं और वे बाहर से आने वाले धन पर ही निर्भर हैं।नया कर भारतीय प्रवासियों को, खास तौर पर एच-1-बी या छात्र/कार्य परमिट जैसे अस्थायी वीजा पर अमेरिका में काम करने वाले लोगों को, असंगत रूप से प्रभावित कर सकता है। मामूली कर भी धन प्रेषण की मात्रा में महत्वपूर्ण कमी ला सकता है। यह हवाला जैसे अनौपचारिक और गैरकानूनी चैनलों को बढ़ावा देने वाला भी साबित हो सकता है। अमेरिका के अलावा, अन्य देश भी अपनी आव्रजन और राजकोषीय नीतियों का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं, जो धन प्रेषण प्रवाह को प्रभावित कर सकता है। ब्रिटेन ने परिवार के पुनर्मिलन के लिए नए वीजा प्रतिबंध लागू किए हैं, जबकि सिंगापुर विदेशी पेशेवरों के लिए नियमों को सख्त कर रहा है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक अनिश्चितताएं मुद्रास्फीति, भू-राजनीतिक तनाव और धीमी वृद्धि प्रवासी समुदायों की आय को और कम कर सकती हैं।

आरबीआई ने इन जोखिमों को स्वीकार करते हुए कहा है कि धन प्रेषण प्रवाह बाहरी देशों की रोजगार स्थितियों, विनिमय दर में उतार-चढ़ाव और विनियामक परिवर्तनों के प्रति संवेदनशील है। वैश्विक मंदी या आव्रजन नीति में बड़ा बदलाव भारत की धन प्रेषण प्राप्तियों में लगातार वृद्धि को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। भविष्य में होने वाली बाधाओं से निपटने के लिए, भारतीय नीति निर्माता अब धन प्रेषण पारिस्थितिकी तंत्र को औपचारिक और मजबूत बनाने पर विचार कर रहे हैं। इन पहलों में लेनदेन लागत को कम करना, डिजिटल मनी ट्रांसफर इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना और भारतीय प्रवासी श्रमिकों के अधिकारों और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए विदेशी सरकारों के साथ साझेदारी करना शामिल है।विदेश मंत्रालय और वित्त मंत्रालय भी हाल ही में हुए नियामकीय बदलावों पर चिंताओं को दूर करने के लिए अमेरिका और खाड़ी देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं। इसके अलावा, यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका में उभरते गलियारों को लक्षित करते हुए धन प्रेषण प्रवाह विविधीकरण पर रणनीतिक बचाव के रूप में चर्चा की जा रही है। भारत में प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजी गई 135.46 बिलियन डॉलर की रिकॉर्ड तोड़ रकम भारतीय प्रवासी कार्यबल की आर्थिक मजबूती और विदेशों में कुशल श्रमिकों के बढ़ते मूल्य को दर्शाती है।हालांकि, मेजबान देशों में प्रतिबंधात्मक राजकोषीय नीतियों की बढ़ती लहर एक वास्तविक और आसन्न चुनौती पेश करती है। चूंकि भारत इस महत्वपूर्ण राजस्व धारा को बनाए रखने और बढ़ाने का प्रयास कर रहा है, इसलिए उसे रणनीतिक दूरदर्शिता, मजबूत कूटनीति और सक्रिय नीति सुधारों के साथ बदलते वैश्विक परिदृश्य को नेविगेट करना होगा। धन प्रेषण में उछाल, प्रभावशाली है, लेकिन इसे दीर्घजीवी बनाने की दिशा में भारत सरकार को प्रभावी योजना पर काम करना चाहिए।

लोकतंत्र राजनीतिक...

जिसमें संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया।उन्होंने कहा, आज सुबह राष्ट्रपति क्रिस्टीन कंगालू ने मुझे देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो से सम्मानित किया। मैं इसे 1.4 अरब भारतीयों की ओर से विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपने विकास को दूसरों के प्रति जिम्मेदारी के रूप में देखता है। इसी भावना के साथ हम त्रिनिदाद और टोबैगो के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहे हैं। हमारा व्यापार बढ़ता रहेगा। हम व्यवसायों को इस देश में और अधिक निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। हमारी विकास साझेदारी का विस्तार होगा।पीएम ने कहा, इस महान राष्ट्र के लोगों ने दो उल्लेखनीय महिला नेताओं को चुना है, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री। वे गर्व से खुद को प्रवासी भारतीयों की बेटियां कहती हैं। उन्हें अपनी भारतीय विरासत पर गर्व है। हमारे दोनों राष्ट्र औपनिवेशिक शासन की छाया से ऊपर उठे और साहस को अपनी स्याही और लोकतंत्र को अपनी कलम बनाकर अपनी कहानियां लिखीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं इस सदन में इतनी सारी महिला सदस्यों को देखकर प्रसन्न हूं। महिलाओं के प्रति सम्मान भारतीय संस्कृति में गहराई से निहित है। हमारे महत्वपूर्ण पवित्र ग्रंथों में से एक स्कंद पुराण में कहा गया है कि एक बेटी दस बेटों के बराबर खुशी लाती है।अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने त्रिनिदाद की प्रधानममंत्री कमला बिसेसर को भी अपने एक पेड़ मां के नाम अभियान में शामिल किया। दोनों ने एक पेड़ लगा कर पृथ्वी को हरबार और आने वाली पीढ़ी के लिए बेहतर कल की कामना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की त्रिनिदाद और टोबैगो की यात्रा के अवसर पर पीएम मोदी को सोहारी पत्ते पर खाना परोसा गया। इस मौके की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर द्वारा आयोजित रात्रिभोज में सोहारी पत्ते पर भोजन परोसा गया। इसका त्रिनिदाद और टोबैगो के लोगों, खासकर भारतीय मूल के लोगों के लिए सांस्कृतिक महत्व है। यहां, त्यौहारों और अन्य विशेष कार्यक्रमों के दौरान अक्सर इस पत्ते पर भोजन परोसा जाता है।भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बीच छह अहम समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और त्रिनिदाद एंड टोबैगो की पीएम कमला प्रसाद बिसेसर के बीच हुई मुलाकात के बाद दोनों देश बुनियादी ढांचे के विकास, फार्मास्यूटिकल और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। शुक्रवार को दोनों नेताओं की मुलाकात हुई। दोनों देशों में कृषि, स्वास्थ्य, डिजिटल बदलाव, यूपीआई जैसे क्षेत्रों में भी क्षमता निर्माण को लेकर बात हुई।विदेश मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद और टोबैगो की ऐतिहासिक यात्रा ने देशों के बीच विशेष संबंधों को बढ़ावा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी अपने पांच देशों के दौरे के दूसरे चरण में गुरुवार को पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे। यह 1999 के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस कैरेबियाई राष्ट्र की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। द्विपक्षीय स्तर की बातचीत के दौरान त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर ने कहा कि पीएम मोदी के इस दौरे से दोनों देशों के बीच के गहरे द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे। पहलगाम आतंकी हमले के दौरान भारत का समर्थन करने के लिए भी पीएम मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो की तारीफ की। प्रधानमंत्री मोदी ने पोर्ट ऑफ स्पेन में त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से भी मुलाकात की।छह सहमति पत्रों से भारत और त्रिनिदाद और टोबैगो के बीच फार्माकोपिया, त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाएं, संस्कृति, खेल और कूटनीतिक प्रशिक्षण के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा। त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को ओसीआई (भारत की विदेशी नागरिकता) कार्ड की पेशकश सहित द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं की गईं। पीएम मोदी और कमला प्रसाद बिसेसर की मुलाकात में भारत-कैरिकॉम साझेदारी को मजबूत करने पर भी सहमति बनी। कैरिकॉम, कैरेबियाई क्षेत्र के 15 सदस्य देशों का एक अंतर सरकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य आर्थिक एकीकरण और सहयोग को बढ़ावा देना है।त्रिनिदाद एवं टोबैगो की यात्रा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने विदेश दौरे के तीसरे चरण में दक्षिण अमेरिकी देश अर्जेंटीना पहुंचे। अर्जेंटीना में पीएम मोदी का स्वागत भारत माता की जय, जय श्री राम के उद्घोष के साथ हुआ। प्रधानमंत्री ब्यूनस आयर्स के होटल पहुंचे, जहां भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात की।

वक्फ सम्पत्तियों ...

कोर्ट ने वक्फ-बाय-यूजर की अवधारणा, गैर-मुस्लिमों को वक्फ बोर्ड में शामिल करने, और कलेक्टर की शक्तियों जैसे मुद्दों पर गौर किया। केंद्र सरकार ने कोर्ट में दलील दी कि यह कानून वक्फ सम्पत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वक्फ इस्लाम का हिस्सा हो सकता है, लेकिन यह धार्मिक अनिवार्यता नहीं है, और कानून केवल प्रशासनिक सुधारों पर केंद्रित है।याचिकाकर्ताओं ने वक्फ-बाय-यूजर की अवधारणा हटाने और गैर-मुस्लिमों को वक्फ बोर्ड में शामिल करने जैसे प्रावधानों को संविधान के अनुच्छेद 26 का उल्लंघन बताया। केंद्र ने जवाब में कहा कि गैर-मुस्लिमों की भागीदारी समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाती है और धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं करती। नए नियमों के साथ वक्फ सम्पत्तियों का डिजिटल प्रबंधन शुरू हो चुका है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का आगामी फैसला इस कानून के भविष्य को तय करेगा। कोर्ट ने अंतरिम आदेश में स्पष्ट किया है कि अगली सुनवाई तक वक्फ सम्पत्तियों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं होगा।

फिर साथ आए...

इसका जश्न मनाने के लिए दोनों दलों ने इस रैली का आयोजन किया।राज ठाकरे ने कहा, मंत्री दादा भुसे मेरे पास आए और मुझसे उनकी बात सुनने का अनुरोध किया, मैंने उनसे कहा कि मैं आपकी बात सुनूंगा, लेकिन मैं राजी नहीं होऊंगा। मैंने उनसे पूछा कि उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान के लिए तीसरी भाषा क्या होगी। सभी हिंदी भाषी राज्य हमसे पीछे हैं और हम सभी हिंदी भाषी राज्यों से आगे हैं, फिर भी हमें हिंदी सीखने के लिए मजबूर किया जा रहा है। क्यों? राज ठाकरे ने कहा, मुझे हिंदी से कोई आपत्ति नहीं है, कोई भी भाषा बुरी नहीं होती। भाषा बनाने के लिए बहुत प्रयास करने पड़ते हैं। मराठा साम्राज्य के दौरान हम मराठी लोगों ने बहुत से राज्यों पर शासन किया, लेकिन हमने उन हिस्सों पर कभी मराठी नहीं थोपी। उन्होंने हम पर हिंदी थोपने का प्रयोग शुरू किया और यह परखने की कोशिश कर रहे थे कि अगर हम इसका विरोध नहीं करते तो वे मुंबई को महाराष्ट्र से अलग कर देते।राज ठाकरे ने कहा, वे कहते हैं कि हमारे बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़े हैं। तो क्या हुआ? दादा भुसे मराठी स्कूलों में पढ़े और मंत्री बने। देवेंद्र फडणवीस अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में पढ़े और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने। तो क्या हुआ? मैं आपको बता दूं कि मैंने मराठी स्कूल में पढ़ाई की है, लेकिन मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे और चाचा बालासाहेब ठाकरे अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में पढ़े थे। क्या कोई उनके मराठी प्रेम पर सवाल उठा सकता है? कल मैं हिब्रू भी सीखूंगा। क्या कोई मेरे मराठी गर्व पर सवाल उठाएगा? राज ठाकरे ने कहा, चाहे गुजराती हो या कोई और, उसे मराठी आनी चाहिए, लेकिन अगर कोई मराठी नहीं बोलता तो उसे पीटने की जरूरत नहीं है। लेकिन अगर कोई बेकार का ड्रामा करता है तो आपको उसके कान के नीचे मारना चाहिए। मैं आपको एक और बात बताता हूं, अगर आप किसी को पीटते हैं, तो घटना का वीडियो न बनाएं। पीटे गए व्यक्ति को बताएं कि उसे पीटा गया है, आपको हर किसी को यह बताने की जरूरत नहीं है कि आपने किसी को पीटा है।

डीआरडीओ बना...

बंकर बस्टर का मतलब है ऐसा हथियार जो जमीन के नीचे गहरे बने बंकरों, सुरंगों और जमीन के नीचे या ऊपर कंक्रीट की मोटी परतों से बनाई गई इमारतों को ध्वस्त कर सके।अग्नि-5 बंकर बस्टर मिसाइल भारत की रक्षा में एक गेम-चेंजर है। ये अमेरिका के जीबीयू-57 से ज्यादा ताकतवर, सस्ती और तेज है।

इसकी हाइपरसोनिक गति और 80-100 मीटर की पेनेट्रेशन क्षमता इसे दुनिया के सबसे खतरनाक हथियारों में से एक बनाती है। खास तौर पर पाकिस्तान के कहुटा, किराना हिल्स और नूर खान जैसे ठिकानों को नष्ट करने की इसकी क्षमता भारत को रणनीतिक बढ़त देती है। साथ ही ये मिसाइल भारत की आत्मनिर्भरता और वैश्विक रक्षा ताकत का प्रतीक है।

आज से 1 नवंबर तक रहेगा चातुर्मास

देवशयनी एकादशी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस व्रत को करने से व्यक्ति को भगवान विष्णु की कृपा के साथ साथ शिवलोक में भी स्थान मिलता है। देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं और अगले 4 महीने तक भगवान विष्णु योग निद्रा में ही रहते हैं। देवशयनी एकादशी का व्रत आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के दिन रखा जाता है। जिस दिन से भगवान विष्णु निद्रा में जाते हैं तभी से चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है। जिस समय देव सोते हैं इस समय संसार का पालन पोषण भगवान शिव करते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल चातुर्मास 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी से शुरू हो रहे हैं। समापन 1 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर होगा। इस वर्ष चातुर्मास 118 दिन का रहेगा। इसके बाद मांगलिक कार्य जैसे यज्ञोपवीत संस्कार, विवाह, दीक्षाग्रहण, यज्ञ, गृहप्रवेश नहीं किए जाते हैं। इन चार महीनों को चातुर्मास कहते हैं। इनमें कोई भी शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि चातुर्मास आरंभ होते ही भगवान विष्णु धरती का कार्य भगवान शिव को सौंपकर खुद विश्राम के लिए चले जाते हैं। इसीलिए इस दौरान शिव आराधना का भी बहुत महत्व है। सावन का महीना भी चातुर्मास में ही आता है। इसलिए इस महीने में शिव की अराधना शुभ फल देती है।

देवशयनी एकादशी इस बार 6 जुलाई को पड़ रही है। इसी दिन से चातुर्मास भी शुरू हो जाता है। इसलिए अब 6 जुलाई से करीब 4 महीनों तक मांगलिक काम नहीं होंगे। चातुर्मास के दौरान पूजा-पाठ, कथा, अनुष्ठान से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। चातुर्मास में भजन, कीर्तन, सत्संग, कथा, भागवत के लिए सबसे अच्छा समय माना जाता है। भगवान विष्णु के विश्राम करने से सभी तरह के मांगलिक कार्य रुक जाते हैं। इस अवधि को चातुर्मास भी कहा जाता है। भगवान श्री नारायण की प्रिय हरिशयनी एकादशी या फिर कहें देवशयनी एकादशी से सभी मांगलिक कार्य जैसे शादी-विवाह, गृह प्रवेश, यज्ञोपवीत आदि पर अगले चार मास के लिए विराम लग जाएगा। इसी दिन से सन्यासी लोगों का चातुर्मास्य व्रत आरम्भ हो जाता है। धार्मिक दृष्टि से ये चार महीने भगवान विष्णु के निद्राकाल माने जाते हैं। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार इस दौरान सूर्य व चंद्र का तेज पृथ्वी पर कम पहुंचता है, जल की मात्रा अधिक हो जाती है, वातावरण में अनेक जीव-जंतु उत्पन्न हो जाते हैं, जो अनेक रोगों का कारण बनते हैं। इसलिए साधु-संत, तपस्वी इस काल में एक ही स्थान पर रहकर तप, साधना, स्वाध्याय व प्रवचन आदि करते हैं।

देवशयनी एकादशी

वैदिक पंचांग के अनुसार, देवशयनी एकादशी आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाई जाएगी। इस साल यह पर्व रविवार 6 जुलाई 2025 को होगा। एकादशी तिथि 5 जुलाई को शाम 6:58 बजे शुरू होगी और 6 जुलाई को रात 9:14 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार 6 जुलाई को ही यह व्रत रखा जाएगा और चातुर्मास की शुरुआत होगी, जो 1 नवंबर तक चलेगा।

शुभ योग

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर साध्य योग का संयोग रात 09:27 मिनट तक है। इसके बाद शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से सभी प्रकार के शुभ कामों में सफलता मिलेगी। इसके साथ ही त्रिपुष्कर योग और रवि योग का भी संयोग बन रहा है।

चतुर्मास में नहीं होते विवाह

भगवान विष्णु को सृष्टि का पालनहार कहा जाता है। श्रीहरि के विश्राम अवस्था में चले जाने के बाद मांगलिक कार्य जैसे- विवाह, मुंडन, जनेऊ आदि करना शुभ नहीं माना जाता है। मान्यता है कि इस दौरान मांगलिक कार्य करने से भगवान का आशीर्वाद नहीं प्राप्त होता है। शुभ कार्यों में देवी-देवताओं का आवाह्न किया जाता है। भगवान विष्णु योग निद्रा में होते हैं, इसलिए वह मांगलिक कार्यों में उपस्थित नहीं हो पाते हैं। जिसके कारण इन महीनों में मांगलिक कार्यों पर रोक होती है।

पाताल में रहते हैं भगवान

ग्रंथों के अनुसार पाताल लोक के अधिपति राजा बलि ने भगवान विष्णु से पाताल स्थिति अपने महल में रहने का वरदान मांगा था। इसलिए माना जाता है कि देवशयनी एकादशी से अगले 4 महीने तक भगवान विष्णु पाताल में राजा बलि के महल में निवास करते हैं। इसके अलावा अन्य मान्यताओं के अनुसार शिवजी महाशिवरात्रि तक और ब्रह्मा जी शिवरात्रि से देवशयनी एकादशी तक पाताल में निवास करते हैं।

चतुर्मास के चार महीने

चतुर्मास का पहला महीना सावन होता है। यह माह भगवान विष्णु को समर्पित होता है। दूसरा माह भाद्रपद होता है। यह माह त्योहारों से भरा रहता है। इस महीने में गणेश चतुर्थी और कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भी आता है। चतुर्मास का तीसरा महीना अश्विन होता है। इस मास में नवरात्र और दशहरा मनाया जाता है। चतुर्मास का चौथा और आखिरी महीना कार्तिक होता है। इस माह में दिवाली का त्योहार मनाया जाता है। इस माह में देवोत्थान एकादशी भी मनाई जाती है। जिसके साथ ही मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं।

एकादशी में चावल न खाने का धार्मिक महत्व

पौराणिक मान्यता के अनुसार माता शक्ति के क्रोध से बचने के लिए महर्षि मेधा ने शरीर का त्याग कर दिया और उनका अंश पृथ्वी में समा गया। चावल और जौ के रूप में महर्षि मेधा उत्पन्न हुए, इसलिए चावल और जौ को जीव माना जाता है। जिस दिन महर्षि मेधा का अंश पृथ्वी में समाया, उस दिन एकादशी तिथि थी, इसलिए इनको जीव रूप मानते हुए एकादशी को भोजन के रूप में ग्रहण करने से परहेज किया गया है, ताकि सात्विक रूप से विष्णु प्रिया एकादशी का व्रत संपन्न हो सके।

चावल न खाने का ज्योतिषीय कारण

एकादशी के दिन चावल न खाने के पीछे सिर्फ धार्मिक ही नहीं बल्कि ज्योतिषीय कारण भी है। ज्योतिष के अनुसार चावल में जल तत्व की मात्रा अधिक होती है। जल पर चन्द्रमा का प्रभाव अधिक पड़ता है। ऐसे में चावल खाने से शरीर में जल की मात्रा बढ़ती है और इससे मन विचलित और चंचल होता है। मन के चंचल होने से व्रत के नियमों का पालन करने में बाधा आती है।

देवशयनी एकादशी व्रत का महत्व

पद्म पुराण के अनुसार, जो व्यक्ति देवशयनी एकादशी का व्रत रखता है। वह भगवान विष्णु को अधिक प्रिय होता है। साथ ही इस व्रत को करने से व्यक्ति को शिवलोक में स्थान मिलता है। साथ ही सर्व देवता उसे नमस्कार करते हैं। इस दिन दान पुण्य करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन तिल, सोना, चांदी, गोपी चंदन, हल्दी आदि का दान करना चाहिए। ऐसा करना उत्तम फलदायी माना जाता है। एकादशी व्रत पारण वाले दिन यानी द्वादशी तिथि के दिन ब्राह्मणों और जरुरतमंद लोगों को दही चावल खिलाता है इस व्यक्ति को स्वर्ग मिलता है। देवशयनी एकादशी को लेकर एक मान्यता यह भी है कि इस दिन सभी तीर्थ ब्रजधाम आ जाते हैं। इसलिए इस दौरान ब्रज की यात्रा करना शुभ फलदायी माना जाता है।

भगवान विष्णु के शयन का मंत्र

सुप्ते त्वयि जगन्नाथ जगत् सुप्तं भवेदिदम्।
विबुद्दे च विबुध्येत प्रसन्नो मे भवाव्यय।।
मैत्राघपादे स्वपितीह विष्णु: श्रुतेश्च मध्ये परिवर्तमेति।
जागार्ति पौष्णस्य तथावसाने नो पारणं तत्र बुध: प्रकुर्यात्।।

देवशयनी एकादशी क्षमा मंत्र

भक्तस्तुतो भक्तपर: कीर्तिद: कीर्तिवर्धन:।
कीर्तिर्दीप्ति: क्षमाकान्तिर्भक्तश्चैव दया परा।।

खान-पान का रखें विशेष ध्यान

चातुर्मास की शुरुआत में बारिश का मौसम रहता है। इस कारण बादलों की वजह से सूर्य की रोशनी हम तक नहीं पहुंच पाती है। सूर्य की रोशनी के बिना हमारी पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। ऐसी स्थिति में खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खाने में ऐसी चीजें शामिल करें जो सुपाच्य हों। वरना पेट संबंधित बीमारियां हो सकती है।

चातुर्मास की परंपरा

सावन से लेकर कार्तिक तक चलने वाले चातुर्मास में नियम-संयम से रहने का विधान बताया गया है। इन दिनों में सुबह जल्दी उठकर योग, ध्यान और प्राणायाम किया जाता है। तामसिक भोजन नहीं करते और दिन में नहीं सोना चाहिए। इन चार महीनों में रामायण, गीता और भागवत पुराण जैसे धार्मिक ग्रंथ पढ़ने चाहिए। भगवान शिव और विष्णुजी का अभिषेक करना चाहिए। पितरों के लिए श्राद्ध और देवी की उपासना करनी चाहिए। जरूरतमंद लोगों की सेवा करें।

चातुर्मास में करें पूजा

सावन में भगवान शिव-शक्ति की पूजा की जाती है। इससे सौभाग्य बढ़ता है। भादौ में गणेश और श्रीकृष्ण की पूजा से हर तरह के दोष खत्म होते हैं। अश्विन मास में पितर और देवी की आराधना का विधान है। इन दिनों पितृ पक्ष में नियम-संयम से रहने और नवरात्रि में व्रत करने से सेहत अच्छी होती है। वहीं, कार्तिक महीने में भगवान विष्णु की पूजा करने की परंपरा है। इससे सुख और समृद्धि बढ़ती है। इन चार महीनों में आने वाले व्रत, पर्व और त्योहारों की वजह से ही चातुर्मास को बहुत खास माना गया है।

नियमों का करें पालन

चार माह तक एक समय भी भोजन करना चाहिए। फर्श या भूमि पर ही सोया जाता है। राजसिक और तामसिक खाद्य पदार्थों का त्याग करना चाहिए। 4 माह तक ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। शारीरिक शुद्धि का विशेष ध्यान रखना चाहिए। रोज स्नान करना चाहिए। सुबह जल्दी उठकर स्नान के बाद ध्यान करना चाहिए और रात्रि में जल्दी सो जाना चाहिए।

घर के इन स्थानों पर जरूर जलाएं दीपक पितृ देंगे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

कई बार जाने-अनजाने में व्यक्ति से कुछ ऐसी गलतियां हो जाती हैं, जो पितृ दोष का कारण बन सकती हैं। इस वजह से व्यक्ति व उसके परिवार को अशुभ परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। ।

पितरों से मिलेगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

पितृ दोष से राहत पाने के लिए आपको छत पर दक्षिण दिशा में एक मिट्टी के दीपक में तेल डालकर बाती जलानी चाहिए और पितरों का ध्यान करना चाहिए। इसके बाद अपनी गलतियों के लिए क्षमा-याचना करें। इस उपाय को करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

इस स्थान पर जरूर जलाएं दीपक

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दक्षिण दिशा को पितरों की दिशा माना जाता है। ऐसे में पितरों को याद करते हुए रोजाना घर की दक्षिण दिशा में सरसों की तेल का दीपक जलाएं।

इसके साथ ही आप पितरों की तस्वीर के पास भी सरसों के तेल का दीपक जला सकते हैं। ऐसा करने से भी जातक को पितरों की कृपा मिल सकती है और जीवन में खुशहाली बनी रहती है।

पितृ दोष से मिलेगी राहत

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, पीपल के पेड़ में भी पितरों का वास माना जाता है। ऐसे में पितृ दोष से राहत पाने के लिए दोपहर के समय पीपल के पेड़ में जल चढ़ाएं और सात बार परिक्रमा करें।

इसके बाद पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं और उसमें काले तिल डालकर छाया दान करें। इस उपाय को करने से आपको पितृ दोष के कारण मिल रहे अशुभ परिणामों से कुछ राहत मिल सकती है।

500 साल बाद सावन में बनेगा शनि और गुरु का दुर्लभ संयोग, कुछ राशियों की चमकेंगी किस्मत

वैदिक ज्योतिष अनुसार सावन की शुरुआत इस साल 11 जुलाई से हो रही है और इसका समापन 9 अगस्त को होगा। ऐसे में सावन में कई दुर्लभ संयोग बनने जा रहे हैं। जिसमें 7 जुलाई को देवताओं के गुरु बृहस्पति उदय होंगे और कर्मफल दाता शनि देव 13 जुलाई को वक्री होने जा रहे हैं। जिससे कुछ राशियों की किस्मत चमक सकती है। साथ ही आकस्मिक धनलाभ और तरक्की को योग बन रहे हैं।

वृष राशि – शनि देव की उल्टी चाल और गुरु ग्रह का उदय होना वृष राशि के लोगों को शुभ सिद्ध हो सकता है। क्योंकि गुरु बृहस्पति आपकी गोचर कुंडली से धन भाव पर उदय तो वहीं शनि देव इनकम स्थान पर वक्री होंगे। इसलिए इस दौरान आपकी इनकम में जबरदस्त बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही निवेश के लिए यह समय अच्छा है। वहीं इस समय आपका भाग्य चमकेगा और लंबी यात्राएं फायदा देंगी। वहीं संतान से जुड़ी कोई खुशखबरी मिल सकती है। साथ ही धन की सेविंग करने में आप सफल रहेंगे।

कर्क राशि – आप लोगों के लिए शनि देव का वक्री होना और गुरु ग्रह का उदित होना लाभदायक सिद्ध हो सकता है। क्योंकि गुरु ग्रह आपकी राशि से 12वें भाव पर तो वहीं शनि देव नवम भाव पर वक्री होने जा रहे हैं। इसलिए इस समय आपको किस्मत का साथ मिलेगा। साथ ही इस समय आप किसी धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। वहीं इस समय आप देश- विदेश की यात्रा कर सकते हैं। साथ ही व्यक्तिगत

और व्यावसायिक प्रयासों में सफलता मिलेगी। इस अवधि में नए अवसर आपके रास्ते में हैं, जिसके माध्यम से आप अपने व्यावसायिक जीवन में नई प्रगति देखेंगे। वहीं प्रतियोगी छात्र किसी परीक्षा में सफल हो सकते हैं।

मिथुन राशि –आप लोगों के लिए शनि और गुरु की चाल में बदलाव अनुकूल साबित हो सकता है। क्योंकि गुरु ग्रह आपकी गोचर कुंडली से प्रथम भाव पर उदय होंगे तो वहीं शनि देव कर्म भाव पर उल्टी चाल चलेंगे। इसलिए इस दौरान आपके आत्मविश्वास में वृद्धि देखने को मिलेगी। साथ ही बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। साथ ही इस समय शादीशुदा लोगों का वैवाहिक जीवन शानदार रहेगा। वहीं इस समय कुंवारे लोगों को विवाह प्रस्ताव आ सकता है। साथ ही अपनी प्रतिभा और कार्य कौशल के साथ, आपको कार्यस्थल पर पहचान और प्रशंसा मिलेगी। यह आपके प्रेम जीवन के लिए एक अच्छा समय होगा। अपने रिश्ते को मजबूत करने के लिए अपने परिवार या साथी के साथ अच्छा समय बीताएंगे।

सपने में दिखती हैं महादेव से जुड़ी ये चीजें, तो समझ लें जागने वाली है आपकी सोई किस्मत

सपने में भगवान शिव को देखना हिंदू आस्था में अत्यंत शुभदायी माना जाता है। ऐसा सपना दिव्य सुरक्षा और आगामी आंतरिक और आध्यात्मिक नवचेतन का प्रतीक माना जा सकता है। भगवान शिव के स्वप्न में भी हुए दर्शन आध्यात्मिक पथ पर अग्रसर कर सकते हैं।

सपने में शिव जिस रूप में प्रकट होते हैं, वह रूप भी महत्वपूर्ण और गहरा संदेश देता है। इससे सपने के पीछे का सटीक संदेश समझने में मदद मिल सकती है। ऐसे दर्शन अक्सर मार्गदर्शन और आत्मशुद्धि कराते हैं। भगवान शिव का किसी भी रूप में दर्शन देना मंगलमय है और यह कठिन समय में आस जगाने के लिए सक्षम है।

सपनों को मन के अंदर झांकने का तरीका माना जाता है। ये हमें आध्यात्मिक राह दिखाने की क्षमता रखते हैं। हिंदू धर्म में सपनों में भगवान या देवी-देवताओं का दिखना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा कहा जाता है की बिना ईश्वर कृपा के उनके किसी भी स्वरूप के, किसी भी अवस्था में दर्शन असंभव हैं।

सभी देवताओं में भगवान शिव का स्थान खास है। भगवान शिव विनाश, नया सृजन और दिव्य चेतना के प्रतीक हैं। भगवान शिव से जुड़ा सपना आशीर्वाद की तरह होता है। यह एक आध्यात्मिक बुलावा या जुड़ाव होता है।

सपने में भगवान शिव को देखने का अर्थ

सपने में भगवान शिव को देखना गहरा आध्यात्मिक अर्थ रखता है। ऐसे सपनों की व्याख्या अक्सर दिव्य संदेश के रूप में की जाती है। भगवान शिव बुराई के विनाशक हैं। वे हिंदू त्रिदेवों में परिवर्तन के देवता हैं। भगवान शिव विनाश और पुनर्निर्माण दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। सपने में उनका प्रकट होना केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि व्यक्तिगत परिवर्तन और सुरक्षा से गहराई से जुड़ा होता है। यह सपना आंतरिक जागृति का संकेत दे सकता है।

किस सपने का क्या है अर्थ?

सपनों में शिव जी के विभिन्न रूप अलग-अलग अर्थ बताते हैं। ध्यानमग्न शिव जी का दर्शन शांति, वैराग्य और आत्ममंथन की आवश्यकता को दर्शाता है। यह जीवन के उस चरण की ओर संकेत कर सकता है जहां स्वप्नदर्शी को भीतर झांकने के लिए कहा जा रहा है। स्वप्नदर्शी आंतरिक शांति विकसित करके लाभ उठा सकता है।

नटराज रूप में शिव जी का सपना ब्रह्मांडीय नृत्य की ओर संकेत करता है। यह नृत्य परिवर्तन के चक्र को दर्शाता है। इसका अर्थ पुराने का विनाश और नए का निर्माण हो सकता है। संक्षेप में, यह जीवन में नए आरंभ का संकेत है।

सपने में भगवान शिव और माता पार्वती का एक साथ दर्शन सामंजस्य, संतुलन और दिव्य प्रेम का प्रतीक है। यह सपना संबंधों में सकारात्मक बदलाव का संकेत दे सकता है। यह विरोधी शक्तियों के मिलन का संदेश भी देता है।

सपनों में शिव के प्रतीक जैसे तीसरी आंख, अर्धचंद्र या गंगा नदी का दिखना आध्यात्मिक जागृति ला सकता है। इससे अंतर्ज्ञान में सुधार और शुद्धि हो सकती है। सपने में भगवान शिव का शिवलिंग देखना दर्शाता है कि सपना देखने वाला जातक अपनी परेशानियों से मुक्त हो सकता है।

महादेव का सपना दिखने पर क्या करें?

शिव उच्च आत्मा का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो आपको सत्य की ओर मार्गदर्शन करते हैं। शिव से जुड़े सपने नकारात्मकता को छोड़ने और परिवर्तन को अपनाने में मदद कर सकते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से, यह सपना आशीर्वाद और दिव्य सुरक्षा का संकेत हो सकता है। यह सपना आत्मबोध की गहरी यात्रा की शुरुआत का कारण बन सकता है।

ऐसे सपनों की व्याख्या अक्सर इस रूप में की जाती है कि कोई आपको देख रहा है। ये सपने कठिन समय या आध्यात्मिक प्रश्नों के दौरान विशेष महत्व रखते हैं। ऐसे सपने प्रार्थना, तपस्या या अपूर्ण कर्म बंधनों के उत्तर के रूप में भी आ सकते हैं। यदि आपके सपने में शिवलिंग का दर्शन हो, तो सुबह शिवलिंग पर दूध अर्पित करें। संभव हो तो भगवान शिव को श्वेत पुष्प, बेलपत्र और अपनी श्रद्धा अनुसार प्रसाद चढ़ाएं। ऐसे सपने के बाद पशु या गरीबों को भोजन कराना लाभकारी हो सकता है।

भगवान शिव के सपने अत्यंत पवित्र और प्रतीकात्मक होते हैं। ये परिवर्तन, सुरक्षा और आंतरिक आध्यात्मिक पुकार का संकेत देते हैं। शिव के प्रत्येक रूप का अनोखा दिव्य संदेश होता है। ऐसे सपने अक्सर आध्यात्मिक विकास और जागरूकता की शुरुआत का प्रतीक होते हैं।

पंचकम् का अर्थ क्या है?

उत्तरः जो पाँच वस्तुओं का समूह होता है, उसे पंचकम् कहते हैं।

पंचाक्षरी मंत्र – न. मः शि. वा. य

(ॐ नमः शिवाय पाँच अक्षरों का मंत्र)

पंचगंगा (पाँच पवित्र नदियाँ)

कृष्णा, गंगा, कावेरी, तुंगभद्रा, गोदावरी

पंचमहाभूत (पाँच तत्व)

पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश

पंचामृत (पाँच पवित्र वस्तुएँ)

जल, दूध, दही, घी, शहद

पंचप्राण (जीवन की पाँच ऊर्जा)

प्राण, अपान, व्यान, उदान, समान

पंचकन्याएँ (पाँच पूजनीय स्त्रियाँ)

अहल्या, द्रौपदी, सीता, तारा, मंदोदरी

पंचांग (धार्मिक पंचांग के पाँच अंग)

(संस्कृत) तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण

संस्कृत के पंचकाव्य (पाँच महाकाव्य)

रघुवंश, कुमारसंभव, मेघदूत, किरातार्जुनीयम्, शिशुपालवध

(तेलुगु) के पंचकाव्य-मनुचरित्र, वसुचरित्र, राघवपाण्डवीयम्, पाण्डुरंगमहात्म्यम्, श्रृंगारनैषधम्

पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ (ज्ञान प्राप्ति के इंद्रिय)

वाणी, पैर, हाथ, गुदा, जननेन्द्रिय

पाँच पवित्र वृक्ष (पंचवृक्ष)

पीपल, बरगद, बेर, जामुन, आम

पंचधातु (पाँच धातुएँ)

सोना, चाँदी, पीतल, कांसा, लोहा

पाँच रंग

सफेद, काला, लाल, पीला, हरा

इन सबका समन्वय पंचकम् कहलाता है।

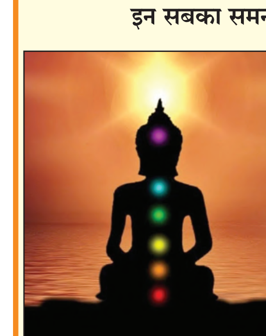

पंचकम् सिर्फ पाँच चीज़ों का समूह नहीं है, यह हमारी आध्यात्मिक परंपरा, धार्मिक अनुशासन, स्वास्थ्य विज्ञान, ध्यान का आधार, और जीवन के गहरे पाठ का प्रतीक है। यह हमें याद दिलाता है कि हम कौन हैं, हमारी जड़ें कहाँ हैं, और हमारे पूर्वजों ने क्या मार्ग दिखाया।

मेरी यह प्रस्तुति बहुत सरल, स्पष्ट और विचारों को जागृत करने वाली है।

यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुंदर सांस्कृतिक स्मृति बन सकती है।

आज की पीढ़ी के लोगों को पंचकम् जैसे पारंपरिक विषयों में ज़्यादा रुचि नहीं होती। आजकल की ज़िंदगी में तो बस जीवन की गाड़ी किसी तरह चल रही है या नहीं, बस वही काफी है – ऐसी सोच हावी हो गई है। कम से कम उन्हें पता तो चले, इसलिए मैंने यह जानकारी लिखी। यह वास्तव में एक बहुत सराहनीय कार्य है।

करवदि वेंकटा रमणा मूर्ति
बोडुपपाल – हैदराबाद

रणवीर सिंह और श्वेता त्रिपाठी... एक्टिंग से पर्दे पर धाक जमाने वाले सितारे

आज यानी 6 जुलाई का दिन बॉलीवुड के दो चमकते सितारों, रणवीर सिंह और श्वेता त्रिपाठी के लिए खास है, क्योंकि दोनों का जन्मदिन है। जहां रणवीर की एनर्जी और दमदार अभिनय ने उन्हें इंडस्ट्री का एनर्जी बंडल बना दिया है। वहीं, मसान फेम श्वेता की संवेदनशील और गहरी अभिनय शैली ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। 6 जुलाई 1985 को मुंबई में जन्मे रणवीर सिंह ने अपनी बिंदास शख्सियत और दमदार अभिनय से बॉलीवुड में तहलका मचा दिया। इंडियाना यूनिवर्सिटी से पढ़ाई पूरी करने के बाद रणवीर ने विज्ञापन की दुनिया में कदम रखा, लेकिन उनका सपना हमेशा सिनेमा था।

साल 2010 में यशराज फिल्म्स की बैंड बाजा बारात से डेब्यू करते ही उन्होंने फिल्मफेयर बेस्ट मेल डेब्यू अवॉर्ड जीता। लुटेरा में उनके चोर, गोलियों की रासलीला राम-लीला में जिद्दी आशिक, बाजीराव मस्तानी में योद्धा बाजीराव और पद्मावत में क्रूर अलाउद्दीन खिलजी जैसे किरदारों ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा को पर्दे पर पेश किया। संजय लीला भंसाली के साथ उनकी जोड़ी ने हर बार पर्दे पर जादू बिखेरा। उनकी हालिया चर्चा 'धुरंधर' को लेकर है, जो एक स्पाई थ्रिलर है और

उनके जन्मदिन पर इसका टीजर रिलीज होने की उम्मीद है। निजी जिंदगी में रणवीर, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के साथ अपने रिश्ते और खुशमिजाज अंदाज के लिए जाने जाते हैं। साल 2018 में उन्होंने एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के साथ शादी की। सिंधी परिवार से ताल्लुक रखने वाले रणवीर को एक बेटी है, जिसका नाम दुआ है।उन्होंने गली बॉय और 83 जैसी फिल्मों में अलग-अलग किरदारों को निभाया। उन्हें वर्सेटाइल एक्टिंग और स्टाइल ने बॉलीवुड के टॉप स्टार में से एक बना दिया है।

अब बात करते हैं श्वेता त्रिपाठी की। उनका जन्म 6 जुलाई 1985 को नई दिल्ली में हुआ। उन्होंने मसान में शालू गुप्ता के किरदार से दर्शकों का दिल जीता। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी से पढ़ाई के बाद उन्होंने मुंबई में थिएटर और प्रोडक्शन में काम शुरू किया। 'क्या मस्त है लाइफ' में जेनिया खान के किरदार से टीवी पर शुरुआत करने वाली श्वेता ने हरामखोर, गॉन केश और मिर्जापुर में अपनी अभिनय क्षमता का लोहा मनवाया। 'मिर्जापुर' में उनकी दमदार परफॉर्मेंस ने महिला किरदारों की नई परिभाषा गढ़ी। हाल ही में उन्होंने एक महिला-प्रधान लव स्टोरी को अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत लॉन्च किया।

श्वेता अपनी नेचुरल एक्टिंग और किरदारों में गहराई लाने के लिए मशहूर हैं। ये काली काली आंखें जैसे प्रोजेक्ट्स में उनके अभिनय ने दर्शकों का दिल जीता। वह छोटे और प्रभावशाली किरदारों से पर्दे पर छा जाती हैं।श्वेता ने 2018 में रैपर चैतन्य शर्मा (स्लो चीता) से गोवा में डेस्टिनेशन वेडिंग की।

आर. माधवन का विनम्रता अंदाज़ हुआ वायरल और यह सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है

कुछ अभिनेता ऐसे होते हैं जो जैसे ही कमरे में प्रवेश करते हैं, सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेते हैं और फिर आर. माधवन हैं, जो केवल अपनी उपस्थिति, सहजता और संजीदगी से दिल जीत लेते हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान आर. माधवन और उनकी सह-अभिनेत्री फातिमा सना शेख का एक वीडियो इसी वजह से लोगों का दिल जीत रहा है। इस क्लिप में देखा जा सकता है कि माधवन बेहद सहजता से एक कदम पीछे हटते हैं, और फातिमा को मीडिया इंटरैक्शन के दौरान मंच का केंद्र बनने देते हैं – यह एक छोटा सा लेकिन बेहद मायने रखने वाला इशारा है। न कोई दिखावा, न कोई शब्दों का शोर – सिर्फ सम्मान और सहज अनुग्रह। यह कोई पहली बार नहीं है।

पिछले कई वर्षों से आर. माधवन को न केवल उनकी अभिनय क्षमता के लिए, बल्कि पर्दे के बाहर उनके व्यवहार और व्यक्तित्व के लिए भी काफी सराहा गया है। वह केवल एक किरदार नहीं निभाते, बल्कि पूरी प्रक्रिया में योगदान देते हैं। वह कैमरे पर हावी होने की कोशिश नहीं करते, बल्कि दूसरों को भी बराबरी से मौका देते हैं। चाहे फिल्मों में उनका गंभीर अभिनय हो या उनका व्यक्तिगत गरिमामय व्यवहार – माधवन हमेशा कहानी और अपने सह-अभिनेताओं को प्राथमिकता देते हैं। शैतान और केसरी चैप्टर 2 में उनके शानदार और रोमांचकारी अभिनय के बाद दर्शक उन्हें आप जैसा कोई में देखने के लिए उत्सुक हैं, उनका यह शांत भाव हमें याद दिलाता है कि आर. माधवन को आज भी इतना सम्मान क्यों मिलता है। वह जहाँ भी जाते हैं, विनम्रता साथ लेकर चलते हैं। और एक ऐसी दुनिया में जहाँ अक्सर ऊँची आवाज़ को ही मूल्यवान समझ लिया जाता है, आर. माधवन का यह शांत, स्थिर और उदार अंदाज़ वाकई में क्रांतिकारी लगता है।

प्रियंका चोपड़ा की फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट के लिए कड़ी तैयारी, दिखाया एक्शन के पीछे का सच

प्रियंका चोपड़ा जोनास ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अपने फैंस को फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट के एक्शन सीन्स की कुछ झलक दिखाई। प्रियंका ने कड़ी ट्रेनिंग और स्टंट रिहर्सल के कुछ वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किए। वीडियो में वह एक्शन स्टंट करते दिख रही हैं। वीडियो की शुरुआत में प्रियंका दरवाजा खटखटाती हैं, फिर कैमरे की तरफ देखकर हंसती हैं। इसके बाद वीडियो में वह हॉलीवुड की स्टंटवुमन और एक्ट्रेस अनीशा गिब्स से मुश्किल एक्शन स्टंट सीखती दिख रही हैं।

उन्होंने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, इसे घर पर न आजमाएं जब तक आपके पास अनीशा गिब्स ना हो। हेड्स ऑफ स्टेट अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। हेड्स ऑफ स्टेट में प्रियंका चोपड़ा, जॉन सीना और इदरीस एल्बा लीड रोल में हैं। यह एक्शन, ड्रामा और कॉमेडी से भरपूर है। इदरीस एल्बा ने जहां यूके के प्रधानमंत्री सैम क्लार्क का किरदार निभाया है, वहीं जॉन सीना यूएस के राष्ट्रपति विल डेरिंगर की भूमिका में हैं। इनके अलावा, प्रियंका चोपड़ा ने एम16 एजेंट नोएल बिसेट का रोल अदा किया है।

फिल्म की कहानी यूके के प्रधानमंत्री सैम क्लार्क और अमेरिका के राष्ट्रपति विल डेरिंगर के बीच की नापसंदगी और झगड़े के बारे में है। दोनों के बीच प्रतिद्वंद्विता है। एक दिन जब हवाई यात्रा के दौरान उन पर जानलेवा हमला होता है, तब राज्य के इन दो प्रमुखों को एयरफोर्स वन से आपातकालीन स्थिति में बेलारूस के पास पैराशूट से उतरना पड़ता है। इस एयरफोर्स वन को हवा में मार गिराया जाता है। अब दोनों की जान खतरे में है, क्योंकि कई लोग उनकी हत्या करना चाहते हैं। उनकी सुरक्षा के लिए एम16 एजेंट नोएल बिसेट को रखा जाता है। फिल्म की शुरुआत में ही वह एक मिशन के दौरान घायल दिखाई जाती है। नोएल और क्लार्क का अतीत भी है, जिसका खुलासा मिशन के दौरान होता है।

दिलजीत दोसांझ पर हटा अस्थायी बैन, तो वरुण धवन ने शेयर की बॉर्डर 2 सेट से तस्वीर

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन इन दिनों बॉर्डर 2 की शूटिंग में काफी बिजी हैं। इस बीच उन्होंने अपने को-स्टार दिलजीत दोसांझ पर लगे अस्थायी बैन को हटाए जाने के बाद फिल्म के सेट से एक झलक सोशल मीडिया पर साझा की। वरुण धवन ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। हालांकि इसमें किसी भी एक्टर का चेहरा नजर नहीं आ रहा है। शेयर की गई तस्वीरों में एक फोटो सुनील शेट्टी के बेटे और एक्टर आहान शेट्टी की है। इसमें वह आर्मी की वर्दी में दिख रहे हैं। फोटो में सिर्फ उनका हाथ नजर आ रहा है। हाथ और वर्दी दोनों मिट्टी से सने हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर भी कुछ ऐसी ही हैं, जिसमें वर्दी और हाथ दोनों मिट्टी में सने हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए वरुण ने छोटा सा कैप्शन लिखा -बॉर्डर 2।

वरुण धवन का पोस्ट उस समय आया है जब फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने दिलजीत दोसांझ पर लगाया गया अस्थायी बैन कुछ समय के लिए हटा लिया। बता दें कि सरदार जी 3 में पाक कलाकार के साथ काम करने पर उठे विवाद के बाद दिलजीत दोसांझ पर फिल्म इंडस्ट्री में काम करने पर रोक लगा दी गई थी। अब उन्हें सिर्फ 'बॉर्डर 2' फिल्म में काम करने की इजाजत दी गई है, बाकी फिल्मों में काम करने पर अब भी रोक लगी हुई है।

एफडब्ल्यूआईसीई के अध्यक्ष बी.एन. तिवारी ने बताया कि 'बॉर्डर 2' के प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने खुद फेडरेशन से अपील की कि दिलजीत को इस फिल्म की शूटिंग करने दी जाए। उनकी अपील के बाद ही बैन को इस फिल्म के लिए अस्थायी रूप से हटा लिया गया।

उल्लेखनीय है कि दिलजीत की फिल्म 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर हैं, जिसके चलते लोग इस फिल्म का विरोध कर रहे हैं। विरोध के कारण यह फिल्म भारत में रिलीज नहीं हो पाई है, लेकिन पाकिस्तान समेत कई दूसरे देशों में रिलीज की गई है।

बॉर्डर 2 जेपी दत्ता की 1997 की ब्लॉकबस्टर बॉर्डर का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित फिल्म थी। उसमें सनी, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना लीड रोल में थे।

द ट्रेटर्स की विनर बनीं उर्फी जावेद : ये सफर मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सबक था

हमेशा चर्चा में रहने वाला रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' खत्म हो चुका है और फिनाले में उर्फी जावेद ने अपनी शानदार गेम से सबका दिल जीतते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। जीत के बाद उर्फी ने सोशल मीडिया पर अपनी बिग बॉस से लेकर द ट्रेटर्स तक की जर्नी को याद किया। उन्होंने एक खास वीडियो शेयर किया जिसमें करण जौहर पहले बिग बॉस में उनका नाम अनाउंस कर रहे हैं और अब द ट्रेटर्स की विनर घोषित कर रहे हैं।

मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर ने टीवी शो द ट्रेटर्स के खास पलों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उर्फी जावेद और निकिता लूथर ने फाइनल में शो का सबसे बड़ा सवाल सही तरीके से समझा और हल किया। शो के होस्ट करण जौहर ने कहा कि उर्फी और निकिता की बेहतर समझ और सही समय पर फैसला लेना उनकी जीत की वजह थी। उन्होंने बताया कि यह सीजन उनकी उम्मीदों से ज्यादा मजेदार रहा। करण जौहर ने कहा, 'द ट्रेटर्स' को लेकर हमें जितनी भी उम्मीदें थीं, शो उन सभी उम्मीदों पर खरा उतरा है। खिलाड़ियों को विश्वासघात, प्लानिंग और अपनी सहज भावना के बीच खेलते देखना मनोविज्ञान का अच्छा सबक था। उर्फी और निकिता अलग-अलग दुनिया से हैं, लेकिन दोनों ने मिलकर शो का सबसे बड़ा सवाल हल कर दिया, जब भरोसा ही सबसे बड़ी चीज हो, तो किस पर भरोसा करें? दोनों ही जीत के योग्य थीं और यह यादगार रहा। उर्फी जावेद और निकिता लूथर ने 'द ट्रेटर्स' के पहले सीजन में जीत हासिल की। उर्फी, जो 'बिग बॉस ओटीटी' के लिए भी जानी जाती हैं, ने अपने शो के सफर के बारे में कहा, 'द ट्रेटर्स' मेरे लिए अब तक का सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव से भरा सफर रहा। यह भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से थकाने वाला था। इस शो ने मुझे हर चीज और हर इंसान पर सवाल उठाने पर मजबूर किया, साथ ही अपनी ताकत खोजने में भी मदद की। उर्फी ने कहा, लोग मुझे एक ऐसी खिलाड़ी समझते थे जो अजीब है और ज्यादा बोलती है। लेकिन मैंने दिल से खेला और अपनी सूझबूझ और ईमानदारी दिखाई। मैंने कभी दिखावा नहीं किया और न ही डरकर खेला। मैं कभी पीछे नहीं हटी। द ट्रेटर्स बिना डरे बेखौफ बोलने के बारे में था। मैंने और निकिता ने मिलकर धोखेबाजों का असली चेहरा दिखाया और उन्हें उनके ही खेल में हराया। द ट्रेटर्स शो में कुल 20 सेलिब्रिटी खिलाड़ी के तौर पर शामिल हुए थे। इनमें अंशुला कपूर, अपूर्वा मखीजा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जानवी गौर, जैस्मीन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, निकिता लूथर, पूरव झा, रफ्तार, राज कुंद्रा, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और उर्फी जावेद जैसे नाम शामिल थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने ख़राब मूड को शादीशुदा ज़िंदगी में तनाव का कारण न बनने दें। इससे बचने की कोशिश करें, नहीं तो बाद में पछताना पड़ेगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। जीवनसाथी की वजह से आपको बाहर जाना पड़ सकता है, जो बाद में आपकी झल्लाहट की वजह बनेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शादी लायक़ युवाओं का रिश्ता तय हो सकता है। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। जीवनसाथी से निकटता आज आपको ख़ुशी देगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। कोई दोस्त अपनी निजी समस्याओं के समाधान के लिए आपसे मश्वरा मांग सकता है। कार्य–क्षेत्र की बात करें तो आपकी टीम का सबसे ज़्यादा खीझने वाला व्यक्ति काफ़ी समझदारी की बातें करता नज़र आ सकता है। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

गर्भवती महिलाओं को चलते–फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। अगर संभव हो तो ऐसे लोगों से दूर रहें जो धूम्रपान करते हैं, क्योंकि इससे पैदा होने वाले शिशु को नुक़सान हो सकता है। अपना कुछ समय दूसरों को देने के लिए अच्छा दिन है। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। किसी रिश्तेदार के यहा से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। प्यार का जज़्बा अनुभव के परे है, लम्बे समय से अटके फ़ैसलों को अमली जामा पहनाने में क़ामयाबी मिलेगी और नयी योजनाएँ आगे बढ़ेंगी। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। मतभेदों की एक लम्बी श्रृंखला के पनपने के कारण आपको सामंजस्य बिठाने कें मुश्किल आएगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप–रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उदास और अवसादग्रस्त न हों। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। कार्य–क्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक समारोह में नए दोस्त बन सकते हैं। हालाँकि अपने चयन में सावधानी बरतें। अच्छे दोस्त उस ख़ज़ाने की तरह होते हैं, जिसे सारी ज़िंदगी दिल के क़रीब रखा जाता है।अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर–ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आप–को ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन ऐसी चीज़ों को ख़रीदने के लिए बढ़िया है, जिनकी कीमत आगे चलकर बढ़ सकती है। अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। भावनात्मक उथल–पुथल आपको परेशान कर सकती है। आपकी अन्दरूनी ताक़त कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 जुलाई 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 09:17 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 10:42 तक
योग : साध्य रात्रि 09:26 तक
करण : वणिज प्रातः 08:11 तक
चन्द्रराशि : तुला सायं 04:01 तक
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 ,सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देवशयनी एकादशी व्रत चातुर्मास व्रत आरंभ , पंढरपुर यात्रा , भद्रा प्रातः 08:10 से रात्रि 09:17 तक , गुरु तारा उदय

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान सरकार गरीब और वंचित वर्ग के जीवन में ला रही सकारात्मक बदलाव : भजनलाल

बालोतरा, 05 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाकर हर सामाजिक बुराई का अंत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बालक–बालिकाओं की शिक्षा के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रही है। राज्य के 4 हजार से अधिक विद्यालयों में 8 हजार से अधिक स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय समय के उपरांत सप्ताह में 5 दिन, सोमवार से शुक्रवार तक निर्धारित समय पर विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की ऑनलाइन लाइव कक्षा, विद्यार्थियों को ई–पाठशाला व्हाट्सअप चैनल तथा विद्यार्थियों के स्माइल व्हाट्सअप समूह पर उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा 88 हजार 800 मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट एवं साथ में इंटरनेट कनेक्शन निशुल्क दिए गए हैं। साथ ही, एनईपी 2020 के तहत 9 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2024 तक कक्षा 1 से 8 के छात्र–छात्राओं के लिए प्रखर राजस्थान रीड टू लीड कैंपेन चलाया था, जिसमें 42 लाख बच्चे लाभान्वित हुए। इसके साथ ही पुस्तकालयों को 43 लाख पुस्तकें पहुंचाई गईं।

शर्मा ने कहा कि मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा बालोतरा जिला शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम के रूप में शिक्षा एवं कौशल के लिए महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इसमें घर–घर सर्वे कर ड्रॉपआउट और नामांकन से वंचित बालिकाओं की पहचान कर उनका विद्यालयों में नामांकन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल शिक्षा तक ही नहीं बल्कि उन्हें रोजगार प्राप्त करने योग्य बनाने तक है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भामाशाहों से प्रदेश को शिक्षा में अग्रणी बनाने के राज्य सरकार के प्रयासों में सहभागी बनने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 जून से 9 जुलाई तक प्रदेशभर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत गांव में नामांतरण, स्वामित्व पट्टा, सहमति विभाजन, भूमि विवाद एवं रास्तों से संबंधित विभिन्न प्रकरणों का शिविरों में निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पशुओं की जांच, इलाज, टीकाकरण और मंगला पशु बीमा से पशुपालकों को लाभ हो रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत 10 हजार गांवों में बीपीएल परिवारों का सर्वे व उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से पानी की टंकियों की सफाई, लंबित नल कनेक्शन देने, लीकेज की मरम्मत व नहरों की सफाई एवं बिजली के खंभे और झूलते तारों को ठीक करने के कार्य हो रहे हैं। आयुष्मान कार्ड से गरीब परिवारों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं और एनएफएसए के लंबित प्रकरणों का निस्तारण कर जरूरतमंदों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने केवल बातें की, जमीन पर कुछ नहीं किया। हमने जो काम पिछले डेढ़ साल में किया है, वह पूरे पांच साल में भी नहीं कर पाए। गत सरकार के समय पेप–रलीक से युवा निराश हो गया था, लेकिन हमारे कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 69 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए हैं। वहीं, पूरे पांच साल में चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वादा भी हम पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि पानी–बिजली के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। राइजिंग राजस्थान का आयोजन कर 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए जिनमें से 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू धरातल पर मूर्तरूप ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने बालोतरा जिले के चहुंमुखी विकास के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध करवाया है। नाकोड़ा उपस्वास्थ्य केंद्र को पीएचसी क्रमोन्नयन, खारा फांटा–सिणधरी–मिठोडा–सिवाना–देवंदी–मोकलसर एनएच–325 तक सड़क निर्माण, देवड़ा–फूलन राखी सड़क का सुदृढ़ीकरण कार्य तथा रामपुरा से बालोतरा वाया अजीत, समदड़ी, जेठंतरी, कनाना रोड का टेंडर स्वीकृत किया जा चुका है। साथ ही, पादरू में अनार की खेती को बढ़ावा देने के लिए मंडी परिसर के नजदीक 10 हेक्टेयर जमीन का आवंटन तथा किसानों को बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु 50 एमवीए का ट्रांस्फार्मर स्वीकृत कर लगवाया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर

राइसेम में आयोजित हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

जयपुर, 05 जुलाई (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर शनिवार को राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'सहकारिता : बेहतर विश्व के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान को आगे बढ़ाना' शीर्षक से आयोजित सेमिनार में सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने विषय सहित सहकारिता की चुनौतियों और संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए।

अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) शिल्पी पांडे ने कहा कि हमें सहकारिता के ध्येय वाक्य एक सबके लिए, सब एक के लिए को अपने जीवन में आत्मसात करना होगा। हम आपस में सहयोग, सहभागिता और जुड़ाव को बनाये रखते हुए एक–दूसरे की मदद करें। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन का दौर है। अनेक प्रकार के परिवर्तन सहकारिता सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे हैं। हमें आगे बढ़ने के लिए इन परिवर्तनों को स्वीकार करते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

अतिरिक्त रजिस्ट्रार (द्वितीय) एवं अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के नोडल अधिकारी संदीप खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह देश में सहकारिता को एक नई पहचान देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता से जुड़ी योजनाओं में राजस्थान बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, जिससे राष्ट्रीय स्तर भी राज्य का विशेष रूप से उल्लेख किया जा रहा है। सहकारिता को राजस्थान को माध्यम से नई पहचान मिल रही है और आगामी समय में राजस्थान देश में मॉडल स्टेट के रूप में उभरेगा।

राइसेम के निदेशक रणजीत सिंह चूड़ावत ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि 'सहकार से समृद्धि' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना पर आधारित एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसमें 60 से अधिक पहलों के माध्यम से सहकारिता को सशक्त बनाया जा रहा है। इनमें लगभग 14 पहलें ग्राम सेवा सहकारी समितियों से संबंधित हैं।

कांग्रेस का भाजपा पर हमला

बिहार, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह राजस्थान में न होने देंगे वोटर लिस्टों में गड़बड़ी

जयपुर, 05 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गोविंद सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर में एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित हुई, जिसमें प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों, विधानसभा समन्वयकों और जिलाध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक में एआईसीसी के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, सहप्रभारी रित्विक मकवाना, चिरंजीवी राव और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित अग्रिम संगठनों के प्रदेशाध्यक्ष भी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य फोकस संगठन सशक्तिकरण अभियान की समीक्षा, संगठनात्मक मुद्दों पर सुझाव लेना और भविष्य की रणनीति तय करना था।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सभी प्रदेश प्रभारियों को अपने–अपने जिलों में जाकर जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों की बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाध्यक्षों को जिला कांग्रेस कमेटी की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठकें बुलाने को कहा। डोटासरा ने विशेष रूप से नगर निकायों और पंचायत राज संस्थाओं के परिसीमन कार्य की गहन पड़ताल करने तथा आगामी समय में वोटर लिस्टों के पुनरीक्षण कार्य को सही ढंग से सुनिश्चित करने के लिए पूरी रणनीति और रूपरेखा तैयार करने का निर्देश दिया।

डोटासरा ने भाजपा सरकार पर मतदाता सूचियों में गड़बड़ी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस प्रकार महाराष्ट्र, हरियाणा और अब बिहार में यह कार्य करवाया जा रहा है, उसे रोकने के लिए शेष बचे बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) के कार्य को एक सप्ताह में पूरा किया जाए ताकि वोटर लिस्ट पुनरीक्षण पर अधिकृत रूप से नजर रखी जा सके। उन्होंने भाजपा सरकार पर 73वें और 74वें संविधान संशोधन का उल्लंघन करते हुए स्थानीय निकाय चुनावों को टालने का भी आरोप लगाया।डोटासरा ने कहा कि सरकार ने डेढ़ साल बाद ओबीसी आयोग का गठन किया है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने ओबीसी आयोग की रिपोर्ट के बिना चुनाव न कराने के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रीय महिला आयोग और आरसीडीएफ के संयुक्त तत्वावधान में प्रशिक्षण शिविर आयोजित

जयपुर, 05 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश के पशुपालन, डेयरी, गोपालन और देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि दुग्ध उत्पादन में राजस्थान देशभर में दूसरे स्थान पर है, इसे अव्वल प्रदेश बनाने की दिशा में डेयरी के साथ–साथ गोपालन व पशुपालन विभाग की ओर से अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। खासकर दुग्ध उत्पादन के लिए गिर गाय में ब्राजील से आयातित सीमन से कृत्रिम गर्भाधान किया जा रहा है। इससे गिर गाय के दूध के उत्पादन में दोगुनी से भी ज्यादा वृद्धि होगी। इसके अलावा प्रदेश में गाय की संख्या में बढोतरी के लिए सैक्स सोर्टेड सीमन योजना को लागू किया गया है। ऐसा होने से प्रदेश में गौवंश की संख्या में वृद्धि के साथ–साथ दुग्ध उत्पादन भी बढेग़ा। वे राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) व राष्ट्रीय महिला आयोग के संयुक्त तत्वावधान में पालमपुर (गुजरात) की बनास डेयरी परिसर में तीन दिवसीय महिला प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। डेयरी मंत्री कुमावत ने कहा कि प्रदेश के चार जिला दुग्ध संघों–जयपुर, सीकर, भरतपुर व टोंक की 48 महिला दुग्ध समितियों की सचिवों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण में महिला सचिवों को दुग्ध समितियों के बेहतर संचालन के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे न केवल समिति का मुनाफा बढेग़ा बल्कि महिलाओं की कार्यकुशलता भी बढेग़ी। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह के प्रशिक्षण का लाभ महिला दुग्ध समितियों से जुड़ी प्रत्येक महिला को दिलाए जाने का प्रयास किया जाएगा। डेयरी मंत्री ने कहा कि डेयरी क्षेत्र महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम साबित हुआ है। उन्होंने दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ावा दिए जाने पर बल दिया।कुमावत ने कहा कि दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित होनी चाहिए। इसके लिए दुग्ध सहकारी समितियां प्रत्येक गांव में किसानों से संवाद स्थापित कर अपने कार्यों को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाएं।

बच्चों को मिलेगा फ्रेंच का ज्ञान, सरकारी स्कूलों में नई शुरुआत

चंडीगढ़, 05 जुलाई (एजेंसियां)। सोचिए, अगर कोई बच्चा नमस्ते की जगह बोनजोर कहे तो आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी? जल्द ही हरियाणा के सरकारी स्कूलों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिलेगा। राज्य सरकार ने एक ऐसा फैसला लिया है, जो न सिर्फ बच्चों के लिए एक नया अनुभव होगा, बल्कि सरकारी स्कूलों के स्थापित नजरिए को भी नई राह दिखाएगा। जी हां, हरियाणा के सरकारी स्कूलों में अब बच्चों को फ्रेंच भाषा पढ़ाई जाएगी। यह कोई प्रयोग नहीं है, बल्कि एक उपयुक्त रणनीति के तहत इसे आगे बढ़ाया जा रहा है।

हरियाणा प्रशासन शिक्षा प्रणाली के मानक को ऊपर उठाने और युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कई पहल कर रहा है। स्कूली पाठ्यक्रम में फ्रेंच को विदेशी भाषा के तौर पर शामिल करना इस प्रयास का एक पहलू है। अब यह सिर्फ निजी स्कूलों पर ही लागू नहीं होगा। राज्य शिक्षा विभाग ने फ्रेंच दूतावास और इंस्टिट्यूट फ्रांसेइस एन इंडी (आईएफआई) के साथ मिलकर एक रणनीति बनाई है। यह भाषा सबसे पहले कुछ सरकारी स्कूलों में शुरू की जाएगी। शिक्षक के चयन के लिए भी खास तैयारियां की जा रही हैं। इसके लिए एक अलग वेब चयन प्रक्रिया शुरू हो गई है। जो शिक्षक भाग लेना चाहते थे, लेकिन पहले राउंड में नहीं आ पाए, उन्हें भी 28 जून तक निबंध और वीडियो जमा करने की अनुमति दी गई। उनमें से चुने गए उम्मीदवारों को अगले राउंड–2 में एक ऑनलाइन परीक्षा पूरी करनी होगी। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह बदलाव ज़मीन पर दिखाई देगा? यह निर्णय अच्छा लगता है: सरकारी स्कूलों में फ्रेंच भाषा... एक अंतरराष्ट्रीय स्पर्श। लेकिन ज़मीनी हकीकत आमतौर पर कुछ और ही बयां करती है।

पानी, बिजली आपूर्ति और कानून व्यवस्था की स्थिति सबसे गंभीर: सैलजा

टोहाना, 05 जुलाई (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा शनिवार को टोहाना विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर पहुंची। वे क्षेत्र के 13 गांवों में जनसंपर्क करेंगी। इस दौरान सांसद ने कहा कि प्रदेश में पीने के पानी, बिजली आपूर्ति और कानून व्यवस्था की समस्या सबसे गंभीर बनी हुई है पर सरकार इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है। सरकार की नीतियां जनविरोधी रही है, किसानों की अनदेखी शुरू से ही करती आ रही है। भाजपा राज में एक बात साफ हो गई है कि भाजपा बात करते है, वायदे करती है और बाद में भूल जाती है, जनता को धर्म और जाति के नाम पर बांटकर गुमराह कर रही है, कांग्रेस जनता के हक में कल भी लड़ रही थी आज भी लड़ रही थी और आगे भी लड़ती रहेगी। सांसद कुमारी सैलजा शनिवार को टोहना क्षेत्र के गांव गांव जांडली कलां में जनसभा को संबोधित कर रही थी।

संसद भवन में उठी महिला शक्ति की गूंज : विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आभार जताया

चंडीगढ़, 05 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के दो–दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन संवाद के दौरान देश भर से आए भागीदारों ने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में अपने विचार रखे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी की विशेष इच्छा थी कि माइक ज़्यादा से ज़्यादा महिलाओं के हाथों में पहुंचाया जाए। एक–एक कर के धरातल से जुड़ी महिलाओं की आवाज़, उनके विचार और उनके अनुभव सदन में गूंजने लगे। उस क्षण यह केवल एक संवाद नहीं, एक मिसाल बननी शुरू हुई, जिसने सभी के हृदय को छू लिया। एक महिला प्रतिभागी ने कहा कि जिस देश में महिलाओं का इतिहास अति–संघर्षपूर्ण रहा हो, उस देश में छोटे से शहर से आई महिला प्रतिनिधि, देश की सबसे बड़ी पंचायत 'संसद भवन' में खड़े होकर निडरता से अपनी बात रख रही हूं, यह अवसर अविस्मरणीय है। वहीं दूसरी महिला प्रतिभागी ने कहा कि सम्मेलन में ऐसा लगा मानो देश के अलग–अलग कोनों से फूल चुनकर एक गुलदस्ता तैयार किया गया जिससे मन गौरवान्वित हो गया।

एक महिला प्रतिभागी ने कहा कि जो सीखने, नवविचार साझा करने तथा नेतृत्व–निर्माण का अवसर इस सम्मेलन द्वारा सभी प्रतिभागियों को मिला, उनकी इच्छा है कि यह धरातल से जुड़े हर उस व्यक्ति को मिले जो देश में जन–सेवा में अपना योगदान दे रहा है।

बारिश ने एक बार फिर खोली भाजपा सरकार की पोल: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 05 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बारिश के मौसम में एक बार फिर बीजेपी सरकार की पोल खुल गई है। आज एक तरफ जहां, गलियों, सड़कों, हाईवे और खेतों में हर जगह लोगों को जलभराव का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ जहां तहां लगे कचरे के ढेर ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। इस सरकार की बदइंतजामी का हाल ये की हरियाणा के 6 नगर निगमों, 12 नगर परिषदों और 27 नगर पालिकाओं में कचरा उठाने व सफाई के टेंडर समाप्त होने के बाद नए टेंडर नही हुए। इस वजह से 45 शहरों में कचरा उठान का काम कई दिनों से बंद पड़ा है। 19,000 टन कूड़ा सड़कों पर बिखरा हुआ है।

बारिश के इस मौसम में सड़कों पर सड़ रहे इस कचरे से संक्रमण और कई बीमारियां फैलने के आसार तो है ही, साथ ही इससे सीवरेज भी जाम हो सकते हैं। यह स्थिति देखकर लगता है कि बीजेपी को हरियाणा की जनता की सुरक्षा और स्वास्थ्य से कोई वास्ता ही नहीं है। कोई बड़े व संरचनात्मक काम करना तो दूर, ये सरकार आधारभूत कामों को भी अंजाम देने में नाकाम साबित हो रही है।

हुड्डा ने कहा कि चिलचिलाती गर्मी के बीच जिस बारिश को राहत बनना चाहिए था, वह सरकारी बदइंतजामी के चलते आफत बन गई है। रोहतक की सड़कों से लेकर कुरुक्षेत्र के खेतों तक पानी ही पानी नजर आ रहा है। क्योंकि बार–बार चेताने के बावजूद ना तो सरकार ने समय रहते अपनी सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त किया और ना ही नदियों के तटबंधों को मजबूत किया। यही वजह है कि शाहाबाद और कुरुक्षेत्र के दर्जनभर गांव में बाढ़ जैसे हालात हो गए।सिरसा के भी कई गांव में फ्लडी नहर में दरार आने की वजह से सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न हो गई है। हर जगह प्रति एकड़ किसानों को कई–कई हजार रुपए का नुकसान हुआ है। हुड्डा ने किसानों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए जल्द विशेष गिरदावरी करवाकर मुआवजा देने की मांग उठाई है।

गोपाल खेमका मर्डर केस को लेकर विपक्ष का नीतीश सरकार पर हमला

इसे जंगलराज नहीं कह सकते? तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसियां)। बिहार के बड़े उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने लोगों से पूछ भी लिया कि इसे जंगलराज क्यों नहीं कहा जा सकता है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पूछा कि थाना से चंद कदम दूर पटना में बिहार के बड़े व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हर महीने बिहार में सैकड़ों व्यापारियों की हत्या हो रही है लेकिन जंगलराज नहीं कह सकते? क्योंकि इसे ही शास्त्रों में मीडिया प्रबंधन, परसेप्शन मैनेजमेंट और

छवि प्रबंधन कहते है।

इतना ही नहीं तेजस्वी यादव ने सीवान में तीन लोगों की हत्या पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि बिहार में नरसंहार हो रहा है। सीवान में छह लोगों को गोली मारी गई। इसमें तीन लोगों की मौक़ा ए वारदात पर मौत हो गई। तेजस्वी ने तंज कसते हुए कहा कि अचेत मुख्यमंत्री की अगुवाई में विधि व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में अब सुशासन नहीं, खुला राक्षसराज चल रहा है। वीआईपी के प्रमुख सहनी ने फेसबुक पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'पटना में नामी बिजनेसमैन गोपाल खेमका की सरेआम हत्या ने बिहार को दहला दिया है। राज्य में हत्या, लूट, अपहरण आम हो गया है, लेकिन सुशासन सरकार गहरी नींद में है। आम आदमी तो दूर, अब तो बड़े कारोबारी भी सुरक्षित नहीं हैं।' उन्होंने कहा कि बिहार में अब सुशासन नहीं, खुला राक्षसराज चल रहा है।

वहीं पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने गोपाल खेमका के बेटे के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि कहा कि इस बच्चे को क्या दिलासा दूं? सात साल पहले गोपाल खेमका जी के पुत्र गुंजन खेमका की हत्या हुई थी, उन्हें न्याय का भरोसा दिलाने गया था।

अगर उस वक्त सरकार अपराधियों की साझीदार न बनकर, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करती तो आज गोपाल खेमका जी की हत्या न होती। उन्होंने कहा कि जैसे ही मुझे इस वारदात की सूचना मिली मैं वहां पहुंचा। पर इस क्रूर एनडीए राज में कोई सुरक्षित नहीं है, अपराधियों का अभ्यारण्य बन गया बिहार! नीतीश जी बख्श दीजिए बिहार को। बिहार की जनता दहशत में जीना नहीं चाहती है।

वजीरगंज के दखिनगांव में चोरों का आतंक एक ही रात में दो घरों से 54 लाख की चोरी

गयाजी (एजेंसियां)। गयाजी जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत दखिनगांव में बीती रात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया।

एक ही रात में दो अलग-अलग घरों को निशाना बनाते हुए चोर लाखों रुपये के जेवरात और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, चोरों ने पहले दखिनगांव निवासी प्रहलाद प्रसाद के घर में सेंध लगाई और करीब 30 लाख रुपये के जेवरात चुरा लिए। इसके बाद प्रोफेसर परमानंद सिंह के घर की खिड़की तोड़कर अंदर घुसे और वहां से भी लगभग 24 लाख रुपये के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना के बाद इलाके के लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि वजीरगंज प्रखंड में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं और पुलिस अब तक किसी भी मामले में ठोस कार्रवाई नहीं कर सकी है। आधी रात को अज्ञात चोरों द्वारा हो रही इन घटनाओं ने लोगों की नींद उड़ा दी है।

स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और क्षेत्र में रात्रि गश्ती बढ़ाने की मांग की है। वहीं, अगर पुलिस प्रशासन की ओर से कार्रवाई नहीं होती है, तो लोगों ने आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

मनरेगा कार्यस्थल पर बदमाशों का हमला, रंगदारी नहीं देने पर मारी गोली

समस्तीपुर (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर जिले में अपराधियों के हौसले एक बार फिर बेखौफ नजर आए। रोसड़ा थाना क्षेत्र के बटहा पंचायत में शनिवार सुबह मनरेगा कार्यस्थल पर पहुंचे पंचायत समिति सदस्य (पंसस) के पति सुरेश प्रसाद सिंह को अपराधियों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के पीछे जेल से मांगी गई तीन लाख रुपये की रंगदारी को वजह बताया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुरेश प्रसाद सिंह मनरेगा योजना के तहत मजदूरों से कार्य करवा रहे थे। इसी दौरान दो बाइक पर सवार चार अपराधी मौके पर पहुंचे और बिना किसी बातचीत के फायरिंग शुरू कर दी। गोली सुरेश सिंह के दाहिने हाथ में लगी है। घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

घायल सुरेश सिंह ने बताया कि पहले भी उनके घर पर फायरिंग की घटना हो चुकी है, जिसकी लिखित शिकायत थाने में दी गई थी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि जेल में बंद कुख्यात अपराधी मनिया ने उनसे तीन लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। समय पर रकम नहीं देने पर यह हमला किया गया।

घटना की सूचना मिलते ही रोसड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और आरोपियों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी है। पंचायत क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई इस वारदात से लोगों में दहशत का माहौल है और प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सैनिटरी पैड की पैकिंग पर राहुल गांधी की तस्वीर से गरमाई सियासत

पटना (एजेंसियां)। वैशाली के हाजीपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कांग्रेस द्वारा सैनिटरी पैड वितरित करने वाली योजना को लेकर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह एकदम गलत है और हम इतने भी समझदार नहीं हैं कि सैनिटरी पैड पर अपनी तस्वीर लगाना उचित हो। यह बहुत शर्मनाक चुनावी स्टंट है। हम लोग पूरी तरह से वेस्टर्नाइज नहीं हुए हैं; हम भारतीय संस्कारों को मानने वाले लोग हैं।

चिराग पासवान ने कहा कि इस पर बातचीत होनी चाहिए, लेकिन इसे राजनीतिक स्टंट नहीं बनना चाहिए। सैनिटरी पैड के ऊपर अपनी तस्वीर देना समझ से परे है। आज तक हमने बड़ी-बड़ी विज्ञापन कंपनियों को देखा है, लेकिन इस तरह का कदम समझ से बाहर है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की तस्वीर लगाकर सैनिटरी पैड का वितरण करना शर्मनाक है। पैड की पैकिंग को देखिए, आप खुद असहज महसूस करेंगे। हम भी देखकर हैरान हैं कि कांग्रेस, जो देश की सबसे पुरानी पार्टी है, इस तरह की राजनीतिक स्टंट कर रही है। अपने प्रचार के लिए ऐसा करना कतई उचित नहीं है, इसकी मैं निंदा करता हूं।

वहीं, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने ठाणे में एक दुकान मालिक के साथ कथित तौर पर मराठी में बात करने से इनकार करने पर मारपीट किए जाने के वायरल वीडियो पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह मेरी समझ से परे है कि भारतीयों के बीच कितने विभाजन पैदा किए जाएंगे, कभी क्षेत्र के नाम पर, कभी भाषा, धर्म या जाति के नाम पर। मैं इस बात का समर्थन करता हूं कि आपकी मातृभाषा आपका गौरव होनी चाहिए, लेकिन इतनी संवेदनशीलता रखने की जरूरत है कि यदि कोई बाहर से आया व्यक्ति इसे नहीं समझ रहा है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि हम असहिष्णु हो जाएं और इस तरह से मारपीट करने लगें। मेरा मानना है कि हर भाषा भारत की खूबसूरती है।

चिमनी के गड्ढे में डूबे तीन किशोरों की मौत से हड़कंप, गांव में मातम

सीवान (एजेंसियां)। सीवान जिले के भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र के मोरा खास गांव से शनिवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गांव के तीन मासूम किशोरों की एक चिमनी के गहरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई।

इस हादसे ने पूरे गांव को सदमे में डाल दिया है। हर तरफ मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतकों की पहचान मोरा खास निवासी पंकज यादव के आठ वर्षीय पुत्र बृजेश कुमार, हरिकिशोर यादव के पुत्र अमन कुमार तथा रंगीला यादव के 10 वर्षीय पुत्र अजित कुमार के रूप में की गई है। इनमें अजित कुमार अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था, जिसकी असामयिक मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है।

घटना के संबंध में मृतक अमन के चाचा नंद किशोर यादव ने बताया कि गांव में ही एक चिमनी स्थित है, जहां ईंट निर्माण के लिए जेसीबी से गहरी मिट्टी की खुदाई की गई थी। उसी गड्ढे में बारिश का पानी भर गया था। शुक्रवार की दोपहर करीब 3 बजे तीनों किशोर नहाने के इरादे से वहां पहुंचे लेकिन परिजनों को इसकी जानकारी नहीं थी। जब शाम तक वे घर नहीं लौटे, तब खोजबीन शुरू हुई। काफी देर की तलाश के बाद शनिवार की सुबह जब चिमनी के गड्ढे में गोताखोरों की मदद से खोजबीन कराई गई, तो तीनों का शव बरामद हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही भगवानपुर हाट थाना की पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिवान सदर अस्पताल भेज दिया। घटना पर महाराजगंज एसडीपीओ राकेश रंजन ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गड्ढा चिमनी के लिए की गई मिट्टी की खुदाई से बना था। हादसा जलजमाव के चलते हुआ। चिमनी का स्वामित्व गांव के अशोक सिंह का बताया जा रहा है। गांव में इस हादसे के बाद शोक की लहर दौड़ गई है।

सीवान में तिहरे हत्याकांड के बाद पुलिस का बड़ा एक्शन, पेट्रोल पंप सील, छह आरोपी गिरफ्तार

सीवान (एजेंसियां)। भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र के मलमलिया ओवरब्रिज के पास शुक्रवार शाम हुए तिहरे हत्याकांड के बाद पुलिस प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। घटना के बाद पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए उस पेट्रोल पंप को सील कर दिया है, जहां पर हत्याकांड की साजिश रची गई थी।

सीवान के एसपी मनोज तिवारी के निर्देश पर पेट्रोल पंप के पास पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। वहीं, पुलिस ने अब तक इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा करीब आधा दर्जन अन्य संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि आपसी रंजिश के कारण एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर हमला कर दिया। हमलावरों ने पहले गाड़ी से कुचलकर फिर तलवार से वार किया, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए सारण के डीआईजी नीलेश कुमार और एसपी मनोज तिवारी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। डीआईजी के निर्देश पर भगवानपुर हाट थाना प्रभारी सुजीत कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

डीआईजी नीलेश कुमार ने कहा कि वे खुद इस मामले की निगरानी कर रहे हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने विशेष जांच दल के साथ एक अतिरिक्त टीम का गठन किया है, जो फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है, जिसे देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट पर है और स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

लॉटरी-जुए के अड्डे पर छापेमारी, 12 बाइक और नकदी के साथ एक गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)। जिले के बिहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेव फुलवारी में पुलिस ने अवैध लॉटरी और जुए के अड्डे पर देर रात बड़ी कार्रवाई की। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में पुलिस ने मौके से 18 हजार 800 रुपये नकद और 12 मोटर साइकिलें जब्त की हैं, जबकि एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार युवक की पहचान छोटू उर्फ छोटू सिंह, निवासी बिशनपुरा गांव के रूप में हुई है। वहीं छापेमारी की भनक लगते ही अंधेरे का फायदा उठाकर कई अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए।

महादेव फुलवारी में करकट की छत वाले एक अस्थायी मकान में यह गेसिंग अड्डा संचालित हो रहा था। छापेमारी का नेतृत्व कर रहे थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध लॉटरी व जुए के कारोबार की सूचना मिल रही थी। इसके बाद विशेष टीम का गठन कर घेराबंदी करते हुए कार्रवाई की गई।

पुलिस मौके से जब्त 12 मोटर साइकिलों को थाने लेकर आई है और उनकी वैधता व मालिकों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी गई है। थानाध्यक्ष राणा के अनुसार गिरफ्तार युवक से पूछताछ जारी है और अन्य फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

गौरतलब है कि छापेमारी की खबर फैलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग घटनास्थल से भागने में कामयाब रहे, जबकि स्थानीय लोगों में पुलिस की अचानक कार्रवाई को लेकर खलबली मच गई। पुलिस का कहना है कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

25 साल के युवक को कोर्ट ने सुनाया 21 साल का सश्रम कारावास

सुपौल (एजेंसियां)। सुपौल जिले के निर्मली थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में कोर्ट ने आरोपी 25 वर्षीय अजय कुमार को दोषी करार देते हुए 21 साल का सश्रम कारावास सुनाया है। फैसला शुक्रवार को जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश षष्ठम सह विशेष न्यायाधीश पॉक्सो संतोष कुमार दुबे की अदालत ने सुनाया। दुष्कर्म मामले में दोषी अजय कुमार निर्मली प्रखंड के ही मझारी वार्ड 8 का रहने वाला है। कोर्ट ने उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2) (जे)(एन) के तहत 21 साल की सश्रम कैद और 50 हजार रुपए जुर्माना सुनाया। जुर्माने की राशि नहीं देने पर उसे 6 महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

कोर्ट ने धारा 363 के तहत 5 साल की कैद और 10 हजार रुपए जुर्माना, धारा 366 के तहत 6 साल की कैद और 10 हजार रुपए जुर्माना भी सुनाया गया। दोनों मामलों में जुर्माना नहीं देने पर 1-1 महीने की अतिरिक्त सजा तय की गई।

अजय कुमार ने 30 नवंबर 2023 को कोर्ट में आत्म समर्पण किया था। तभी से वह जेल में है। घटना 1 अगस्त 2023 से 19 अगस्त 2023 के बीच हुई थी। वही मामले में एफआईआर 12 अक्टूबर 2023 को दर्ज हुआ। कोर्ट ने 28 जून को उसे दोषी ठहराया।

ट्रायल के दौरान कोर्ट में अभियोजन की ओर से कुल 15 गवाह प्रस्तुत किए गए। ट्रायल के दौरान अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक नीलम कुमारी ने पक्ष रखा। वही बचाव में अधिवक्ता नागेंद्र नारायण ठाकुर और विद्याकर मंडल ने पक्ष रखा। इधर, मामले में कोर्ट के आदेश पर पीड़िता को एक लाख रुपए की सहायता राशि भी दी गई है।

सीएम नीतीश ने गोपाल खेमका की हत्या के बाद डीजीपी से कहा

अपराधियों को किसी कीमत पर बख्शा न जाए

पटना (एजेंसियां)। बिहार के बड़े उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या के बाद सियासत गरमा गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार को इस मामले पर घेरा। मामला बढ़ते देख सीएम नीतीश कुमार ने बिहार पुलिस के वरीय अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बिहार के डीजीपी विनय कुमार और अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि अपराध नियंत्रण में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतें। लापरवाही बरतनेवाले पदाधिकारियों और पुलिस कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

बैठक में सीएम नीतीश कुमार को पुलिस महानिदेशक ने अपराध नियंत्रण को लेकर किए जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपति गोपाल खेमका की हुई हत्या के संबंध में बिहार के डीजीपी से विस्तृत जानकारी ली। सीएम ने कहा कि यदि आपराधिक घटना के पीछे किसी प्रकार की साजिश है तो उसकी भी जांच की जाय और जांचोपरांत कठोर कार्रवाई करें।

समीक्षा के दौरान सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अपराध करनेवाले कोई भी हों, उन्हें किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाय। उन्होंने कहा कि घटित आपराधिक घटनाओं के अनुसंधान कार्यों में तेजी लाये और इसे ससमय पूर्ण करें ताकि दोषियों पर त्वरित कार्रवाई हो सके। कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये पुलिस और प्रशासन पूरी मुश्तैदी से कार्य करें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com